बालाघाट
शनिवार 21 नवम्बर 2026
कार्तिक शुक्ल 09 विक्रम संवत 2083
वर्ष 17, अंक 59
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

सेंसेक्स	-	82,532.19
निफ्टी	-	25,387.40
सोना	-	1,40,912
चांदी	-	1,85,000
डॉलर	-	93.46

खास खबर

थिरुपरनकुंड्रम पहाड़ी पर 24 को जलेगा दीपम

मदुरै। सुप्रीम कोर्ट ने तमिलनाडु के मदुरै स्थित सुब्रमण्य स्वामी मंदिर प्रशासन को थिरुपरनकुंड्रम पहाड़ी पर प्राचीन पत्थर के स्तंभ 'दीपथून' पर कार्तिगई दीपम जलाने की अनुमति दी है। कोर्ट ने यह इजाजत सिर्फ 24 नवंबर को यानी इस साल के लिए एक बार दी है। हालांकि, दीप जलाने के लिए केवल मंदिर प्रशासन की सीमित टीम और अधिकृत अधिकारियों को जाने की अनुमति होगी। आम लोगों की एंट्री पर रोक रहेगी। कोर्ट ने मद्रास हाईकोर्ट के फैसले के कुछ हिस्सों पर भी रोक लगाई है। दरअसल, दीपथून पर दीप जलाने को लेकर मंदिर और पहाड़ी के पास स्थित हजरत सुल्तान सिकंदर बदुशा औलिया दरगाह के बीच लंबे समय से विवाद चल रहा है। दीपथून दरगाह से करीब 50 मीटर दूर है।

स्पाइसजेट को फ्लाइट कैंसिलेशन पर नोटिस

नई दिल्ली)। नागरिक उड्डयन महानिदेशालय ने लगातार फ्लाइट कैंसिल होने, देरी और ऑपरेशनल गड़बड़ियों को लेकर स्पाइसजेट को शो-कॉज नोटिस जारी किया है। 17 नवंबर को जारी नोटिस में एयरलाइन से 7 दिनों के भीतर जवाब मांगा गया है। कंपनी की समय पर उड़ान संचालन की स्थिति लगातार खराब हो रही है। इसके कारण यात्रियों को परेशानी हो रही है। साथ ही एयरलाइन तय शेड्यूल का पालन करने और यात्रियों को जरूरी सुविधाएं देने में भी नाकाम रही है। पिछले नौ महीने में कंपनी का मार्केट शेयर 3.9 प्रतिशत से घटकर 0.6 प्रतिशत हो गया है। वहीं, इस साल अगस्त और सितंबर में स्पाइसजेट की हर पांच में से एक उड़ान कैंसिल हुई।

मुश्किल में स्पाइसजेट, कंपनी कर्जदार, सिर्फ 13 प्लेन बचे

नई दिल्ली। नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने लगातार फ्लाइट कैंसिल होने, देरी और ऑपरेशनल गड़बड़ियों को लेकर स्पाइसजेट को नोटिस जारी किया है। 17 नवंबर को जारी नोटिस में एयरलाइन से 7 दिनों में जवाब मांगा गया है । रिपोर्ट्स के मुताबिक, 2019 में देश की दूसरी सबसे बड़ी एयरलाइन कंपनी रही स्पाइसजेट के पास अब सिर्फ 12 से 13 विमान बचे हैं, जिनमें से 10 से भी कम उड़ान भरने की स्थिति में हैं। कंपनी पर करीब 35 करोड़ रुपए का कर्ज है। लीज पर विमान देने वाली कंपनियों को पेमेंट नहीं कर पाने के कारण एयरलाइन से कई विमान हटाए गए हैं या ग्राउंडेड हैं। पिछले 9 महीने में कंपनी का मार्केट शेयर 3.9 प्रतिशत से घटकर 0.6 प्रतिशत ही रहा है।

कुछ ना कहना



चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति पर सुप्रीम कोर्ट में टला फैसला

अब 5 जजों की संविधान पीठ करेगी विचार

2023 के कानून पर दो जजों के बंटे फैसले को वापस लेने की मांग पर अलग सुनवाई से इनकार; वचन पैनल से सीजेआई को बाहर रखने पर है विवाद

नई दिल्ली। मुख्य चुनाव आयुक्त और चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति को लेकर केंद्र सरकार के कानून पर कानूनी विवाद फिलहाल खत्म होता नजर नहीं आ रहा है। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को 2023 के कानून पर आए दो जजों के बंटे हुए फैसले को वापस लेने की मांग पर अलग से सुनवाई करने से इनकार कर दिया। मुख्य न्यायाधीश ने स्पष्ट किया कि इस मामले में पहले से गठित पांच जजों की संविधान पीठ ही रिकॉल याचिका और संबंधित आपत्तियों पर विचार कर सकती है।

इस कानून को लेकर सबसे बड़ी आपत्ति चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति करने वाले चयन पैनल की संरचना पर है। नए कानून में चयन समिति से भारत के मुख्य न्यायाधीश को बाहर कर दिया गया है। अब इस समिति में प्रधानमंत्री, लोकसभा में विपक्ष के नेता और प्रधानमंत्री द्वारा नामित एक केंद्रीय कैबिनेट मंत्री शामिल हैं। याचिकाकर्ताओं का तर्क है कि इससे चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति प्रक्रिया में सरकार का प्रभाव बढ़ सकता है और चुनाव आयोग की स्वतंत्रता प्रभावित होने की आशंका है।



दो जजों की राय में नहीं बनी थी सहमति

दरअसल, 2023 के कानून को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर 23 सितंबर को जस्टिस दीपांकर दत्ता और जस्टिस सतीश चंद्र शर्मा की पीठ ने अलग-अलग राय दी थी। दोनों न्यायाधीशों के बीच इस बात पर सहमति नहीं बन पाई कि कानून को चुनौती देने वाले मामले पर दो जजों की पीठ ही विचार कर सकती है या इसे बड़ी संविधान पीठ के पास भेजा जाना चाहिए। जस्टिस दत्ता का मत था कि दो जजों की पीठ इस चुनौती पर फैसला कर सकती है, जबकि जस्टिस शर्मा ने संवैधानिक महत्व के सवालों को देखते हुए मामले को पांच जजों की संविधान पीठ के पास भेजने की जरूरत बताई थी। इस तरह मामले में स्प्लिट वर्डिक्ट यानी विभाजित फैसला सामने आया।

प्रशांत भूषण ने उठाया सुनवाई का सवाल

शुक्रवार को सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ताओं की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता प्रशांत भूषण ने दलील दी कि फैसले को वापस लेने की अर्जी पर उसी मूल पीठ को सुनवाई करनी चाहिए, जिसने 23 सितंबर को विभाजित फैसला दिया था। इस पीठ में जस्टिस दीपांकर दत्ता और जस्टिस सतीश चंद्र शर्मा शामिल थे। भूषण ने यह भी कहा कि जस्टिस शर्मा अगले सप्ताह सेवानिवृत्त होने वाले हैं। उन्होंने उनके मामले में हितों के टकराव (कॉन्फ्लिक्ट ऑफ इंटरेस्ट) की आशंका का मुद्दा भी उठाया। उनका कहना था कि रिकॉल याचिका पर सुनवाई की प्रक्रिया को इसी आधार पर तय किया जाना चाहिए।

पांच जजों की पीठ के सामने रखें आपत्ति

इस पर मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि रिकॉल आवेदन और रेफरेंस आदेश को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर पांच जजों की संविधान पीठ विचार कर सकती है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि मूल फैसला देने वाली पीठ के किसी एक न्यायाधीश के सेवानिवृत्त होने से संविधान पीठ के रिकॉल आवेदन पर विचार करने में बाधा नहीं आएगी। भूषण ने रेफरेंस आदेश को वापस लेने की मांग से जुड़ी आपत्ति भी रखी। हालांकि, मुख्य न्यायाधीश ने संकेत दिया कि इन सभी मुद्दों को पांच जजों की संविधान पीठ के सामने उठाया जा सकता है। इस पीठ को 2023 के कानून की संवैधानिक वैधता पर विचार करना है।

अब संविधान पीठ के फैसले पर नजर

शुक्रवार के घटनाक्रम के बाद अब इस विवाद का अगला महत्वपूर्ण पड़ाव पांच जजों की संविधान पीठ की सुनवाई होगी। उसके सामने न केवल 2023 के कानून की संवैधानिक वैधता का सवाल होगा, बल्कि विभाजित फैसले को वापस लेने की मांग और सुनवाई की प्रक्रिया से जुड़ी आपत्तियां भी रखी जा सकती हैं। इस मामले का महत्व इसलिए भी ज्यादा है क्योंकि चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति प्रक्रिया सीधे चुनाव आयोग की संस्थागत स्वतंत्रता और निष्पक्षता से जुड़ी है। संविधान पीठ का फैसला भविष्य में चुनाव आयोग की नियुक्तियों की व्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण नजीर बन सकता है।

जीटीए-6 के जरिए बीजेपी ने दिखाया देश का विकास, यूपीए सरकार पर साधा निशाना, पीएम मोदी ने पोस्ट कर लिखा-

भारत अब एक बिल्कुल नया खेल रहा

नई दिल्ली। बीजेपी ने वीडियो गेम 'ग्रैंड थेफ्ट ऑटो 6' (जीटीए 6) के लॉन्च की लोकप्रियता का फायदा उठाते हुए इसकी तस्वीरों और प्रतीकों का इस्तेमाल अपनी सरकार के कार्यकाल में हुए विकास कार्यों को दिखाने और कांग्रेस के नेतृत्व वाली यूपीए सरकार पर निशाना साधने के लिए किया है। पीएम मोदी ने एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा- भारत अब एक बिल्कुल नया खेल खेल रहा है। इसके साथ ही उन्होंने 10 चित्र साझा किए, जिनका शीर्षक था- 'जीटीए 5 और 6 के बीच भारत ने इस तरह प्रगति की।'



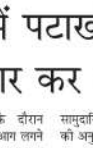
पीएम मोदी ने इन चित्रों के जरिए वीडियो गेम के दोनों संस्करणों के बीच तुलना करते हुए भारत में विकास के कई पैमानों में आए बदलावों का उल्लेख किया। जीटीए एक लोकप्रिय वीडियो गेम शृंखला है। इसके पांचवें और छठे संस्करण को क्रमशः 'जीटीए 5' और 'जीटीए 6' कहा जाता है। बीजपी की राष्ट्रीय महासचिव स्मृति ईरानी ने भी पीएम मोदी की पोस्ट साझा करते हुए लिखा, "जब पूरी दुनिया जीटीए 6 का इंतजार कर रही थी, तब 'टीम इंडिया' ने बड़ी छलांग लगाई। उसने हर बड़े सपने को हकीकत में बदलकर लक्ष्य हासिल किया।

जीटीए 'संग्रम का दौर!' शीर्षक से एक वीडियो पोस्ट किया गया। इसमें 'यूपीए का घोटाला युग' और '2004-14' जैसे शब्दों का इस्तेमाल किया गया। वीडियो के कैप्शन में लिखा था, "खेल की दुनिया वही, लेकिन लूट अलग। 2004 से 2014 के बीच घोटाले कोई गेम मिशन नहीं, बल्कि घोषणापत्र थे।" पोस्ट के अंत में लिखा गया, "बड़े पैमाने पर घोटालों के लिए एम रेटिंग।" बीजेपी की गोवा इकाई ने भी जीटीए की थीम पर एक वीडियो साझा किया। इसके कैप्शन में लिखा, "जहां जीटीए 6 आभासी रोमांच का वादा करता है, वहीं गोवा में राजनीतिक विपक्ष की अपनी अलग ही पैसी वाली कहानी नजर आती है।

बीजेपी के राज्यसभा सदस्य विनोद तावड़े ने एक्स पर लिखा कि जीटीए 6 ने कथित तौर पर सिर्फ 'प्री-ऑर्डर' से 1.5 अरब डॉलर से ज्यादा की कमाई की है। उन्होंने कहा कि इस गेम के पीछे ऐसे लेखक हैं, जो कल्पनाएं करते हैं, कलाकार हैं, जो डिजाइन तैयार करते हैं, इंजीनियर हैं, जो निर्माण करते हैं, संगीतकार हैं, जो धुनें तैयार करते हैं और परखने वाले लोग हैं, जो हर चीज को बेहतर बनाते हैं। हमारे युवाओं में भी यही प्रतिभा और रचनात्मक ऊर्जा है। मुंबई स्थित इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ क्रिएटिव टेक्नोलॉजी जैसे संस्थान अब गेमिंग, एनीमेशन और विजुअल इफेक्ट्स के पाठ्यक्रम उपलब्ध करा रहे हैं। युवाओं के सामने अवसरों की पूरी दुनिया है।

मुंबई में पटाखों पर पूर्ण प्रतिबंध पर विचार कर रहा बॉम्बे हाईकोर्ट

मुंबई। दिवाली के दौरान शहर में 300 से अधिक आग लगने की घटनाओं और ध्वनि व वायु प्रदूषण में भारी वृद्धि को चिंताजनक बताकर बॉम्बे हाईकोर्ट मुंबई में पटाखों पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने पर विचार कर रही है। न्यायमूर्ति गिरीश कुलकर्णी और न्यायमूर्ति नीला गोखले की पीठ ने कहा कि यदि नागरिक असंवेदनशील बने रहते हैं और उनमें नागरिक बोध की कमी रहती है, तब पीठ केवल निर्धारित स्थानों पर सामुदायिक रूप से पटाखे फोड़ने की अनुमति देगी।



अदालत ने स्पष्ट किया कि शहर को इस जहरीले वातावरण से मुक्त करने और रहने के लिए अधिक अनुकूल बनाने का यही एकमात्र समाधान होगा। पीठ ने कहा, दूसरों का स्वास्थ्य हमारी मुख्य चिंता है। अदालत ने अगस्त से ही सार्वजनिक सड़कों पर पटाखे फोड़ने पर रोक लगाई थी, लेकिन दिवाली के दौरान आग की घटनाओं और रात तीन बजे तक अत्यधिक ध्वनि प्रदूषण के सहेजदेज ऐसा प्रतीत होता है कि लोगों ने अपनी मानसिकता न बदलने का ठान लिया है। पीठ ने लाखों नागरिकों के व्यापक हित में कुछ कड़े आदेश पारित करने की आवश्यकता पर बल दिया। अदालत ने कहा कि कोई भी उत्सव ऐसा नहीं होना चाहिए जो इस तरह से इंसानों और संपत्ति को नुकसान पहुंचाए। मामले की अगली सुनवाई 7 दिसंबर को होगी।

आजम खां ने मांगी इच्छा मृत्यु

रामपुर। विभिन्न मामलों में न्यायालय से जमानत मिलने के बाद रिहा हुई समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता आजम खां ने कहा है कि अगर उनसे इतनी ही नफरत है तो सरकार उन्हें पूरे परिवार समेत इच्छा मृत्यु दे दे या फिर देश छोड़ने की इजाजत दे। उन्होंने कहा कि इन दोनों में से कोई एक फैसला तो किया जा सकता है। आजम खां ने आरोप लगाया कि उत्तर प्रदेश में नफरत का एजेंडा चलाया जा रहा है और शिक्षा का मंदिर बनाने और मुसलमान होने की उन्हें सजा दी जा रही है।

अपने ड्रीम प्रोजेक्ट जौहर विश्वविद्यालय को लेकर उन्होंने कहा कि जब विश्वविद्यालय तोड़ने की बात सुनी तो सोचा था कि खंडहरों में बच्चों को पढ़ाएंगे। दुनिया को बताएंगे कि लोग रोमन साम्राज्य के खंडहर देखने जाते हैं, वैसे ही जौहर विश्वविद्यालय भी देखने आएं। इसे दुनिया के लिए मिसाल बना देंगे। उन्होंने दावा किया कि विश्वविद्यालय के 90 प्रतिशत भवन वर्ष 2004, 2005 और 2006 में ही तैयार हो चुके थे। इसके बावजूद आयकर विभाग ने गलत दरों के आधार पर आकलन किया और दिल्ली का रेट लगा दिया। उन्होंने कहा कि उनके पास इस घर के अलावा कोई दूसरा मकान नहीं है। 50 साल तक लखनऊ की राजनीति में रहने और चार बार मंत्री बनने के बावजूद उन्होंने दूसरा घर नहीं बनाया। ईडी, आयकर विभाग, विकास प्राधिकरण और सीबीआई जैसी एजेंसियों की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए कहा कि इनके कारण बहुत से लोग परेशान हैं।



वहीं सपा नेता आजम खां ने एक बड़ा खुलासा करते हुए बताया कि सीतापुर जेल में बंद रहने के दौरान एक पार्टी के एक बड़े नेता ने उनसे संपर्क किया था। उस नेता की ओर से उन्हें पार्टी छोड़ने का प्रस्ताव दिया गया था। उसके बदले आजम खां और उनके परिवार के खिलाफ दर्ज सभी मुकदमे हटवाने का भरोसा दिलाया गया था। हालांकि, उन्होंने इस प्रस्ताव को स्वीकार करने से इन्कार कर दिया। आजम खां ने कहा कि उन्हें पार्टी छोड़ने के बदले परिवार को मुकदमों से राहत देने की बात कही गई थी, लेकिन उन्होंने ऐसा करना उचित नहीं समझा। उन्होंने प्रस्ताव ठुकराते हुए जेल में रहना मंजूर किया।

यूएई से भारत लाया गया भगोड़ा मोहम्मद माजिन

शादी का झांसा देकर की 14 महिलाओं से ठगी और यौन शोषण

नई दिल्ली। महिलाओं के कथित यौन शोषण के मामलों में महाराष्ट्र पुलिस द्वारा वांछित एक व्यक्ति को शुक्रवार को संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) से वापस भारत लाया गया (डिपोर्ट किया गया)। इस पूरी कार्रवाई में केंद्रीय जांच ब्यूरो ने समन्वय किया। इस भगोड़े मोहम्मद माजिन के खिलाफ इंटरपोल का रेड नोटिस जारी था। सीबीआई की प्रवक्ता वीना यादव ने एक बयान में बताया कि वह एक ऐसे मामले में वांछित था, जिसमें उसने कथित तौर पर पीड़िता को शादी का झूठा झांसा देकर अपने जाल में फंसाया, उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए और उसका शारीरिक, मानसिक व आर्थिक शोषण किया। इसमें उसने धोखे से 18 लाख रुपये ऐंठना भी शामिल है। यादव ने कहा कि सक्षम अदालत में चार्जशीट पहले ही दाखिल की जा चुकी है। जांच में यह भी पता चला कि उसने इसी तरह शादी का झांसा देकर 13 अन्य महिलाओं का शोषण किया, उनसे पैसे लिए और उनके साथ अंतरंग पलों के वीडियो भी बनाए। इसके बाद आरोपी विदेश भाग गया। महाराष्ट्र पुलिस के अनुरोध पर सीबीआई ने इंटरपोल के जरिए माजिन के खिलाफ रेड नोटिस जारी करवाया।

ट्रंप-जिनपिंग-पुतिन एक टेबल पर साथ बैठे, राहुल गांधी का पीएम मोदी पर तंज

कांग्रेस होती तो भारत के प्रधानमंत्री भी इस टेबल पर होते

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधते हुए उन्हें 'समझौतावादी प्रधानमंत्री' बताया है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप, चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की एक साथ बैठी तस्वीर शेयर की। इसके साथ ही उन्होंने भारत की वैश्विक कूटनीतिक स्थिति को लेकर सवाल उठाए। राहुल गांधी ने अपने पोस्ट में लिखा कि अगर कांग्रेस सत्ता में होती तो भारत के प्रधानमंत्री भी इस टेबल पर बैठे होते। समझौता करने वाला प्रधानमंत्री कभी इस टेबल पर नहीं बैठ सकता।



दरअसल एपीईसी समिट और अहम बैठकों के लिए चीन के शेनज़ेन पहुंचे तीनों बड़े नेताओं की मुलाकात की तस्वीर को लेकर राहुल गांधी ने यह टिप्पणी की। उनका इशारा सीधे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तरफ था। राहुल का कहना है कि मौजूदा सरकार की नीतियों के चलते भारत को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर वह अहमियत नहीं मिल रही, जो मिलनी चाहिए।

भाजपा का पलटवार

राहुल गांधी के इस बयान पर भाजपा प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने पलटवार किया। उन्होंने एक्स पर पोस्ट करते हुए कांग्रेस के शासनकाल को विदेश नीति पर सवाल खड़े किए। भंडारी ने दावा किया कि अगर कांग्रेस सत्ता में होती तो भारत ब्रिक्स में अपनी सदस्यता खोने की स्थिति में पहुंच जाता, जैसा कि 2013 में हुआ था। इससे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत की स्थिति भी कमजोर होती। भंडारी ने आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार के दौरान भारत ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की स्थायी सदस्यता का मौका चीन को दे दिया था। उन्होंने शर्म अल शेख में पाकिस्तान के प्रति नरम रुख अपनाने और राष्ट्रीय सुरक्षा से समझौता करने का भी आरोप लगाया।

कावेरी से 11 टीएमसी अतिरिक्त पानी छोड़ने की तमिलनाडु की मांग खारिज

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने कावेरी नदी से कर्नाटक द्वारा तमिलनाडु के लिए 11 टीएमसी अतिरिक्त पानी छोड़े जाने की मांग वाली याचिका खारिज कर दी है। तमिलनाडु सरकार ने अदालत से कर्नाटक को अतिरिक्त पानी छोड़ने का निर्देश देने की मांग की थी। राज्य सरकार का कहना था कि पानी की कमी के कारण किसानों को परेशानी हो रही है और फसलें प्रभावित हो रही हैं।

तमिलनाडु सरकार ने अपनी याचिका में राज्य में पानी की मौजूदा कमी का हवाला देते हुए कर्नाटक से अतिरिक्त पानी उपलब्ध कराने की मांग की थी। सरकार का कहना था कि पर्याप्त पानी नहीं मिलने से कृषि गतिविधियों पर असर पड़ रहा है और किसानों के सामने मुश्किलें पैदा हो रही हैं। तमिलनाडु की ओर से कावेरी नदी से 11 टीएमसी अतिरिक्त पानी छोड़े जाने का निर्देश देने का अनुरोध किया गया था। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने कर्नाटक को अतिरिक्त पानी छोड़ने का निर्देश देने से इनकार कर दिया और तमिलनाडु की मांग खारिज कर दी। कावेरी जल बंटवारा कर्नाटक और तमिलनाडु के बीच लंबे समय से संवेदनशील मुद्दा रहा है। मौजूदा मामले में भी तमिलनाडु ने पानी की कमी और किसानों की परेशानी को आधार बनाकर अतिरिक्त जल छोड़ने की मांग की थी, लेकिन अदालत से राहत नहीं मिली।

चक्रवात 'अकवान' ने ओडिशा तट पर दी दस्तक

-दस राज्यों में असर की आशंका, तीन लाख लोगों को सुरक्षित जगहों पर पहुंचाया, 69 ट्रेनें हुईं रद्द

नई दिल्ली। बंगाल की खाड़ी में बना भीषण चक्रवाती तूफान 'अकवान' शुक्रवार सुबह से ओडिशा के तट से टकराने लगा है। तूफान के बाहरी बारिश वाले बादल सुबह से ही तटीय इलाकों में पहुंच गए और गोपालपुर के आसपास इसके टकराने की प्रक्रिया शुरू हो गई। मौसम विभाग के अनुसार, यह प्रक्रिया करीब तीन घंटे तक जारी रह सकती है। चक्रवात के प्रभाव से ओडिशा के साथ आंध्र प्रदेश और पश्चिम बंगाल के कई हिस्सों में तेज बारिश और हवाएं चल रही हैं।

भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के मुताबिक, चक्रवात पिछले छह घंटे में करीब 21 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से उत्तर-उत्तर-पश्चिम दिशा में आगे बढ़ा। शुक्रवार सुबह यह आंध्र प्रदेश के कलिंगपट्टनम से करीब 80 किलोमीटर पूर्व और ओडिशा के गोपालपुर से करीब 130 किलोमीटर दक्षिण में स्थित था। इसके शुक्रवार दोपहर पुरी और गोपालपुर के बीच ओडिशा तट को पार करने का अनुमान जताया गया है।

चक्रवात को देखते हुए ओडिशा में करीब तीन लाख लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। प्रशासन ने प्रभावित क्षेत्रों में 2,523 राहत शिविर बनाए हैं, जबकि 423 रेस्क्यू टीमें तैनात की गई हैं। तटीय क्षेत्रों में प्रशासन और आपदा प्रबंधन एजेंसियां लगातार स्थिति पर नजर रख रही हैं।

चक्रवात के कारण रेल परिचालन भी प्रभावित हुआ है। पूर्व तट रेलवे ने 41 ट्रेनें और दक्षिण पूर्व रेलवे ने 28 एक्सप्रेस ट्रेनें रद्द की हैं। वहीं, 28 अन्य ट्रेनों के प्रस्थान समय में बदलाव किया गया है। रद्द की गई सेवाओं में लंबी दूरी की एक्सप्रेस, पैसेंजर, मेमू और बंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनें शामिल हैं। रेलवे ने यात्रियों की सुरक्षा को देखते हुए यह कदम उठाया है।

नाटा में आयोजित हुआ जिला स्तरीय जनविश्वास शिविर, 61 आवेदन हुए प्राप्त

कलेक्टर ने अधिकारियों को समय-सीमा में निराकरण के दिए निर्देश





पदमेश न्यूज। बालाघाट। ग्रामीणों की समस्याओं का मौके पर समाधान करने और शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान के तहत शुक्रवार को परसवाड़ा विकासखंड के ग्राम नाटा में जिला स्तरीय जनविश्वास शिविर आयोजित किया गया। शिविर में विधायक मधु भगत, कलेक्टर आदित्य सिंह एवं पुलिस अधीक्षक मलय जैन सहित जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने ग्रामीणों से सीधा संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं। शिविर में विभिन्न मांगों एवं समस्याओं से संबंधित कुल 61 आवेदन प्राप्त हुए। कार्यक्रम में एसडीएम श्रीश प्यासी, जिला पंचायत सदस्य तामेश्वर पटले, पूर्व विधायक दरबूसिंह उइके, जनपद उपाध्यक्ष कौंतिलाल राहंगडाले, जनपद सीईओ डीआर उइके, सरपंच कुंवर सिंह सहित विभिन्न विभागों के जिला एवं विकासखंड स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे। शिविर में आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से बड़ी संख्या में लोग अपनी समस्याएं लेकर पहुंचे।

अंतिम छोर के गांव तक प्रशासन की पहुंच सराहनीय- विधायक मधु भगत

विधायक मधु भगत ने कहा कि मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान मध्यप्रदेश शासन की महत्वाकांक्षी पहल है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा इसे आमजन की समस्याओं का त्वरित निराकरण सुनिश्चित करने के उद्देश्य से शुरू किया गया है। उन्होंने कहा कि परसवाड़ा विकासखंड के अंतिम छोर पर मंडला जिले की सीमा से लगे ग्राम नाटा में जिला स्तरीय शिविर आयोजित करना जिला प्रशासन की सराहनीय पहल है। विधायक ने अधिकारियों का ध्यान विशेष रूप से स्वास्थ्य, बिजली एवं नलजल से जुड़ी समस्याओं की ओर आकर्षित किया। उन्होंने कहा कि यदि शासकीय अमला अपनी जिम्मेदारियों का बेहतर ढंग से निर्वहन करे तो जनविश्वास शिविरों में समस्याओं की स्थिति उत्पन्न ही नहीं होगी। आमजन को शासकीय योजनाओं और सुविधाओं का लाभ समय पर मिलना चाहिए। शिविर में स्वास्थ्य विभाग के अमले द्वारा स्वास्थ्य परीक्षण की भी व्यवस्था की गई थी।

61 आवेदनों के निराकरण में लापरवाही न हो-कलेक्टर श्री सिंह

शिविर में ग्रामीणों द्वारा अपनी विभिन्न समस्याओं एवं मांगों को लेकर कुल 61 आवेदन प्रस्तुत किए गए। कलेक्टर आदित्य सिंह ने सभी विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्राप्त आवेदनों का प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र निराकरण किया जाए। कोई भी आवेदन अनावश्यक रूप से लंबित नहीं रखा जाए। उन्होंने बताया कि जनविश्वास शिविर में प्राप्त आवेदनों के निराकरण की नियमित समीक्षा की जा रही है, ताकि आवेदकों को समय पर राहत मिल सके। कलेक्टर ने शिविर में उपस्थित महिलाओं से आजीविका मिशन के स्व-सहायता समूहों से जुड़ने और रोजगारमूलक गतिविधियां अपनाकर अपनी आय बढ़ाने का भी आग्रह किया।

पशुपालन, पोषण और कृषि योजनाओं की दी जानकारी

शिविर में विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने ग्रामीणों को शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देकर उनका लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया। पशु चिकित्सक डॉ. योगेंद्र घोडेश्वर ने डॉ. भीमराव अंबेडकर कामधेनु योजना, पशुओं में कृत्रिम गर्भाधान, बकरी पालन योजना एवं भैंस पालन योजना के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने जानकारी दी कि बीमार पशुओं के उपचार के लिए चलित पशु चिकित्सा इकाई की सुविधा भी उपलब्ध है। इसके लिए टोल फ्री नंबर 1962 पर कॉल कर इस सेवा का लाभ लिया जा सकता है। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा शिविर में प्रदर्शनी लगाकर कुपोषण से बचाव तथा बच्चों एवं महिलाओं के पोषण संबंधी उपायों की जानकारी दी गई। वहीं कृषि विभाग की ओर से किसानों को सरसों एवं चना के बीज का वितरण किया गया।

सीएम हेल्पलाइन की लंबित शिकायतों की भी हुई समीक्षा

जनविश्वास शिविर के दौरान परसवाड़ा विकासखंड से संबंधित सीएम हेल्पलाइन की लंबित शिकायतों की भी समीक्षा की गई। कलेक्टर आदित्य सिंह ने संबंधित विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि शिकायतों का तत्परता से निराकरण किया जाए और आमजन को समय पर राहत उपलब्ध कराई जाए।

शिविर से पहले विभागीय कार्यालयों का किया निरीक्षण

ग्राम नाटा में जिला स्तरीय जनविश्वास शिविर के आयोजन से पहले विभिन्न विभागों के अधिकारियों द्वारा परसवाड़ा क्षेत्र में संचालित विभागीय गतिविधियों एवं कार्यालयों का निरीक्षण किया गया। इस दौरान अधिकारियों ने विभागीय कार्यप्रणाली की जानकारी लेते हुए शासन की योजनाओं के क्रियान्वयन की स्थिति का जायजा लिया। जनविश्वास शिविर के माध्यम से जिला प्रशासन ने ग्रामीणों तक शासकीय योजनाओं का लाभ पहुंचाने, उनकी समस्याओं का निराकरण करने तथा प्रशासन और आमजन के बीच विश्वास को और मजबूत बनाने की पहल की।

दीप ज्योति नशा मुक्ति केंद्र में विधिक जागरूकता शिविर आयोजित

पदमेश न्यूज। बालाघाट। नशा एक गंभीर सामाजिक बुराई है, जो व्यक्ति के अनमोल जीवन को बर्बादी की ओर ले जाने के साथ ही पूरे परिवार और समाज को प्रभावित करती है। नशीले पदार्थों के सेवन से व्यक्ति की शारीरिक, मानसिक और आर्थिक नुकसान पहुंचता है। इसी विषय को लेकर बालाघाट विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से दीप ज्योति नशा मुक्ति केंद्र में विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया।शिविर में जिला विधिक सहायता अधिकारी श्रीमती तबस्सुम खान ने केंद्र में भर्ती रहकर उपचार करा रहे लोगों को नशे के दुष्परिणामों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि नशा किसी भी प्रकार का हो, वह व्यक्ति को विनाश की ओर ले जाता है। नशे की लत के कारण कई परिवार टूटने की कगार पर पहुंच जाते हैं। नशे की हालत में व्यक्ति सही और गलत के बीच अंतर नहीं समझ पाता और कई बार अपराध भी कर बैठता है।उन्होंने कहा कि नशा एक गंभीर बीमारी है, जिसका उपचार संभव है। इसके लिए व्यक्ति को दृढ़ इच्छाशक्ति के साथ नशे से दूर रहने का निर्णय लेना होगा। स्वयं पर नियंत्रण और सकारात्मक सोच के माध्यम से नशे की आदत को छोड़ा जा सकता है। उन्होंने उपचाररत लोगों से संवाद करते हुए उनके काम, गांव और परिवार के संबंध में जानकारी ली तथा उन्हें जीवन में दोबारा नशा नहीं करने का संकल्प दिलाया।शिविर के अंत में दीप ज्योति नशा मुक्ति केंद्र परिवार की ओर से श्रीमती तबस्सुम खान के प्रति आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया गया।



माँ अन्नपूर्णा मंदिर में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया नामदेव जन्मोत्सव

756 वी जयंती पर विभिन्न कार्यक्रमों के किए गए आयोजन

पदमेश न्यूज। बालाघाट। प्रतिवर्ष के अनुसार इस वर्ष भी नगर के वार्ड नंबर 20 स्थित माँ अन्नपूर्णा मंदिर में नामदेव जन्मोत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्तिक मास की शुक्ल पक्ष एकादशी पर शुक्रवार को आयोजित इस नामदेव जयंती पर विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन किए गए। जो सुबह से लेकर देर रात तक चलते रहे। माँ अन्नपूर्णा मंदिर में आयोजित इस 756 वे नामदेव जन्मोत्सव के तहत नामदेव महिला मंडल एंव नामदेव युवा समिति द्वारा पिछले कई वर्षों से चली आ रही परंपरा को इस वर्ष भी निभाया गया। जहां वर्षों से चली आ रही परंपरा के अनुसार नामदेव जन्मोत्सव पर मंदिर परिसर में हवन, पूजन, सामूहिक आरती, हल्दी कुमकुम वितरण, सुंदरकांड पाठ, व प्रसाद वितरण सहित अन्य कार्यक्रम सम्पन्न कराए गए। वहीं सुबह से लेकर शाम तक विभिन्न कार्यक्रमों की आयोजन कर देर रात कार्यक्रमों का समापन किया गया।



विभिन्न कार्यक्रमों के किए गए आयोजन

नामदेव महिला मंडल की महिला पदाधिकारियो ने बताया कि संत नामदेव जी महाराज की 756 वी जयंती मां अन्नपूर्णा मंदिर में नामदेव महिला मंडल द्वारा आयोजित की गई है।जिसमें सुबह संत नामदेव जी महाराज की पूजा अर्चना सकल नामदेव समाज द्वारा किया गया व दोपहर में सुंदरकांड का पाठ किया गया है इसके साथ ही 56 भोग अर्पित कर आरती व प्रसाद वितरण किया गया। कार्यक्रम में समस्त श्रद्धालुगण और नामदेव युवा मंडल उपस्थित रहे।

शुक्रवार को अचानक बदला मौसम का मिजाज

दिनभर छाए रहे बादल, सर्द हवाओं और हल्की बूंदाबांदी से जिले में बढ़ी ठिठुरन

पदमेश न्यूज। बालाघाट। बंगाल की खाड़ी में बने चक्रवाती तूफान अकवान का असर अब बालाघाट जिले के मौसम पर भी साफ दिखाई देने लगा है। शुक्रवार को जिले में मौसम ने अचानक करवट बदल ली। दिनभर आसमान में बादल छाए रहे, सर्द हवाएं चलीं और दोपहर में कुछ जगहों पर हल्की बूंदाबांदी भी हुई। मौसम के इस बदले मिजाज ने जहां एक ओर ठिठुरन बढ़ा दी है, वहीं खेतों में कटकर पड़ी धान की फसल को लेकर किसानों की चिंता भी बढ़ा दी है। जिले में इस समय खरीफ सीजन की धान फसल की कटाई और गहाली का काम अंतिम दौर में है। बड़ी संख्या में किसानों ने धान काटकर खेतों में सुखाने के लिए रखी है। ऐसे में शुक्रवार की सुबह से ही सूर्यदेव के दर्शन नहीं होने और दोपहर में हुई हल्की बूंदाबांदी ने किसानों की बेचैनी बढ़ा दी है। किसानों को डर है कि यदि तेज बारिश हुई तो खेतों में पड़ी फसल भीग जाएगी, जिससे धान की गुणवत्ता प्रभावित होने के साथ ही उन्हें भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ सकता है। जिले में करीब एक लाख हेक्टेयर में हल्की और दो लाख हेक्टेयर में भारी धान की खेती की गई है। मौसम में संभावित बदलाव को देखते हुए कृषि विभाग ने किसानों को सतर्क रहने की सलाह दी है। विभाग ने किसानों से अपील की है कि वे खेतों में पड़ी कटी फसल को जल्द सुरक्षित स्थान पर पहुंचाएं या फिर उसका बोझा बांधकर खड़ा कर दें, ताकि बारिश होने पर नुकसान से बचा जा सके। दूसरी ओर, तापमान में आई गिरावट और बढ़ी ठंड के चलते बाजारों में गर्म कपड़ों की रौनक बढ़ गई है। सुबह और शाम के समय ठंड का असर तेज होने से लोग स्वेटर, जैकेट और गर्म टोपियों की खरीदारी करने बाजार पहुंच रहे हैं।



घर के सामने छापरी में बैठे ५८ वर्षीय व्यक्ति की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत

पदमेश न्यूज। वारासिवनी। रामपायली थाना अंतर्गत ग्राम गर्रा में ५८ वर्षीय व्यक्ति की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। घटना के बाद क्षेत्र में चर्चा का माहौल है सूचना मिलने पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर आवश्यक पंचनामा कार्यवाही की तथा मर्ग कायम कर मामले की जांच प्रारंभ कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम गर्रा के वार्ड क्रमांक १८ निवासी रमेश पिता मोतीलाल खरे ५८ वर्ष अपने परिवार के साथ रहता था। बताया जाता है कि घटना वाले दिन सुबह करीब ९ बजे वह घर से बस्ती की ओर गया था। वहां से वापस लौटने के दौरान उसके साथ किसी व्यक्ति का विवाद होने की बात सामने आ रही है। हालांकि विवाद के कारणों और परिस्थितियों की पुष्टि होना अभी शेष है। घर लौटने के बाद रमेश अपने कमरे में जाकर सो गया इसके बाद दोपहर करीब १२ बजे वह उठकर घर के सामने स्थित छापरी में आया और वहां बैठा हुआ था। इसी दौरान अचानक उसकी तबीयत बिगड़ने से उसकी मौत हो गई। परिजनों को इसकी जानकारी मिलते ही उन्होंने तत्काल पुलिस को सूचना दी और रमेश को उपचार के लिए रामपायली अस्पताल पहुंचाया जहां चिकित्सक ने परीक्षण के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना पर पुलिस ने आवश्यक कार्यवाही करते हुए शव का पोस्टमार्टम कराया और अंतिम संस्कार के लिए परिजनों को सौंप दिया। फिलहाल पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच की जा रही हैं।

कैरियर हायर सेकेण्डरी स्कूल में विधिक साक्षरता एवं जागरूकता शिविर संपन्न

पदमेश न्यूज। वारासिवनी। स्थानीय कैरियर हायर सेकेण्डरी स्कूल में न्यायोत्सव विधिक सेवा सप्ताह २०२६ के अंतर्गत आज विधिक साक्षरता एवं जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का शुभारंभ न्यायमूर्ति ऋषभ डॉनल सिंह द्वितीय व्यवहार न्यायाधीश द्वारा माँ सरस्वती के छाया चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया गया। कु. वैशाली पथिक एवं कु. मानसी हेड़ाऊ के द्वारा माँ सरस्वती के गायन के उपरांत अतिथियों का पुष्पहार एवं पुष्प गुच्छ से स्वागत किया गया। इसके पश्चात् शिविर के अध्यक्ष न्यायमूर्ति के द्वारा छात्र छात्राओं को शिक्षक शिक्षिकायें सहित कर्मचारियों को कानून की जानकारी दी गई। जिसमें पाक्सो एक्ट साइबर क्राइम सहित सॉविधान प्राप्त मौलिक अधिकारों की जानकारी दी गई। इसके साथ ही चिल्ड्रन हेल्प लाईन नम्बर १०९८ की भी जानकारी दी गई। इसके अतिरिक्त स्कूल संचालक एवं प्राचार्य निरंजन बिसेन के द्वारा भी कानून की जानकारी दी गई। शिविर का मंच संचालन एवं आभार व्यक्त वरिष्ठ व्याख्याता राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी राकेश कुमार मिश्रा के द्वारा किया गया।



श्री गोपाल स्मृति एग्रो (प्रा.लि.) बालाघाट द्वारा उत्पादित 'जम्बूनीर' एडेड मिनरल (वाटर) बाटलिंग प्लांट के लिये वितरक नियुक्त किया जाना है जिस हेतु जिले के सभी तहसीलों से इच्छुक व्यापारी संपर्क करें।
कार्या. वार्ड नं. ३३
मोतीनगर, बालाघाट
संपर्क सूत्र
9425447638, 9770674420

बारबेड वायर (कांटेदार तार) एवं चेन लिंक जाली उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध
निर्माता
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

बालाघाट एक्सप्रेस सिटी न्यूज

3
पद्मेश न्यूज
बालाघाट एक्सप्रेस

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

पीएम स्वनिधि योजना के क्रियान्वयन में बालाघाट नगर पालिका देश में तीसरे स्थान पर

नई दिल्ली में स्वनिधि सम्मान पुरस्कार-2026 से किया गया सम्मानित, केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर ने नपाध्यक्ष भारती ठाकुर को सौंपा राष्ट्रीय पुरस्कार

पद्मेश न्यूज। बालाघाट।
कोरोना महामारी के कठिन दौर में रेहड़ी-पटरी और ठेले लगाकर आजीविका चलाने वाले छोटे व्यापारियों को आर्थिक सहारा देने के उद्देश्य से शुरू की गई प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के प्रभावी क्रियान्वयन में बालाघाट नगर पालिका परिषद ने राष्ट्रीय स्तर पर बड़ी उपलब्धि हासिल की है। योजना के बेहतर क्रियान्वयन के लिए देशभर के नगरीय निकायों में बालाघाट नगर पालिका को तीसरा स्थान प्राप्त हुआ है। इस उपलब्धि के साथ ही बालाघाट ने राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाई है। वहीं मध्यप्रदेश ने राज्य श्रेणी में प्रथम स्थान हासिल किया है। नगरीय निकायों की श्रेणी में इंदौर पहले, सागरी दूसरे और बालाघाट तीसरे स्थान पर रहा।

शुक्रवार को नई दिल्ली में आयोजित 'स्वनिधि सम्मान पुरस्कार-2026' समारोह में केंद्रीय आवासन एवं शहरी कार्य मंत्री तथा हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने नगर पालिका अध्यक्ष भारती सुरजीत सिंह ठाकुर को बालाघाट की ओर से राष्ट्रीय पुरस्कार प्रदान किया। इस अवसर पर सभापति योगिता विनय बोपचे, मुख्य नगर पालिका अधिकारी सूर्यप्रकाश उके और एनयूएलएम शहरी मिशन प्रभारी ममता नागपुरे भी मौजूद रहीं। राष्ट्रीय स्तर पर मिली इस उपलब्धि को नगर पालिका के जनप्रतिनिधियों और कर्मचारियों के सामूहिक प्रयासों का परिणाम बताया जा रहा है। नगर पालिका परिषद बालाघाट ने पीएम स्वनिधि योजना के तहत अब तक 7,365 हितग्राहियों को ऋण उपलब्ध कराया है। इनमें 4,974 पथ विक्रेताओं को 15 हजार रुपये, 1,863 हितग्राहियों को 25 हजार रुपये और 528 हितग्राहियों को 50 हजार रुपये का ऋण प्रदान किया गया है। योजना के क्रियान्वयन के दौरान पात्र पथ विक्रेताओं की पहचान करने, ऋण आवेदन तैयार कराने, स्वीकृति प्रक्रिया में सहयोग देने और बैंकों के साथ समन्वय स्थापित करने पर विशेष ध्यान दिया गया। इसी के चलते बड़ी संख्या में छोटे व्यापारियों तक योजना का लाभ पहुंच सका। बालाघाट नगर पालिका की यह उपलब्धि पहली बार नहीं है। वर्ष 2023 में भी उत्कृष्ट कार्य के लिए मध्यप्रदेश शासन की ओर से नगर पालिका को 'प्राइज अवार्ड' प्रदान किया गया था और प्रदेश में छठा स्थान मिला था। वहीं वर्ष 2025 में योजना के अंतर्गत 1,464 हितग्राहियों को लाभ पहुंचाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया था, जिसके विरुद्ध नगर पालिका ने 1,594 ऋण प्रकरण तैयार किए। यह निर्धारित लक्ष्य का लगभग 108 प्रतिशत रहा। लगातार बेहतर प्रदर्शन के बाद अब राष्ट्रीय स्तर पर तीसरा स्थान मिलना नगर पालिका के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है। नगर पालिका अध्यक्ष भारती सुरजीत सिंह ठाकुर ने इस उपलब्धि पर कहा कि भाजपा की सरकार पंडित दीनदयाल



उपाध्याय के अंत्योदय के विचार के अनुरूप समाज के अंतिम पंक्ति के अंतिम व्यक्ति तक विकास योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए कार्य कर रही है। इसी भावना के साथ बालाघाट नगर पालिका के जनप्रतिनिधियों और कर्मचारियों ने मिलकर पथ विक्रेताओं को पीएम स्वनिधि योजना से जोड़ने का प्रयास किया। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय पुरस्कार केवल नगर पालिका का सम्मान नहीं, बल्कि पूरे बालाघाट नगर के लिए गौरव का विषय है। उन्होंने बताया कि पीएम स्वनिधि योजना के माध्यम से छोटे पथ विक्रेताओं को कारोबार आगे बढ़ाने के लिए आर्थिक सहायता मिलती है, जिससे वे आत्मनिर्भर बनने की दिशा में कदम बढ़ा सकते हैं। इसके साथ ही पात्र पथ विक्रेताओं को प्रधानमंत्री आवास योजना, खाद्यान्न योजना और आयुष्मान भारत जैसी अन्य जनकल्याणकारी योजनाओं से जोड़ने का भी प्रयास किया जाता है। आयुष्मान भारत योजना के तहत पात्र परिवारों को पांच लाख रुपये तक के उपचार की सुविधा उपलब्ध होती है। अध्यक्ष ने इस उपलब्धि के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और नगरीय विकास एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार के नेतृत्व और मार्गदर्शन से नगर में योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन को प्रोत्साहन मिला है। श्रीमती ठाकुर ने बताया कि राष्ट्रीय पुरस्कार मिलने के बाद आगामी दिनों में बालाघाट में विशेष कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इसमें पथ विक्रेताओं के साथ-साथ योजना के क्रियान्वयन में सहयोग देने वाले जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों और कर्मचारियों का सम्मान किया जाएगा। नई दिल्ली में आयोजित समारोह में मध्यप्रदेश शासन की नगरीय विकास एवं आवास राज्य मंत्री प्रतिमा बागरी, अपर मुख्य सचिव संजय दुबे, आयुक्त संकेत भोंडवे और अपर आयुक्त एवं पीएम स्वनिधि मिशन संचालक शिशिर गेमावत भी उपस्थित रहे।

बच्चे के शौच को लेकर दो पड़ोसी परिवारों आपस में भिड़े -मारपीट में दोनों पक्ष के पांच घायल

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। मलाजखंड थाना क्षेत्र के ग्राम अण्डीटोला में घर के सामने बाड़ी में 10 साल के बच्चे के शौच करने को लेकर दो पड़ोसी परिवारों के बीच जमकर मारपीट हो गई। इस घटना में दोनों पक्षों के पांच लोग घायल हो गए। मलाजखंड पुलिस ने दोनों पक्षों के आधा दर्जन लोगों के विरुद्ध मारपीट और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में अपराध दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम अण्डीटोला में सरिता सोनवाने 32 वर्ष और वंसती बघेल 45 वर्ष आपस में पड़ोसी हैं। दोनों के मकान लगे हुए हैं और दोनों परिवारों के बीच किसी बात को लेकर पुरानी आपसी रंजिश बनी हुई है बताया गया कि 19 नवंबर को सुबह 10 बजे सरिता सोनवाने का 10 साल का बेटा शुभम, वंसती बघेल के घर के सामने की बाड़ी में शौच के लिए चला गया था। इसी को लेकर वंसती बघेल शुभम को गाली-गलौज करने लगी। तब सरिता सोनवाने ने कहा कि मेरा बेटा छोटा है उसे अभी इतनी समझदारी नहीं है। इसी बात को लेकर दोनों पक्ष आमने-सामने हो गए। सरिता सोनवाने ने आरोप लगाया है कि वंसती बघेल और उसका लड़का गुंजेश बघेल, आशिक बघेल तीनों उसे अश्लील गालियां देने लगे। गालियां देने से मना किया तो वंसती बघेल, गुंजेश बघेल ने हाथ-मुक्कों से मारपीट कर दी जिससे वह जमीन पर गिर गई। झगड़ा सुनकर पति सरवन सोनवाने और देवरानी सविता सोनवाने बीच-बचाव करने आए तो आशिक बघेल और वंसती बघेल ने डंडा और हाथ-मुक्कों से मारपीट कर दी। दोबारा घर के सामने शौच करने आने पर जान से खत्म करने की धमकी दे दी व्यहीं वंसती बघेल ने आरोप लगाया है कि बच्चा घर के पास में शौच कर रहा था, जिसमें बदबू आ रही थी। उसे थोड़ी दूर जाकर शौच करने को कहा तब बच्चे की मां सरिता सोनवाने ने उसे थोड़ी दूर जाकर बैठा दिया और उसके बाद विवाद करने लगी और हाथ-मुक्कों से मारपीट करने लगी। आवाज सुनकर सरिता की देवरानी सविता सोनवाने आई और बोलने लगी कि तुम्हारी जमीन नहीं है कहकर अश्लील गालियां देने लगी। उसे गाली देने से मना किया तो हाथ-मुक्कों से मारपीट करने लगे। यह देखकर लड़का आशीष बघेल बीच-बचाव करने आया तो सरवन सोनवाने आया और हाथ में रखी लकड़ी से मारपीट करने लगा जिससे उसके दाहिने पैर की जांघ, दोनों पैर की पिंडली, कंधे, छाती और नाक में चोटें आई। इसके बाद उसे जान से मार डालने की धमकी दे दी। इस वारदात में दोनों पक्षों के पांच लोग घायल हुए और दोनों पक्ष रिपोर्ट करने के लिए मलाजखंड पुलिस थाना पहुंचे। मलाजखंड पुलिस ने सभी घायलों का इलाज और मुलाहिजा बिरसा के अस्पताल में करवाया मलाजखंड पुलिस ने दोनों पक्षों द्वारा की गई रिपोर्ट पर सरिता पति सरवन सोनवाने 32 वर्ष द्वारा की गई रिपोर्ट पर वंसती बघेल, गुंजेश बघेल, आशिक बघेल और वंसती बघेल पति प्रहलाद बघेल 45 वर्ष द्वारा की गई रिपोर्ट पर सरिता सोनवाने, सविता सोनवाने, सरवन सोनवाने के विरुद्ध अपराध दर्ज किया है। मलाजखंड पुलिस ने दोनों पक्षों के विरुद्ध अश्लील गालियां देकर मारपीट और जान से मार डालने की धमकी देने के आरोप में भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत अपराध दर्ज किया है जिसकी विवेचना की जा रही है।

प्रद्युम्न श्रीवास्तव का आंध्र प्रदेश में आकस्मिक निधन, 21 नवंबर को जागपुर घाट में होगा अंतिम संस्कार

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। शहर के वार्ड क्रमांक 6 स्थित चित्रगुप्त नगर निवासी श्री प्रद्युम्न श्रीवास्तव का शुक्रवार 20 नवंबर को आंध्र प्रदेश के पुट्टपर्थी में आकस्मिक निधन हो गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार हृदय गति रुकने के कारण उन्होंने अंतिम सांस ली। उनके निधन की खबर बालाघाट पहुंचते ही परिजनों, परिचितों और शुभचिंतकों में शोक की लहर व्याप्त हो गई। प्रद्युम्न श्रीवास्तव का निवास पंचमुखी हनुमान मंदिर के पीछे चित्रगुप्त नगर में है। उनका पार्थिव शरीर बालाघाट लाया जाएगा, जिसके बाद शनिवार 21 नवंबर को जागपुर घाट में उनकी अंत्येष्टि की जाएगी। उनके आकस्मिक निधन से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। शहर के परिचितों और शुभचिंतकों ने दिवंगत आत्मा की शांति तथा शोकाकुल परिवार को इस दुख की घड़ी में संबल प्रदान करने की कामना की है।



दो भाई की आपसी कहासुनी में कूदे पड़ोसी

दो सगे भाइयों और बहन को डंडों और हाथ बुक्के से की मारपीट -एक गंभीर

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। मलाजखंड थाना अंतर्गत ग्राम चारटोला में गुरुवार की शाम मामूली बात पर शुरू हुआ दो सगे भाइयों के बीच आपसी विवाद देखते ही देखते खूनी संघर्ष में बदल गया। पड़ोस में रहने वाले दो युवकों ने बीच में कूदकर दोनों भाइयों और बीच-बचाव करने आई उनकी बहन को डंडे और हाथ-मुक्कों से बुरी तरह मारपीट कर दिये । इस मारपीट में बड़े भाई गोविंद धुर्वे के सिर में गंभीर चोट आई है जिन्हें बिरसा अस्पताल में भर्ती कराया गया है।मलाजखंड पुलिस ने घायल अनिल धुर्वे की रिपोर्ट पर आरोपी राधेलाल मर्सकोले और संजू मर्सकोले के खिलाफ मारपीट और जान से मारने की धमकी देने का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

मोटरसाइकिल के पैसों को लेकर हुई थी बहस

जानकारी के अनुसार अनिल धुर्वे मजदूरी करता है। उसके घर के पास ही बड़े भाई गोविंद धुर्वे का घर है। 19 नवंबर की शाम करीब 7 बजे गोविंद ने अनिल से कहा कि उसने बेटे के लिए मोटरसाइकिल खरीदी है जिसमें कुछ पैसे कम पड़ रहे हैं थोड़े पैसे लगा दे। अनिल ने पैसे नहीं होने की बात कही इसी को लेकर दोनों भाइयों में बहस होने लगी थी।

गाली-गलौज करने का आरोप लगाकर टूट पड़े पड़ोसी

दोनों भाइयों की बीच हो रही बहस सुनकर पड़ोसी राधेलाल और संजू वहां आ पहुंचे और कहने लगे कि तुम इसे गालियां क्यों दे रहे हो पहले भी तुमने हमसे झगड़ा किया है। अनिल ने समझाया कि हम दोनों भाई आपस में बात कर रहे हैं तुम बीच में मत आओ। आरोप है कि इसी बात पर दोनों ने गाली-गलौज शुरू कर दी और मना करने पर डंडे और हाथ-मुक्कों से दोनों भाइयों को मारना शुरू कर दिया। बीच-बचाव करने पहुंची बहन इमला उइके को भी संजू ने नहीं बख्शा और हाथ-मुक्कों से मारपीट कर घायल कर दिया। शोर सुनकर मोहल्ले के लोग दौड़े और बीच-बचाव किया। इसके बाद दोनों आरोपी दोबारा बात करने पर जान से मार डालने की धमकी देकर वहां से चले गए।

एक गंभीरन्दो को मामूली चोटें

मारपीट में गोविंद धुर्वे के सिर में गंभीर चोट लगी थी जिन्हें तत्काल बिरसा अस्पताल में भर्ती कराया गया। वहीं अनिल धुर्वे और बहन इमला उइके को मामूली चोटें आईं जिनका बिरसा अस्पताल में ही प्राथमिक उपचार किया गया।पुलिस ने अनिल धुर्वे 40 वर्ष द्वारा की गई रिपोर्ट पर राधेलाल और संजू के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत अपराध दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

तुलसी संग शालिग्राम का रचाया गया ब्याह, मांगलिक कार्यों की हुई शुरुवात

जिले भर में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया देवउठनी एकादशी पर्व

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। हिंदू धर्मावलंबियों का प्रमुख पर्व देवउठनी एकादशी शुक्रवार को जिला मुख्यालय सहित अन्य तहसीलों व ग्रामीण अंचलों में पूर्ण विधि-विधान के साथ मनाया गया। कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि को मनाया जाने वाले इस पर्व के दौरान भगवान विष्णु के अवतार शालिग्राम और माता तुलसी का विवाह वैदिक रीति रिवाज के अनुसार संपन्न कराया गया। घरों में चावल के आटे का चौक बनाकर उस पर गन्ने का मंडप सजाकर पूजा अर्चना की गई। पूजा अर्चना करने के बाद दीपावली पर्व की तरह पटाखे फोड़कर आतिशबाजी भी की गई। जिसके चलते देर रात तक आतिशबाजी का दौर चलता रहा।



गन्ना सहित पूजन सामग्री की दिनभर होती रही खरीददारी

एकादशी व्यास (देवउठनी) पूजा के लिए शुक्रवार की सुबह से ही बाजार में गन्ने सहित अन्य पूजन सामग्री के लिए लोगों की बाजार में भीड़ रही।जहां लोगों में पूजा को लेकर उत्साह दिखा। शाम होते ही लोग अपने-अपने घरों में गन्ने के मंडप से तुलसी चौरा सजाने में जुट गए। घर द्वार को आकर्षक रंगोली से सजाया गया। टिमटिमाते बल्ब की रोशनी से हर घर से मांगलिक आयोजन की झलक नजर आ रही थी, शाम ढलने के बाद तुलसी चौरा के समक्ष बैठकर पूजा पाठ विधान पूरा किया गया।घर उत्साह में लोगों ने जमकर आतिशबाजी भी की। मान्यता है कि आषाढ़ शुक्ल पक्ष की देवशयनी एकादशी से सोए हुए देवगण देवउठनी एकादशी पर जागते हैं और तभी से मांगलिक कार्यों की शुरुवात होती है।

घर आंगन में मंडप सजाकर की गई पूजा अर्चना

देवउठनी पर घर आंगन में गन्ने का मंडप बनाकर तुलसी के बिरवे को रखकर उसमें शालिग्राम की स्थापित कर भगवान की पूजा की गई। भगवान को नए फल सिंघाड़ा, सीताफल, मूली, शकरकंद चढ़ाकर शाम को मंगल गीतों और आरती के साथ शालिग्राम और तुलसी का विवाह रचाया गया। इस दौरान घरों में उत्सव का माहौल रहा। घरों की साफ-सफाई के बाद शाम को रंगोली सजाई गई। भगवान को मौसमी फलों के साथ गन्ना, सिंघाड़ा, मूंगफली, चना भाजी, बेर का प्रसाद चढ़ाया गया। इस दौरान घरों में रोशनी की गई और घर के बाहर दीए जलाए गए।बच्चों ने दीपावली से ही तुलसी विवाह के लिए बचाकर रखे गए पटाखे फोड़े। देर रात तक पटाखों की गूंज सुनाई देती रही। व्रतियों के लिए बाजार में कई जगहों पर सिंघाड़ा, मूंगफली, गन्ने, बेर व मौसमी फलों की दुकानें सजी थी सुबह से ही इन दुकानों में ग्राहकों की अच्छी खासी भीड़ देखी गई।

मांगलिक कार्यों की हुई शुरुवात

देवशयनी के बाद से बंद मांगलिक कार्य देवउठनी एकादशी से शुरू हो गए।शुक्रवार को लोगों ने अबूझ मुहूर्त में पहले से ही शादी की तैयारी कर ली थी। इसके कारण जिले में कई जगह पर शुक्रवार को वैवाहिक कार्यक्रम भी संपन्न कराए गए। क्यों की मांगलिक कार्यों की आज से शुरुआत हो चुकी है इसलिए आज के बाद आने वाले सभी शुभ मुहूर्त में लोग मांगलिक कार्य संपन्न कराएंगे।

गायखुरी की मंडई में लोक संस्कृति और परंपरा का दिखा संगम

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। हर वर्ष की परंपरा के अनुसार इस वर्ष भी तुलसी विवाह ग्यारस पर्व के अवसर पर शुक्रवार 20 नवंबर को नगरीय क्षेत्र के वार्ड क्रमांक 33 गायखुरी में वैनगंगा नदी तट स्थित शिव मंदिर के समीप वैनगंग मेला समिति द्वारा दिन-रात की मंडई का आयोजन किया गया। मंडई को लेकर सुबह से ही दुकानदारों की आवाजाही शुरू हो गई थी। दुकानदारों ने अपनी दुकानें लगाने के लिए जगह सुरक्षित करना शुरू कर दिया, वहीं दोपहर बाद मेले में लोगों का पहुंचना शुरू हुआ। शाम होते-होते मंडई में अच्छी-खासी भीड़ उमड़ पड़ी और देर रात तक मेले की रौनक बनी रही। शहर के साथ आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से भी बड़ी संख्या में लोग मंडई में पहुंचे और खरीदारी के साथ खान-पान तथा मनोरंजन का आनंद लिया। मंडई में बच्चों से लेकर बड़ों तक के मनोरंजन के लिए अलग-अलग व्यवस्थाएं की गई थीं। बच्चों के लिए झूले, घिसरन, कार्टून और खेलकूद से जुड़ी सामग्री की दुकानें आकर्षण का केंद्र रहीं। वहीं मनिहारी, खिलौने, चाय-पान, नाश्ता, सब्जी, भेल और अन्य खाद्य सामग्री के स्टॉल भी बड़ी संख्या में लगाए गए थे। मेले में सिंघाड़ा और जलेबी की दुकानों पर विशेष भीड़ दिखाई दी। लोगों ने परिवार के साथ मंडई पहुंचकर जमकर खरीदारी की और



पारंपरिक मेले का आनंद उठाया। मंडई का प्रमुख आकर्षण रात्रिकालीन शाहिरी मुकाबला रहा। वैनगंगा मेला समिति द्वारा दो महिला शाहिरों के बीच दुय्यम शाहिरी का कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें ग्राम दीनी, बारासिवनी की महिला शाहिर रुखमणी लिल्हारे और ग्राम गर्राटोला, रामपायली की महिला शाहिर भामिनी शेंडे ने हिस्सा लिया। दोनों कलाकारों ने महाभारत सहित विभिन्न धार्मिक ग्रंथों के प्रसंगों पर आधारित सुमधुर और प्रभावशाली शाहिरी प्रस्तुतियां दीं। उनकी प्रस्तुति सुनने के लिए बड़ी संख्या में श्रोता देर रात तक डटे रहे। दोनों महिला शाहिरों ने अपनी गायन शैली और प्रस्तुति से पूरी रात दर्शकों का मनोरंजन किया। आयोजन को व्यवस्थित और सफल बनाने के लिए समिति द्वारा पहले से व्यापक तैयारियां की गई थीं। मंडई में उमड़ने वाली भीड़ को देखते हुए शाहिरी कार्यक्रम के दौरान महिला और पुरुष दर्शकों के लिए अलग-अलग बैठक व्यवस्था रखी गई थी। पूरे आयोजन के दौरान मेला समिति के पदाधिकारियों, महिला समिति और वार्डवासियों ने सक्रिय सहयोग दिया। पारंपरिक मंडई, खरीदारी और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के संगम ने गायखुरी के मेले को देर रात तक उत्साहपूर्ण बनाए रखा।

पत्नी की हत्या करने के आरोप में गिरफ्तार पति भेजा गया जेल

मोबाइल चलाने से मना करने पर हुआ था विवाद, गला घोंटकर की थी पत्नी की हत्या

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। तिरोड़ी पुलिस ने पत्नी की हत्या करने के आरोप में गिरफ्तार आरोपी दिनेश राऊत 32 वर्ष को कटंगी की न्यायालय में पेश कर दिए जहां से उसे न्यायालय के आदेश पर न्यायिक अभिरक्षा में उप जेल बारासिवनी भिजवा दिए हैं।तिरोड़ी थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम सिवन हेटी निवासी इस आरोपी ने अपनी नवविवाहिता पत्नी की देर रात तक मोबाइल चलाने मना करने को लेकर उपजे विवाद के चलते गला घोटकर हत्या कर दी थी। ज्ञात होगी सुषमा की शादी 3 वर्ष पहले ही दिनेश राऊत के साथ में हुई थी।सुषमा का मायका बोथवा का है। दिनेश भजदूरी करता था और दोनों पति-पत्नी अपनी मां और भाइयों से अलग रहते थे जिनकी संतान नहीं है बताया गया है कि 17 नवंबर को ही सुषमा अपने मामा के गाँव साटाबाँ में से अपने ससुराल सिवनहेटी आई थी रात्रि में दोनों पति-पत्नी ने खाना खाए और बिस्तर पर सोने चले गए थे दिनेश सो गया था और सुषमा मोबाइल चला रही थी। रात्रि 12:30 बजे करीब जब दिनेश उठा उस समय सुषमा मोबाइल ही चला रही थी। दिनेश ने उसे मोबाइल चलाने के लिए मना किया इसी को लेकर के दोनों पति-पत्नी के बीच विवाद की स्थिति बन गई और आवेश में आकर दिनेश ने अपनी पत्नी सुषमा का गला दबा दिया जिससे उसकी दम घुटने से मौत हो गई। इसके बाद दिनेश ने सुषमा की अचानक तबियत बिगड़ने का हवाला



देकर कटंगी अस्पताल ले गया जिसे डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिए थे। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में स्पष्ट हुआ कि सुषमा की दम घुटने से मौत हुई है। पूछताल में स्पष्ट हुआ कि सुषमा की मोबाइल चलाने मना करने पर पति दिनेश के द्वारा गला दबा देने से मौत हुई है मर्ग जांच उपरांत सुषमा की हत्या करने के आरोप में दिनेश के विरुद्ध धारा 103 (1) भारतीय न्याय संहिता के तहत अपराध दर्ज किया गया। 19 नवंबर की शाम को दिनेश को गिरफ्तार कर लिया गया था। 20 नवंबर को उसे कटंगी की न्यायालय में में पेश कर दिया गया जहां से उसे न्यायालय के आदेश पर न्यायिक अभिरक्षा में उप जेल बारासिवनी भिजवा दिया गया है। इस मामले की जांच पड़ताल कटंगी एसडीओपी विवेक कुमार शर्मा और तिरोड़ी पुलिस के द्वारा की गई थी। तुरंत जाँच पड़ताल कर इस मामले का खुलासा करते हुए आरोपी को 12 घंटे की भीतर गिरफ्तार कर लिया गया।

आस-पास की खबरें

पुजारीटोला पाथरी में मन मोहनी छत्तीसगढ़ी कार्यक्रम आज

पद्मेश न्यूज। खमरिया/लालबर्रा। जनपद पंचायत लालबर्रा के अंतर्गत ग्राम पंचायत पाथरी के ग्राम पुजारीटोला में 21 नवम्बर को दिन रात की मंडई का आयोजन किया गया है। चर्चा में मंडई मेला उत्सव समिति अध्यक्ष महेंद्र मेश्राम,



सचिव दुर्गा माले ने संयुक्त रूप से बताया कि प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी 21 नवंबर को दिन-रात की मंडई के अवसर पर ग्रामीणजनों के रात्रिकालीन मनोरंजन के लिए रात 9 बजे से मन मोहनी छत्तीसगढ़ी कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। जिसमें प्रकाश सागर अपने साथी कलाकारों के साथ में मिलकर सुमधुर स्वरों में छत्तीसगढ़ी गीतों की प्रस्तुतियां देंगें। इस अवसर पर क्षेत्रीयजनों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील मंडई-मेला समिति पुजारीटोला पाथरी के पदाधिकारी एवं ग्रामीणजनों ने की है।

खरीफ उपार्जन 2026-27 की तैयारियों की कलेक्टर करेंगे समीक्षा

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 के अंतर्गत समर्थन मूल्य पर धान उपार्जन की तैयारियों एवं व्यवस्थाओं की समीक्षा के लिए 21 नवंबर को प्रात: 10 बजे जिला पंचायत सभाकक्ष में बैठक आयोजित की गई है। कलेक्टर श्री आदित्य सिंह की अध्यक्षता में होने वाली इस बैठक में जिला उपार्जन समिति के सदस्यों सहित उपार्जन कार्य से जुड़े विभिन्न विभागों के अधिकारियों को उपस्थित रहने के निर्देश दिए गए हैं। बैठक में धान उपार्जन की तैयारियों, केंद्रों पर आवश्यक व्यवस्थाओं, किसानों की सुविधा तथा उपार्जन प्रक्रिया से संबंधित विभिन्न विभागीय दायित्वों की समीक्षा की जाएगी। इसमें राजस्व, कृषि, खाद्य, सहकारिता, कृषि उपज मंडी, नाफेड, जिला सहकारी केंद्रीय बैंक, नागरिक आपूर्ति निगम एवं मध्यप्रदेश वेयरहाउसिंग एंड लॉजिस्टिक्स कॉर्पोरेशन के अधिकारियों की सहभागिता रहेगी। बैठक में सभी अनुविभागीय अधिकारी राजस्व, तहसीलदार एवं नायब तहसीलदार, जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारी, वरिष्ठ कृषि विस्तार अधिकारी, कृषि उपज मंडियों के सचिव एवं निरीक्षक, खाद्य विभाग के सहायक एवं कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी, नायतीन निरीक्षक, सहकारिता निरीक्षक एवं सहकारिता विस्तार अधिकारी, जिला सहकारी केंद्रीय बैंक के शाखा प्रबंधक, गोदाम प्रभारी तथा उपार्जन स्टॉफ को उपस्थित रहने के लिए कहा गया है। इसके अलावा नागरिक आपूर्ति निगम एवं एमपीवेयरहाउसिंग के संबंधित शाखा प्रबंधकों को उपस्थिति भी अनिवार्य की गई है। संबंधित विभाग प्रमुखों को निर्देशित किया गया है कि वे अपने अधीनस्थ सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों की बैठक में उपस्थिति सुनिश्चित कराएं, ताकि खरीफ उपार्जन की व्यवस्थाओं को समयबद्ध एवं सुचारु रूप से संचालित किया जा सके।

बेटी के डिप्लोमा की आड़ में चल रहा था मेडिकल स्टोर, स्वास्थ्य विभाग ने की कार्यवाही





इंजेक्शन लगाते रंगे हाथों पकड़ा गया संचालक, एक्सपायरी दवाएं और बिल-वाउचर जब्त, दुकान में की गई तालाबंदी

रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।

जनपद पंचायत लालबर्रा के अंतर्गत आने वाले ग्राम बुट्टा ह. में गुरूवार को स्वास्थ्य विभाग की टीम ने अवैध रूप से संचालित मेडिकल स्टोर और उपचार केन्द्र में बड़ी कार्यवाही करते हुए मेडिकल दुकान में तालाबंदी की कार्यवाही की है। कार्यवाही के दौरान स्वास्थ्य विभाग ने पाया कि मेडिकल दुकान का संचालन बिना स्वर्य के वैध लाइसेंस/डिप्लोमा के किया जा रहा था तथा बगल के कमरे में मरीजों को इंजेक्शन और बोतल (ड्रिप) लगाकर इलाज किया जा रहा था। जबकि मेडिकल संचालक के पास दवाई दुकान या उपचार करवाने का कोई डिप्लोमा नही है, बेटी की डिप्लोमा की आड़ में मेडिकल स्टोर संचालित करने के साथ ही इंजेक्शन लगाने सहित अन्य कार्य बिपतलाल नांदने के द्वारा किया जा रहा था। साथ ही मेडिकल स्टोर से एक्सपायरी दवाएं और बिल-वाउचर भी मिले है। इस तरह से अवैध रूप से मेडिकल स्टोर का संचालन कर लोगों का उपचार किया जा रहा था। जिस पर स्वास्थ्य विभाग ने बड़ी कार्यवाही की है। वहीं इस कार्यवाही से क्षेत्र में बिना डिप्लोमा के उपचार एवं इंजेक्शन लगाने वाले चिकित्सक एवं मेडिकल संचालकों पर हड़कंप मच गया है। क्षेत्र के जागरूक नागरिकों ने स्वास्थ्य विभाग से इसी तरह क्षेत्र में बिना स्वास्थ्य डिप्लोमा के उपचार करने वाले चिकित्सक एवं मेडिकल संचालकों पर कार्यवाही करने की मांग की है ताकि आमजनों के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ न हो सके।

बेटी के नाम पर चल रही थी दुकान

स्वास्थ्य विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम बुट्टा ह, निवासी बिपतलाल नांदने द्वारा मेडिकल शॉप का संचालन किया जा रहा था। स्वास्थ्य विभाग की टीम गुरूवार को जब दुकान में पहुंचकर दस्तावेजों और डिप्लोमा की जांच की तो सामने आया कि दुकान संचालक बिपतलाल नांदने के नाम से कोई डिप्लोमा या लाइसेंस दर्ज नहीं है, बल्कि यह अपनी बेटी के नाम के डिप्लोमा के आधार पर दुकान चला रहा था, लेकिन वह उपस्थित नही रहती है। वहीं जांच के दौरान यह भी पाया गया कि मेडिकल दुकान के ठीक बगल के कमरे में ग्रामीण मरीजों को दवाइयां देने के साथ-साथ इंजेक्शन लगाने और बोतल चढ़ाने का काम किया जा रहा था। स्वास्थ्य विभाग की टीम ने मौके पर ही संबंधित गतिविधियों को पकड़ते हुए नियमानुसार जब्ती की कार्यवाही की है। इस दौरान एक्सपायरी डेट की दवाइयां तथा अन्य बिल-वाउचर भी जब्त किये गये है। वहीं एक्सपायरी डेट की दवाईयां एवं अन्य बिल-वाउचर जप्त कर मेडिकल दुकान में तालाबंदी की कार्यवाही कर बिना डिप्लोमा के दुकान संचालन एवं उपचार न करने की हिदायत भी दिंदने को दी गई है। इस कार्यवाही के दौरान बीएमओ डॉ. रितु धुर्वे, फार्मासिस्ट शैलेष, बोंडई मोनिका गड्डेकर, पुलिस आरक्षक कृष्णा पटले, ग्राम सरपंच सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

यह कार्यवाही क्षेत्र में निरंतर जारी रहेगी - डॉ. रितु

दूरभाष पर चर्चा में बीएमओ डॉ. रितु धुर्वे ने बताया कि शिकायत मिली थी कि बुट्टा ह. में बिना डिप्लोमा के मेडिकल स्टोर का संचालक एवं मरीजों का उपचार किया जा रहा है। जिसके बाद गुरूवार को स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारियों के साथ मौके पर पहुंचकर जांच की गई। जांच में बिपतलाल नांदने बिना डिप्लोमा के मेडिकल स्टोर का संचालन कर रहे थे एवं बाजू में बने कमरे में मरीजों को दवाईयां देने के साथ ही इंजेक्शन लगाने व बॉटल लगाने का कार्य किया जा रहा था। साथ ही कुछ दवाईयां एक्सपायरी डेट की मिली है। जबकि उनकी बेटी के नाम पर डिप्लोमा है लेकिन वह उपस्थित नहीं रहती है, इस तरह से अवैध तरीके से मेडिकल स्टोर का संचालन एवं मरीजों का उपचार किया जा रहा था। डॉ. धुर्वे ने बताया कि एक्सपायरी डेट की दवाईयां एवं अन्य बिल-वाउचर जप्त कर दुकान में तालाबंदी की कार्यवाही गई है और यह कार्यवाही निरंतर क्षेत्र में जारी रहेगी।

घायल मवेशी का रात में प्राथमिक उपचार के बाद दुसरे दिन हुआ आपरेशन

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। सिवनी मार्ग स्थित मजार के आगे नहर के समीप बीती रात एक घायल बैल मिलने के बाद पशु चिकित्सा विभाग और स्थानीय नागरिकों की तत्परता से उसका सफल ऑपरेशन किया गया। उपचार



के बाद बैल की स्थिति में सुधार होने पर उसे शुक्रवार को वारासिवनी स्थित गौशाला भेज दिया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार लालबर्रा से सिवनी मार्ग पर गुरूवार की रात करीब 10 बजे नहर के पास एक मवेशी घायल अवस्था में पड़ा हुआ था। इसकी सूचना नगर के जागरूक नागरिकों ने पशु चिकित्सा विभाग को दी। सूचना मिलते ही पशु चिकित्सक मौके पर पहुंचे और घायल मवेशी का प्राथमिक उपचार किया। दूसरे दिन शुक्रवार को चिकित्सकों की टीम ने घटना स्थल पर दोबारा पहुंचकर बैल की जांच की, जिसमें उसके एक पैर के टूटने की पुष्टि हुई। जिसके बाद पशु चिकित्सक राजेश कुसरे ने उच्चाधिकारियों की स्थिति से अवगत कराया कि बैल के एक पैर का निचला हिस्सा टूट गया है। इसके बाद पशु चिकित्सक की टीम ने पैर के निचले हिस्से को काटकर सफल सर्जरी (ऑपरेशन) की। ऑपरेशन के बाद मवेशी की हालत स्थिर और स्वस्थ पाई गई। जिसके बाद जागरूक नागरिक दौलत जैन सहित अन्य लोगों के सहयोग से घायल बैल को वारासिवनी गौशाला भेजा गया। वहीं इस मामले को स्थानीय लोगों में यह संभावना व्यक्त की जा रही है कि गुरूवार रात चौपहिया वाहन से मवेशियों को कत्लखाने ले जाते समय बैल वाहन से नीचे कूद गया होगा, जिससे सड़क पर गिरने के कारण उसका पैर टूट गया है। इस घटना के बाद से नगर के जागरूक नागरिकों ने पुलिस प्रशासन से क्षेत्र में मवेशियों की तस्करी पर प्रभावी रोक लगाने की मांग की है। चर्चा में पशु चिकित्सक डॉ. राजेंद्र कुसरे ने बताया कि गुरूवार की रात करीब 10 बजे पशु चिकित्साधिकारी डॉ. शिल्पा साहू का फोन आया था कि एक मवेशी घायल अवस्था में सिवनी मार्ग पर पड़ा हुआ है। जिनका उपचार करना अति आवश्यक है जिसके बाद घटना स्थल पहुंचकर घायल पशु (बैल) का प्राथमिक उपचार किया गया था। जिसके बाद दुसरे दिन पुन: घटना स्थल पहुंचकर घायल मवेशी का उपचार किया गया, जिसमें पाया गया कि एक पैर का निचला स्तर पूरी तरह टूट चुका है। जिससको जानकारी उच्चाधिकारियों को दी गई। डॉ. कुसरे ने बताया कि पशु चिकित्सा विभाग के उपसंचालक महोदय तथा 1962 पशु चिकित्सा टीम के डॉ. निलय कांबले के मार्गदर्शन में पशु के पैर का ऑपरेशन सफलतापूर्वक किया गया। ऑपरेशन के बाद पशु फिलहाल स्वस्थ है, जिसे गौशाला वारासिवनी भेज दिया गया है।

अस्पताल में रोगी कल्याण समिति की बैठक सम्पन्न

बैठक में स्वास्थ्य सेवाओं पर चर्चा, एम्बुलेंस व बॉडी फ्रीजर की दरें तय, बेहतर स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध करवाने पर जोर





पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लालबर्रा में गत दिवस रोगी कल्याण समिति की आवश्यक बैठक सम्पन्न हुई। यह बैठक सामुदायिक स्वास्थ्य विभाग लालबर्रा के विधायक प्रतिनिधि शैलेष केकती, पांढरवानी सरपंच अनीस खान सहित अन्य पदाधिकारियों एवं बीएमओ डॉ. रितु धुर्वे की प्रमुख उपस्थित में आयोजित की गई। बैठक में क्षेत्रीयजनों को होने वाली असुविधाओं व समस्याओं के निराकरण तथा स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने सहित विभिन्न विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। साथ ही जनहित में एम्बुलेंस वाहन और बॉडी फ्रीजर के उपयोग के लिए दरें भी निर्धारित की गई है। वहीं क्षेत्रीय विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे की अनुशंसा पर मॉयल भरवेली की सीएसआर मद से सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र लालबर्रा की गत माह पूर्व एक अत्याधुनिक एम्बुलेंस वाहन और बॉडी फ्रीजर सौंपे गये है। ताकि ग्रामीण एवं आदिवासी अंचल के गरीब मरीजों को त्वरित स्वास्थ्य सुविधा मिले। इस एम्बुलेंस एवं बॉडी फ्रीजर के मैंटलेस हेतु रोगी कल्याण समिति में किराया तय किया गया है। जिसमें लालबर्रा से बालाघाट का किराया 1200 रूपये, गोंदिया का 2500 रूपये, सिवनी का 3500 रूपये, छिंदवाड़ा का 4500 रूपये, नागपुर का 5500 रूपये, जबलपुर का 6000 रूपये लगेगा। वहीं बॉडी फ्रीजर का उपयोग 24 घंटे के लिए मात्र 500 रूपये निर्धारित किया गया है और 24 घंटे की अवधि पूर्ण होने के बाद निर्धारित नियमानुसार अतिरिक्त किराया लिया जायेगा। वही समिति ने अपेक्षा जताई है कि क्षेत्रीय विधायक द्वारा उपलब्ध कराई गई इन सुविधाओं का अधिक से अधिक लाभ क्षेत्रीयजनों को मिलेगा। पांढरवानी सरपंच अनीस खान ने बताया कि क्षेत्रीय विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे जी की अनुशंसा पर 'मॉयल' (भरवेली) के सीएसआर फंड से लालबर्रा अस्पताल को एम्बुलेंस और बॉडी फ्रीजर की सौगात मिली है। शुल्क निर्धारित न होने के कारण अब तक इनका संचालन रूका हुआ था, जिसे रोगी कल्याण समिति के सदस्यों व विधायक प्रतिनिधियों की मौजूदगी में बैठक आयोजित कर किराया तय किया गया है। श्री खान ने बताया कि एम्बुलेंस का किराया न्यूनतम (डीजल व ड्राइवर के खर्च को ध्यान में रखते हुए) रखा गया है ताकि मरीजों को सुविधा मिल सके और कोई भी व्यक्ति पहले आओ, पहले पाओ के आधार पर इसका उपयोग कर सके। साथ ही बैठक में स्वास्थ्य सुविधाओं को लेकर भी चर्चा की गई है और चिकित्सकों से कहा गया है कि क्षेत्रीयजनों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध करवाये। इस अवसर पर रोगी कल्याण समिति के पदाधिकारी, सदस्य एवं चिकित्सक उपस्थित रहे।

संविधान फाउंडेशन के लालबर्रा ब्लॉक अध्यक्ष बने अशोक गेडाम

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। संविधान फाउंडेशन द्वारा बालाघाट में 29 नवंबर को भव्य रा'य स्तरीय संविधान दिवस समारोह का आयोजन किया जायेगा। आयोजन की तैयारियों और आमजन को संविधान तथा मूलभूत अधिकारों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से जिले की तहसीलों और गांवों में बैठकों का दौर जारी है। इसी कड़ी में शुक्रवार को बालाघाट रोड़ स्थित लॉन में संविधान फाउंडेशन संगठन की आवश्यक बैठक संपन्न हुई। यह बैठक प्रदेशाध्यक्ष प्रवीण मेश्राम, जिलाध्यक्ष राजकुमार गेडाम सहित अन्य पदाधिकारियों की उपस्थिति में प्रारंभ हुई। आयोजित बैठक में लालबर्रा ब्लॉक में संविधान फाउंडेशन संगठन का गठन करने, आगामी 29 नवंबर को रा'य स्तरीय संविधान दिवस समारोह कार्यक्रम का आयोजन करने, लोगों को संविधान के प्रति जागरूक करने सहित अन्य बिन्दुओं पर विस्तार से चर्चा की गई। वही लालबर्रा ब्लॉक संविधान फाउण्डेशन का गठन कर अशोक गेडाम को सर्वसम्मति से अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। इसी तरह मुकेश देशमुख, विनोद पटले को महासचिव सहित अन्य पदाधिकारियों की नियुक्ति की गई है। नवनियुक्त पदाधिकारियों को शुभकामनाएं देते हुए अपने दायित्वों का ईमानदारी से निर्वहन कर संगठन के हित में कार्य करने कहा गया है। वही नवनियुक्त पदाधिकारियों ने कहा कि जो दायित्व सौंपा गया है उसका ईमानदारी से निर्वहन किया जायेगा एवं संविधान और मूलभूत अधिकारों के प्रति लोगों को जागरूक किया जायेगा ताकि वे अपने अधिकार का सही उपयोग कर आगे बढ़ सके। चर्चा में संविधान फाउंडेशन के जिलाध्यक्ष राजकुमार गेडाम ने बताया कि संस्थापक व प्रदेश अध्यक्ष के नेतृत्व में वर्ष 2011 से बालाघाट जिले में लगातार संविधान दिवस समारोह आयोजित किया जा रहा है। इस परंपरा को आगे बढ़ाते हुए 29 नवंबर को राज्य स्तरीय मेले के रूप में यह कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है, जिसमें भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष लाल सिंह आर्य मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। कार्यक्रम में जिले के सांसद और विधायक भी प्रमुख अतिथि के तौर पर उपस्थित रहेंगे। संविधान फाउंडेशन के प्रदेश अध्यक्ष प्रवीण मेश्राम ने बताया कि 26 नवंबर को देशभर में संविधान दिवस मनाया जाता है, लेकिन बालाघाट में 29 नवंबर को कमला नेहरू प्रांगण में बड़े स्तर पर यह समारोह आयोजित किया जायेगा और इस कार्यक्रम को लेकर तहसीलों एवं गांवों में बैठक कर लोगों को संविधान में दिये गये मूलभूत अधिकारों की जानकारी दी जा रही है। साथ ही सभी जाति और समुदाय के लोगों की अधिक से अधिक भागीदारी सुनिश्चित करने का प्रयास किया जा रहा है। श्री मेश्राम ने बताया कि शुक्रवार को लालबर्रा में संविधान फाउंडेशन की बैठक आयोजित कर लालबर्रा कार्यकारिणी का गठन किया गया है, जिसमें अशोक गेडाम को अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। साथ ही यह भी बताया कि रा'य स्तरीय संविधान समारोह कार्यक्रम के माध्यम से संविधान में नागरिकों के जो अधिकार अंकित किये गये हैं, वही उनकी रक्षा करते हैं। यदि लोग संविधान के बताये आचरण को जीवन में उतारेंगे, तो उनका जीवन श्रेष्ठ व सफल होगा और देश सशक्त भारत व विश्व गुरू की दिशा में आगे बढ़ेगा। इस अवसर पर संविधान फाउण्डेशन लालबर्रा नवनियुक्त उपाध्यक्ष देवेश्वरी बिसेन, कार्कोना रहांगडाले, भुवेन्द्र ब्रम्हे, मुनेन्द्र डोंगरे, कोमल बोपचे, महेश भीतेकर, सरोज सोनेकर, इंदिरा खरे, सचिव शैलेष भीवगड़े, हंसकला यादव, सहसचिव मुकुद डोंगरे, कोषाध्यक्ष मदन निकोसे, मीडिया प्रभारी अर्पित गेडाम सहित अन्य पदाधिकारी एवं सदस्यगण बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।







देवउठनी एकादशी पर बाजार में रही रौनक

गन्ने से सजे चौक चौराहे पूजन सामग्री और मौसमी सब्जियों की जमकर हुई खरीदारी



पद्मेश न्यूज। वारासिवनी।
देवउठनी एकादशी पर्व को लेकर नगर मुख्यालय में शुक्रवार को बाजार में विशेष रौनक देखने को मिली। पर्व की तैयारियों के चलते नगर के प्रमुख बाजारों, पूजन सामग्री की दुकानों, सिंघाड़ा दुकानों और सब्जी बाजार में सुबह से ही खरीदारों की भीड़ उमड़ने लगी। विशेष रूप से महिलाओं में पर्व को लेकर उत्साह दिखाई दिया। गृहणी महिलाओं ने तुलसी विवाह एवं भगवान विष्णु की पूजा अर्चना के लिए आवश्यक पूजन सामग्री, मौसमी फल, सब्जियां और अन्य सामग्रियों की जमकर खरीदारी की। वहीं नगर के प्रमुख चौक चौराहे गन्नों की दुकानों से सजे नजर आए जिससे पूरे बाजार में पर्व का माहौल बना रहा। देवउठनी एकादशी परंपरागत रूप से तुलसी विवाह और भगवान विष्णु की पूजा अर्चना का विशेष पर्व माना जाता है। इसी को देखते हुए बाजार में गन्ने, सिंघाड़े, विभिन्न प्रकार की भाजी, मौसमी फल और पूजन सामग्री की दुकानें सजी रहीं। सब्जी बाजार में इस अवसर पर विशेष रूप से विभिन्न प्रकार की भाजियां बिक्री के लिए पहुंचीं। हालांकि इस वर्ष कई मौसमी सब्जियों और पूजन सामग्री के दाम अपेक्षाकृत अधिक रहे। लेकिन धार्मिक परंपरा और पर्व की महत्ता को देखते हुए महिलाओं ने अपनी सामर्थ्य के अनुसार आवश्यक सामग्रियों की खरीदारी को बाजार में दिनभर ग्राहकों की आवाजाही बनी रही।

गन्नों से सजे चौक.चौराहे, जमकर हुई बिक्री

देवउठनी एकादशी के अवसर पर नगर के जय स्तंभ चौक से लेकर नेहरू चौक सहित अन्य प्रमुख स्थानों पर गन्नों की दुकानें आकर्षण का केंद्र बनी रहीं। पर्व से एक दिन पहले ही नगर में गन्नों की बड़ी खेप पहुंच गई थी जिसके बाद विक्रेताओं ने प्रमुख मार्गों और चौक चौराहों पर दुकानें सजाकर बिक्री शुरू कर दी थी। इस बार गन्नों के दाम में बढ़ोतरी देखने को मिली इसके बावजूद लोगों ने अपनी आवश्यकता और बजट के अनुसार गन्नों की खरीदारी की। मान्यता के अनुसार गन्नों से मंडप तैयार कर तुलसी विवाह संपन्न कराया जाता है। इसी परंपरा के चलते बाजार में गन्नों की अच्छी बिक्री हुई।

देवउठनी एकादशी से शुरू होगा मांगलिक आयोजनों का दौर

देवउठनी एकादशी के साथ ही पांच माह की चातुर्मास अवधि के समापन और मांगलिक कार्यों की शुरुआत का धार्मिक महत्व भी जुड़ा हुआ है। मान्यता है कि इस दिन भगवान विष्णु योगनिद्रा से जागृत होकर पुनः सृष्टि के पालन का दायित्व संभालते हैं। इसी के साथ विवाह, सगाई सहित अन्य मांगलिक आयोजनों के लिए शुभ मुहूर्तों को लेकर लोगों में उत्साह दिखाई देने लगा है। पर्व के दिन से ही परिवारों में वैवाहिक संबंधों और आगामी आयोजनों को लेकर बातचीत का दौर शुरू हो गया है। रिश्तेदारों और परिचितों के यहां न्यौता पहुंचाने तथा नए वैवाहिक संबंधों को आगे बढ़ाने की तैयारियां भी शुरू हो गई हैं। मांगलिक आयोजनों का सिलसिला शुरू होने से कपड़ा, आभूषण, बर्तन, किराना, टेंट, कैटरिंग सहित अन्य व्यवसायों से जुड़े व्यापारियों में भी उत्साह देखा जा रहा है।

मंडई का दौर समाप्त, अब मेलों की रहेगी धूम

देवउठनी एकादशी के साथ ही क्षेत्र में मंडई का दौर लगभग समाप्त हो गया है। अब ग्रामीण अंचलों में मेलों के आयोजन का सिलसिला शुरू होने जा रहा है। कार्तिक पूर्णिमा से क्षेत्र के विभिन्न स्थानों पर मेलों की शुरुआत होगी जिनमें बड़ी संख्या में ग्रामीण और आसपास के क्षेत्रों से लोग पहुंचेंगे। इनमें रामपायली स्थित श्रीराम बालाजी तीर्थ क्षेत्र का मेला विशेष प्रसिद्ध है। यह मेला मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र और छत्तीसगढ़ सहित आसपास के क्षेत्रों में अपनी अलग पहचान रखता है। सात से दस दिनों तक चलने वाले इस मेले में दूर दराज से श्रद्धालु भगवान श्रीराम बालाजी के दर्शन करने और मेले का आनंद लेने पहुंचते हैं। इसके अलावा लिंगमारा सहित क्षेत्र के अन्य स्थानों पर भी प्रसिद्ध मेले आयोजित होते हैं।

कौलीवाड़ा और सावंगी के पारंपरिक मंडई में शामिल हुए प्रदीप जायसवाल

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। ग्रामीण अंचलों में पारंपरिक मंडई उत्सव के अवसर पर ग्राम कौलीवाड़ा, सावंगी, में लोक संस्कृति एवं परंपराओं की अनूठी छटा देखने को मिली। जिसमें नवयुवक मेला मंडई माँ देवी चौक ग्राम कौलीवाड़ा में माता सरस्वती के छाया चित्र में विधिवत पूजन अर्चन के साथ छत्तीसगढ़ी लोक सांस्कृतिक कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। इस अवसर पर पूर्व कैबिनेट मंत्री प्रदीप जायसवाल उपस्थित रहे। इसी क्रम में दशमी मंडई के अवसर पर ग्राम सावंगी के गौंडी टोला में आयोजित



छत्तीसगढ़ी लोक सांस्कृतिक कार्यक्रम में का आयोजन किया गया। दोनों ही ग्रामों में आयोजित कार्यक्रमों के माध्यम से ग्रामीण संस्कृति लोक परंपराओं एवं आपसी मेल.मिलाप को झलक देखने को मिली। इस दौरान वेदप्रकाश पटेल,जसवंत पटले, जानाजी गौतम, रतन ठाकरे, अनीश मिश्रा, ईश्वरी गौतम,सागेंद्र पटले,टोनी रगणे,पन्नालाल ठाकरे,विजय बर्मन,अशोक बर्मन,दीपक नारवोदे, सुरेश छिलकेवट, धनेन्द्र मर्सकोले, छोटू ठाकरे,गांधी ठाकरे,तरुण ठाकरे,मुशा पटले, लविस पन्दे,सुरेंद्र बावने, ईश्वर दयाल गौतम, नागेंद्र पटले,सोनू गौतम,लकेश कटरे, बड्डू कटरे, संजू सोनी, रक्कू बोपलीवार, सुखचंद पटले ,उमेश रहांगडाले ,बंशी नेवारे मौजूद रहे। इस अवसर पर प्रदीप जायसवाल ने भगवान श्रीराम एवं माता लक्ष्मी से प्रार्थना करते हुए कामना की है की सभी के जीवन में सुख, समृद्धि, खुशहाली एवं उत्तम स्वास्थ्य बना रहे तथा भगवान का आशीर्वाद सभी पर सदैव बना रहे।

आर्यिका माताजी संघ का अमरकंटक के लिये हुआ मंगल विहार

बाजे गाजे के साथ शोभायात्रा निकालकर नगर सीमा तक छोड़ने पहुंचे समाजजन

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। श्री दिगंबर जैन मंदिर में चातुर्मास प्रवास संपन्न होने के पश्चात आर्यिका सिद्धांतमती माताजी, आर्यिका विनयमती माताजी एवं आर्यिका पुनीतमती माताजी के संघ का वारासिवनी से मंगल विहार हुआ। इस अवसर पर श्री दिगंबर जैन समाज के द्वारा बाजे गाजे के साथ शोभायात्रा निकालकर माताजी



संघ को नगर के विभिन्न चौक चौराहों एवं प्रमुख मार्गों का भ्रमण कराया गया। इसके पश्चात समाज के लोग उन्हें नगर सीमा तक छोड़ने पहुंचे। शोभायात्रा के दौरान समाज के महिला-पुरुष, युवा, पदाधिकारी एवं सदस्य बड़ी संख्या में शामिल हुए। श्रद्धालुओं ने माताजी संघ के दर्शन कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया तथा आगामी विहार के लिए मंगलकामनाएं कीं। बताया जा रहा है कि माताजी संघ का अगला गंतव्य अमरकंटक है। वारासिवनी से मंगल विहार के पश्चात समाज के कुछ सदस्य माताजी संघ के साथ बालाघाट जिले की सीमा तक जाएंगे। जहां बालाघाट जैन समाज के द्वारा उनका स्वागत कर आगे के विहार की व्यवस्था की जाएगी। आर्यिका माताजी संघ के वारासिवनी आगमन के साथ ही चातुर्मास का शुभारंभ हुआ था। इस दौरान श्री दिगंबर जैन मंदिर में कलश स्थापना के साथ विभिन्न धार्मिक एवं आध्यात्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। पूरे चातुर्मास प्रतिदिन धर्मसभा एवं प्रवचनों के माध्यम से श्रद्धालुओं को धर्म, संयम, तप, त्याग और अहिंसा के मार्ग पर चलने की प्रेरणा दी जाती रही। चार माह तक चले इस धार्मिक आयोजन में समाज के लोगों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। चातुर्मास के समापन अवसर पर पिच्छिका परिवर्तन समारोह का आयोजन किया गया जिसके साथ ही माताजी संघ का वारासिवनी प्रवास संपन्न हुआ। इसके पश्चात श्री दिगंबर जैन समाज कमेटी के पदाधिकारियों, सदस्यों एवं सकल जैन समाज के लोगों ने बाजे गाजे के साथ शोभायात्रा निकालकर माताजी संघ का मंगल विहार कराया और उन्हें नगर सीमा तक छोड़ने पहुंचे।

न्यायालय से विधिक जागरूकता का संदेश लेकर निकली बाइक रैली

सुरक्षित बचपन अभियान एवं न्यायोत्सव विधिक सेवा सप्ताह का हुआ समापन





पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वारासिवनी न्यायालय परिसर में तहसील विधिक सेवा समिति के तत्वावधान में विधिक जागरूकता बाइक रैली का आयोजन किया गया। यह आयोजन राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार किया गया। इस बाइक रैली के माध्यम से सुरक्षित बचपन अभियान एवं न्यायोत्सव विधिक सेवा सप्ताह का समापन हुआ। कार्यक्रम के तहत न्यायाधीश, न्यायालयीन अधिकारी कर्मचारी एवं गणमान्य नागरिक न्यायालय परिसर में एकत्रित हुए जहां से बाइक रैली को रवाना किया गया। रैली नगर के विभिन्न चौक चौराहों एवं मार्गों से गुजरते हुए आम नागरिकों को कानून के प्रति जागरूकता का संदेश देती हुई पुनः न्यायालय परिसर पहुंची जहां इसका समापन किया गया। इस दौरान लोगों को उनके कानूनी अधिकारों, बाल संरक्षण एवं विधिक सहायता से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियों के प्रति जागरूक किया गया। विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार १ से ६ नवंबर तक सुरक्षित बचपन अभियान तथा १४ से २० नवंबर तक न्यायोत्सव विधिक सेवा सप्ताह के अंतर्गत विभिन्न जागरूकता गतिविधियां आयोजित की गई। इन कार्यक्रमों के माध्यम से नगर एवं ग्रामीण क्षेत्रों के स्कूली, महाविद्यालयों तथा ग्राम पंचायतों में विधिक जागरूकता शिविर लगाए गए। शिविरों में विद्यार्थियों एवं आम नागरिकों को बाल अधिकार, बाल संरक्षण, साइबर अपराध, महिला सुरक्षा,बाल विवाह निषेध, किशोर न्याय अधिनियम तथा निःशुल्क विधिक सहायता सहित विभिन्न कानूनी प्रावधानों की जानकारी प्रदान की गई। इस दौरान न्यायाधीशों के द्वारा विद्यार्थियों एवं ग्रामीणजनों को उनके अधिकारों, कर्तव्यों और न्याय प्राप्त करने के लिए उपलब्ध कानूनी सुविधाओं से अवगत कराया गया। साथ ही जरूरतमंद लोगों को निःशुल्क विधिक सहायता प्राप्त करने की प्रक्रिया की जानकारी भी दी गई। सप्ताह भर चले इन जागरूकता कार्यक्रमों का उद्देश्य समाज के प्रत्येक वर्ग तक कानून की जानकारी पहुंचाना तथा लोगों को अपने अधिकारों के प्रति जागरूक करना रहा। अभियान के अंतिम दिन निकाली गई बाइक रैली के माध्यम से विधिक जागरूकता का संदेश जन जन तक पहुंचाया गया। इसी के साथ सुरक्षित बचपन अभियान एवं न्यायोत्सव विधिक सेवा सप्ताह का विधिवत समापन हुआ। द्वितीय अपर सत्र न्यायाधीश संजय राज ठाकुर ने बताया कि राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के तहत १४ से २० नवंबर तक न्याय उत्सव सप्ताह मनाया गया। जिसमें विभिन्न कार्यक्रम किए गए इसके तहत लोगों को विधिक साक्षरता जागरूकता शिविर के माध्यम से जानकारियां उपलब्ध कराई गई। वहीं जेल के बंधियो को भी उनके अधिकार बताए गए आज की आवश्यकता है ,कि सभी को उनके विधिक अधिकार पता हो वह जागरूक रहे । कहीं कोई जानकारी के अभाव में वंचित ना रहे इसी उद्देश्य के आधार पर यह अभियान आयोजित किया गया था। इसी के तहत वाहन रैली का आयोजन किया गया था जिसमें नगर का वर्णन कर लोगों को कानून के प्रति जागरूक किया गया है। इस अवसर पर विद्वान न्यायाधीश न्यायालय अधिकारी कर्मचारी गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

झाड़गांव, थानेगाँव महाराजपुर और झालीवाडा मंडई में शामिल हुए विधायक पटेल

मंडई मेलो में अपनो के साथ मेल मिलाप और मिलता है आत्मसम्मान -विवेक पटेल





पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। दीपावली के बाद ग्रामीण क्षेत्रों में मंडई मेलो का दौर प्रारंभ हो चुका है। मंडई उत्सव ग्रामीण क्षेत्रों में मित्रों और दूरदराज के परिजनों के मेल मिलाप का एक बड़ा केंद्र माना जाता है। मंडई के अवसर पर ग्रामीण क्षेत्रों में बड़ी संख्या में लोग एकत्रित होते है मंडई पर सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किए जा रहे है। इस अवसर पर क्षेत्रीय विधायक विवेक पटेल भी गांवों की मंडई में पहुंचकर ग्रामीणों, व्यापारियों और युवाओं से आत्मीय मुलाकात कर रहे है। साथ ही ग्रामीणों की समस्याओं को सुन रहे है और सड़क, शिक्षा, स्वास्थ सहित अन्य समस्याओं को सुनकर तत्काल समाधान करने का प्रयास कर रहे है तो वहीं ग्रामों में विकास कार्यों की सौगात भी दे रहे है। इस दौरान ब्लाक अध्यक्ष जीतू राजपूत, तेजराम नगपुरे,जनपद सदस्य कमलकिशोर गराडे, गणेश लिल्हारे, देवीप्रसाद लिल्हारे, संतोष ठकरेले,तेजराम उपवंशी, राजकुमार चौधरी,केशव बैस,संदेश बिसेन, पवन चिखले, लोकराम उपवंशी, कोमल मस्करे,योगराज उइके,रमेश मानकर, महेंद्र कनीजे, दुर्गाप्रसाद दमाहे, शंकर लिल्हारे सहित ग्रामवासी मौजूद रहे। विधायक विवेक पटेल ने कहा कि मंडई हमारे गांव की पहचान है मंडई के दिन हमारे गांव में दूर दराज से रिश्तेदार आते है और घरों में विभिन्न प्रकार के पकवान बनाए जाते है। मंडई के दिन ग्रामों में विभिन्न प्रकार के आयोजन भी किए जाते है। इस आयोजन में हम भी शामिल होते है इस बहाने हमें क्षेत्र की जनता से मिलने का मौका मिलता है और उनकी समस्याओं को सुना जाता है। कुछ समस्याओं का मेरे द्वारा तत्काल समाधान भी किया जा रहा है मंडई एक दूसरे के मेल मिलाप का माध्यम है। मंडई मेले में विभिन्न समाज और वर्गों के लोग एक साथ जुटते है। जहां सभी लोग शामिल होकर भाई चारा एकता का संदेश देते है। अब कुछ दिनों बाद धान खरीदी प्रारंभ होगी हम चाहते है कि चुनाव के पूर्व भाजपा के प्रत्याशियों ने बड़े,बड़े पर्चे छपवाकर किसानों से इकतीस सौ रूपये प्रति क्विंटल धान खरीदने का वादा किया था। उसे जल्द पूरे करे अन्यथा आपको अक्षदाता आगामी चुनाव में इसका जवाब जरूर देंगे। वहीं मैं विधानसभा सत्र में किसानों की हर समस्याओं को सरकार के समक्ष रखूंगा।

एनसीसी कैडेट्स ने चलाया स्वच्छता जागरूकता अभियान

नुक्कड़ नाटक के माध्यम से दिया स्वच्छता का संदेश

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। विकसित भारत अभियान २०४७ के अंतर्गत शासकीय शंकर साव पटेल महाविद्यालय की एनसीसी इकाई के द्वारा समाज सेवा गतिविधि के तहत महाविद्यालय में स्वच्छता जागरूकता अभियान चलाया गया। इस दौरान एनसीसी कैडेट्स ने नुक्कड़ नाटक का मंचन कर नागरिकों एवं दुकानदारों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया और अपने आसपास साफ सफाई बनाए रखने की अपील की। यह अभियान ६ म.प्र.बटालियन एनसीसी बालाघाट के कमान अधिकारी लेफ्टिनेंट कर्नल भागीरथ सिंह जोधा के निर्देशानुसार तथा महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ एस एस गेड़ाम के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। अभियान के दौरान कैडेट्स ने महाविद्यालय की बाउंड्रीवॉल के समीप संचालित गुमतियों और दुकानों के व्यवसायियों को स्वच्छता का महत्व समझाया। नुक्कड़ नाटक के माध्यम से संदेश दिया गया कि सार्वजनिक स्थलों पर कचरा फैलाने से गंदगी बढ़ती है इसलिए प्रत्येक नागरिक को स्वच्छता बनाए रखने की जिम्मेदारी निभानी चाहिए। अभियान के अंतर्गत एनसीसी कैडेट्स के चार स्क्वाड बनाए गए जिन्होंने महाविद्यालय के आसपास स्थित दुकानों एवं गुमटियों में पहुंचकर दुकानदारों से अपने प्रतिष्ठानों के परिसर और नगर को स्वच्छ रखने में सहयोग करने की अपील की। प्रथम वर्ष के कैडेट जयेश दमाहे एवं प्रियांशी गाडरवार ने दुकानदारों से विशेष आग्रह किया कि महाविद्यालय के मुख्य द्वार पर ना तो स्वयं कचरा फैलाएं और ना ही अपने ग्राहकों को कचरा करने दें। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी प्रतिदिन महाविद्यालय आते हैं लेकिन मुख्य द्वार पर फैली गंदगी के कारण उन्हें असुविधा का सामना करना पड़ता है। ऐसे में सभी को मिलकर इस स्थान को स्वच्छ रखना चाहिए। नुक्कड़ नाटक के मंचन में क्वार्टर मास्टर प्रफुल्ल गोटेकर, सीपीएल आयुषी रहांगडाले, कैडेट प्रिया कामड़े,



नवीन मराठे, भोजराज हरदे, अमन पंचेश्वर, दर्शन आचरे एवं शुभम पंचेश्वर ने सहभागिता निभाई। सम्पूर्ण स्वच्छता जागरूकता अभियान महाविद्यालय के एनसीसी अधिकारी मेजर हेमंत कुमार मंडाले के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। इस पहल के माध्यम से एनसीसी कैडेट्स ने स्वच्छता को केवल प्रशासन की नहीं बल्कि प्रत्येक नागरिक की सामूहिक जिम्मेदारी बताते हुए स्वच्छ परिसर और स्वच्छ नगर का संदेश दिया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में एनसीसी कैडेट्स मौजूद रहे।

बुद्धू बक्से से लाइव दुनिया तक-एक स्क्रीन में सिमटी दुनिया

वर्ष 1925 में टेलीविजन का आविष्कार स्कॉटिश इंजीनियर तथा अन्वेषक जॉन लॉगी बेयर्ड द्वारा किया गया था। वे दुनिया के प्रथम वैज्ञानिक थे, जिन्होंने 26 जनवरी 1926 को ब्रिटेन के लंदन शहर में स्थित रॉयल इंस्टीट्यूशन से लंदन के पश्चिम में स्थित 'सोहो' नामक स्थान पर टेलीविजन संदेशों का सफल प्रसारण करके दिखाया था। उनके द्वारा बनाए गए मैकेनिकल टेलीविजन के बाद 1927 में फिलो फॉर्न्सवर्थ द्वारा इलैक्ट्रॉनिक टेलीविजन का आविष्कार किया गया, जिसका 3 सितम्बर 1928 को उनके द्वारा सार्वजनिक प्रदर्शन किया गया। कुछ असफलताओं के बाद सदी के महान् आविष्कार टेलीविजन को पूरी तरह इलैक्ट्रॉनिक रूप देने में सफलता मिली वर्ष 1934 में। बिजली से चलने वाले उस अद्भुत इलैक्ट्रॉनिक उपकरण की ही बदौलत आगामी वर्षों में कई आधुनिक टीवी स्टेशन खोले दिए? जिसके बाद लोग बड़ी संख्या में टीवी खरीदने लगे और टेलीविजन धीरे-धीरे मनोरंजन एवं समाचार का महत्वपूर्ण माध्यम बनता गया। इलैक्ट्रॉनिक टेलीविजन ने अपने आविष्कार के करीब 32 साल बाद भारत में पहला कदम रखा। भारत में टीवी का पहला प्रसारण प्रायोगिक तौर पर दिल्ली में दूरदर्शन केन्द्र की स्थापना के साथ 15 सितम्बर 1959 को शुरू किया गया। उस समय टीवी पर सप्ताह में केवल तीन दिन ही मात्र तीस-तीस मिनट के कार्यक्रम आते थे लेकिन इतने कम समय के बेहद सीमित कार्यक्रमों के बावजूद भी टीवी के प्रति लोगों का लगाव बढ़ता गया और यह बहुत जल्द लोगों की आदत का अहम हिस्सा बन गया। दूरदर्शन का व्यापक प्रसार हुआ वर्ष 1982 में दिल्ली में हुए एशियाई खेलों के आयोजन के प्रसारण के बाद। दूरदर्शन द्वारा अपना दूसरा चैनल 26 जनवरी 1993 को शुरू किया गया और उसी के बाद दूरदर्शन का पहला चैनल डीडी-1 और दूसरा नया चैनल डीडी-2 के नाम से लोकप्रिय हो गया, जिसे बाद में 'डीडी मैट्रो' नाम दिया गया। भले ही टीवी के आविष्कार के इन दशकों में इसका स्वरूप और तकनीक पूरी तरह बदल चुकी है लेकिन इसके कार्य करने का मूलभूत सिद्धांत अभी भी पहले जैसा ही है। 'ब्लैक एंड व्हाइट' बुद्धू बक्सा अपने सहज प्रस्तुतिकरण के दौर से गुजरते हुए कब आधुनिकता के साथ कदमताल करते हुए सूचना क्रांति का सबसे बड़ा हथियार और हर घर की अहम जरूरत बन गया, पता ही नहीं चला। यह दुनिया जहान की खबरें देने और राजनीतिक गतिविधियों की सूचनाएं उपलब्ध कराने के अलावा मनोरंजन, शिक्षा तथा समाज से जुड़ी महत्वपूर्ण सूचनाओं को उपलब्ध कराने, प्रमुख आर्थिक और सामाजिक मुद्दों पर ध्यान केन्द्रित करते हुए समूचे विश्व के ज्ञान में वृद्धि करने में मदद करने वाला एक सशक्त जनसंचार माध्यम है। यह संस्कृतियों और रीति-रिवाजों के आदान-प्रदान के रूप में मनोरंजन का सबसे सस्ता साधन है, जो तमाम महत्वपूर्ण मुद्दों पर ध्यान केन्द्रित करते हुए पूरी दुनिया के ज्ञान में असीम वृद्धि करने में मददगार साबित हो रहा है। मानव जीवन में टीवी की बढ़ती भूमिका तथा इसके सकारात्मक और नकारात्मक पहलुओं पर चर्चा करने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष 21 नवम्बर को 'विश्व टेलीविजन दिवस' मनाया जाता है। संचार और वैश्वीकरण में टेलीविजन की बेहद महत्वपूर्ण भूमिका को देखते हुए इसके महत्वों को रेखांकित करने के लिए संयुक्त राष्ट्र द्वारा 'विश्व टेलीविजन दिवस' मनाने की जरूरत महसूस की गई और आम जिंदगी में टीवी के बढ़ते प्रभाव को देखते हुए आखिरकार टीवी के आविष्कार के करीब सात दशक बाद वर्ष 1996 में 'विश्व टेलीविजन दिवस' मनाने की घोषणा कर दी गई। दरअसल टीवी के आविष्कार को सूचना के क्षेत्र में एक ऐसी क्रांति का आविष्कार माना गया है, जिसके जरिये समस्त दुनिया हमारे करीब रह सकती है और हम अब घर बैठे ही दुनिया के किसी भी कोने में होने वाली घटनाओं को लाइव देख सकते हैं।

निर्विरोध चुनाव बनाम नोटा-भारत के लोकतंत्र में जन- इच्छा, कानून और नैतिकता की टकराहट

वैश्विक स्तरपर भारत, जिसे गर्व से विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र कहा जाता है, वहाँ चुनाव केवल प्रतिनिधि चुनने की प्रक्रिया नहीं हैं, बल्कि यह जनता की सामूहिक चेतना,असहमति, सहमति और विश्वास का संवैधानिक माध्यम हैं। लोकतंत्र की आत्मा इस सिद्धांत पर टिकी है कि सत्ता जनता से निकलती है, जनता द्वारा संचालित होती है और जनता के हित में कार्य करती है। ऐसे में यह प्रश्न अत्यंत गंभीर हो जाता है कि जब किसी निर्वाचन क्षेत्र में केवल एक ही उम्मीदवार मैदान में रह जाता है और वह निर्विरोध निर्वाचित घोषित कर दिया जाता है, तब मतदाता की इच्छा, असहमति औरअधिकार का क्या होता है? विशेषकर तब, जब वही मतदाता नोटा (नन ऑफ द अबव) जैसे विकल्प के माध्यम से यह कहने का संवैधानिक अधिकार रखता है कि हमें यह उम्मीदवार स्वीकार नहीं है।जनप्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 की धारा 53(2)स्पष्ट रूप से कहती है कि यदि किसीनिर्वाचन क्षेत्र में जितने पद हैं, उतने ही उम्मीदवार शेष रह जाएँ, तो निर्वाचन अधिकारी उन्हें बिना मतदान के निर्वाचित घोषित करेगा। इसी प्रकार, चुनाव संचालन नियम, 1961 का नियम 11, तथा फॉर्म 21 और 21बी, निर्विरोध चुनाव के परिणाम घोषित करने की प्रक्रिया को वैधानिक रूप देते हैं।कानूनी दृष्टि से यह व्यवस्था प्रशासनिक सरलता और संसाधनों की बचत के उद्देश्य से बनाई गई थी। किंतु आज, जब लोकतंत्र केवल प्रक्रिया नहीं बल्कि जन- भागीदारी और जन-सहमति का प्रतीक बन चुका है,तब यह प्रावधान अपने औचित्य परपुनर्विचार की माँग करता है। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि भारतीय संविधान केवल शासन की संरचना नहीं,बल्कि एक जीवंत लोकतांत्रिक दस्तावेज है,जिसकी आत्मा जन -सहमति, जन-भागीदारी और जन- उत्तरदायित्व में निहित है।भारत को विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र कहे जाने का आधार केवल चुनावों की संख्या नहीं, बल्कि यह तथ्य है कि यहाँ प्रत्येक नागरिक को राजनीतिक भागीदारी और अभिव्यक्ति का समान अधिकार प्राप्त है।ऐसे में जब किसी निर्वाचन क्षेत्र में कोई उम्मीदवार निर्विरोध निर्वाचित घोषित कर दिया जाता है और मतदाताओं को मतदान का अवसर ही नहीं दिया जाता,तब यह प्रश्न उठनास्वाभाविक है कि क्या यह व्यवस्था संविधान की मूल भावना के अनुरूप है?भारतीय संविधान के अनुच्छेद 324 से 329 तक चुनावों की संवैधानिक रूपरेखा निर्धारित की गई है। यद्यपि मतदान का अधिकार एक वैधानिक अधिकार है,किंतु सर्वोच्च न्यायालय ने समय- समय पर यह स्पष्ट किया है कि स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव संविधान के मूल ढाँचे का हिस्सा हैं। लोकतंत्र में चुनाव का अर्थ केवल प्रतिनिधि चुनना नहीं है, बल्कि यह नागरिक की सहमति और असहमति दोनों की अभिव्यक्ति का माध्यम है। यदि किसी नागरिक को केवल स्वीकृति का अवसर मिले, परंतु अस्वीकृति का नहीं, तो लोकतंत्र अधूरा रह जाता है। साथियों बात अगर हम नोटा, असहमति का संवैधानिक अधिकार इसको समझने की करें तो, भारत में नोटा विकल्प को 2013 में सुप्रीम कोर्ट के ऐतिहासिक फैसले (पीयूसीएल बनाम भारत संघ) के माध्यम से मान्यता दी गई। इसका उद्देश्य स्पष्ट था,मतदाता को यह अधिकार देना कि वह चुनाव में भाग तो ले,परंतु किसी भी उम्मीदवार को स्वीकार न करे।नोटा लोकतंत्र में नकारात्मक सहमति (नेगेटिव कंसट) का प्रतीक है। यह वोटर की वह चुप आवाज़ है जो कहती है,मैं चुनाव प्रणाली में विश्वास करता हूँ, लेकिन उम्मीदवारों में नहीं।ऐसे में यह प्रश्न स्वाभाविक है कि जब चुनाव ही नहीं होता, तो नोटा का अस्तित्व किस लिए? यह विकल्प मतदाता की अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता (अनुच्छेद 19 (1)(ङ) से जुड़ा हुआ है। नोटा का उद्देश्य यह था कि नागरिक यह कह सके,मैं चुनाव प्रणाली में विश्वास करता हूँ, किंतु प्रस्तुत विकल्पों से संतुष्ट नहीं हूँ।नोटा, संविधान के उस मूल सिद्धांत को मूर्त रूप देता है, जिसमें नागरिक को केवल शासक चुनने का नहीं, बल्कि शासन के स्वरूप पर प्रश्न उठाने का भी अधिकार भी प्राप्त है। साथियों बात अगर हम निर्विरोध चुनाव: धारा 53(2) और संवैधानिक द्वंद्व इसको गहराई से समझने की करें तो जन प्रतिनिधित्व अधिनियम1951 की धारा 53 (2)के अनुसार यदि किसी निर्वाचन क्षेत्र में उतने ही उम्मीदवार रह जाएँ जितनी सीटें हैं, तो निर्वाचन अधिकारी उन्हें बिना मतदान के निर्वाचित घोषित कर देगा। चुनाव संचालन नियम, 1961 का नियम 11 तथा फॉर्म 21/21बी इस प्रक्रिया को औपचारिक रूप देते हैं।यह प्रावधान प्रशासनिक सुविधा और व्यावहारिकता के लिए बनाया गया था, किंतु आज के संवैधानिक परिप्रेक्ष्य में यह प्रश्न उठता है कि क्या यह व्यवस्था- जन-सहमति राजनीतिक समानताऔर लोकतांत्रिक नैतिकता के सिद्धांतों के अनुरूप है?संविधान का मूल दर्शन यह है कि सत्ता जनता की इच्छा से उत्पन्न होती है।जब निर्विरोध चुनाव में मतदाता को मतदान का अवसर ही नहीं दिया जाता, तब उसकी इच्छा चाहे वह समर्थन की हो या विरोध, की संवैधानिक रूप से अदृश्य बना दी जाती है।यह स्थिति लोकतंत्र को जनता की सरकार से कानून द्वारा थोपी गई सरकार की ओर ले जाती है, जो संवैधानिक नैतिकता बिल्कुल विपरीत है। साथियों बात अगर हम एक उम्मीदवार, शून्य विकल्प-क्या यह लोकतंत्र है? इसको समझने की करें तो,जब किसी सीट पर केवल एक उम्मीदवार बचता है और उसेनिर्विरोध विजयी घोषित कर दिया जाता है, तो मतदाता के सामने कोई विकल्प नहीं रह जाता। न समर्थन का, न विरोध का। यह स्थिति लोकतंत्र के मूल सिद्धांत,चॉइस (चयन) को निष्प्रभावी बना देती है।यदि मतदाताओं का बड़ा वर्ग यह मानता है कि वह उम्मीदवार जनहित का प्रतिनिधित्व नहीं करता,फिर भी कानून उसे प्रतिनिधि बना देता है।यह लोकतंत्र नहीं,बल्कि वैधानिक एकाधिकार की स्थिति बन जाती है। साथियों बात अगर हम सुप्रीम कोर्ट में उठा सवाल-नोटा बनाम निर्विरोध जीत इसको समझने की करें तो, इसी संवैधानिक द्वंद्व को लेकर विधि सेंटर फॉर लीगल पॉलिसी द्वारा सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की गई, जिसमें जनप्रतिनिधित्व अधिनियम की धारा 53(2) और चुनाव संचालन नियम, 1961 को चुनौती दी गई। सुनवाई के दौरान मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने टिप्पणी की कि यह एक बहुत रोचक और महत्वपूर्ण मुद्दा है। पीठ ने यह भी पूछा कि, क्या केवल एक उम्मीदवार वाले चुनावों में मतदाताओं को नोटा का विकल्प नहीं दिया जा सकता? यह टिप्पणी अपने आप में इस बात का संकेत है कि न्यायपालिका भी इस व्यवस्था को लोकतांत्रिक कसौटी पर परखने को तैयार है।सुनवाई के दौरान सॉलिसिटर जनरल ने तर्क दिया कि इस विषय पर पहले सरकार से संपर्क करना उचित होगा। न्यायालय ने भी याचिकाकर्ता को यह स्वतंत्रता दी कि यदि सरकार इस मुद्दे पर विचार नहीं करती,तो पुन: अदालत का दरवाज़ा खटखटाया जा सकता है।यह दृष्टिकोण संविधान के शक्ति संतुलन सिद्धांत को दर्शाता है,जहाँ विधायी सुधार पहले संसद से अपेक्षित है और न्यायपालिका अंतिम संरक्षक कीभूमिका में है।चुनाव आयोग का पक्ष- दुर्लभ लेकिन महत्वपूर्ण चुनाव आयोग ने अपने हलफनामे में कहा कि लोकसभा में निर्विरोध चुनाव अत्यंत दुर्लभ हैं। एक वरिष्ठ अधिवक्ता के अनुसार1991 से अब तक केवल एक निर्विरोध लोकसभा चुनाव,1971 से 2025 तक कुल छह,1951 से अब तक हुए 20 आम चुनावों में केवल नौ निर्विरोध चुनाव,आँकड़े भले ही कम हों,परंतु लोकतंत्र में सिद्धांतों का मूल्य आँकड़ों से अधिक होता है। एक भी ऐसा मामला जहाँ मतदाता की इच्छा दबे, वह पूरे लोकतांत्रिक ढाँचे पर ही एक बड़ा प्रश्नचिह्न खड़ा करता है। साथियों बात अगर हम नोटा को उम्मीदवार मानने की बहस को सटीकता से समझने की करें तो चुनाव आयोग का यह भी कहना है कि नोटा को निर्विरोध चुनावों में उम्मीदवार मानना वर्तमान कानून के अंतर्गत संभव नहीं है।इसके लिए, जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 और चुनाव संचालन नियम, 1961 में विधायी संशोधन आवश्यक होंगे। यह स्वीकारोक्ति स्वयं यह दर्शाती है कि समस्या वैधानिक है, संवैधानिक नहीं,और इसका समाधान संसद के पास है। न्यायालय की नैतिक टिप्पणी भी है कि नोटा आक्रोश का प्रतीक, पीठ ने सुनवाई के दौरान कहा कि नोटा तभी प्रभावी होता है जब मतदाताओं में किसी उम्मीदवार के प्रति गंभीर आक्रोश हो।चुनाव आयोग की ओर से यह तर्क दिया गया कि यदि इतना आक्रोश है, तो मतदाता स्वतंत्र उम्मीदवार खड़ा कर सकते हैं। किंतु यह तर्क व्यवहारिक यथार्थ से टकराताहै, क्योंकि स्वतंत्र उम्मीदवार खड़ा करना संसाधन, सुरक्षा और राजनीतिक जोखिम से जुड़ा विषय है, जो हर नागरिक के लिए संभव नहीं। कई बार उम्मीदवारों से नामांकन वापस लेने के लिए मजबूर किया जाता है, जिससे जनता के सामने विकल्प ही समाप्त हो जाए।नामांकन आज कानून उम्मीदवार को नामांकन वापस लेने की अनुमति देता है। किंतु यदि इसी प्रावधान का दुरुपयोग लोकतंत्र को कमजोर कर रहा है, तो यह समय है कि कानून में संशोधन किया जाए।एक प्रस्ताव यह हो सकता है कि,एक बार वैध नामांकन भरने के बाद उसे वापस नहीं लिया जा सके, या कम से कम निर्विरोध स्थिति बनने से रोकने हेतु सख्त शर्तें लागू हों।यह सुधार लोकतंत्र में विकल्प की अनिवार्यता को सुनिश्चित करेगा।संविधान का अनुच्छेद 14 समानता की गारंटी देता है। यदि उम्मीदवारों को दबाव या धनबल के माध्यम से नामांकन वापस लेने के लिए विवश किया जाता है, तो यह,राजनीतिक समानता,निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा और स्वतंत्र चुनाव तीनों का उल्लंघन है।आज नामांकन वापसी की अनुमति लोकतांत्रिक स्वतंत्रता के नाम पर दी जाती है। किंतु यदि यही स्वतंत्रता लोकतंत्र को विकल्प हीन बना दे, तो यह संवैधानिक उद्देश्य से विचलन है।ऐसे में यह विचार आवश्यक है किनिर्विरोध स्थिति बनने से पहले नामांकन वापसी पर सख्त शर्तें हों या नामांकन वापसी को सीमित किया जाए। साथियों बात अगर हम अंतरराष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य-दुनियाँ क्या करती है? इसको समझने की करें तो, कई लोकतांत्रिक देशों में,एकल उम्मीदवार के विरुद्ध भी अनिवार्य मतदान,न्यूनतम वोट प्रतिशत की शर्त,री -इलेक्शन का प्रावधान,जैसे उपाय मौजूद हैं।भारत जो लोकतांत्रिक आदर्शों का वैश्विक प्रवक्ता है,ऐसे परिपक्व लोकतंत्र से भी यही अपेक्षा की जाती है कि वह प्रक्रिया से आगे बढ़कर भावना को समझे। अत: अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि लोकतंत्र प्रक्रिया नहीं, जन- सहमति है,निर्विरोध चुनाव वैधानिक हो सकते हैं,परंतु हर वैधानिक चीज़ लोकतांत्रिक हो,यह आवश्यक नहीं।यदि नोटा जनता की असहमति का स्वर है, तो उसे निर्विरोध चुनावों में कुचलना लोकतंत्र की आत्मा के साथ अन्याय है।

-एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी

बिहार में अपराधियों के निशाने पर सोना-चांदी का कारोबारी

क्या बिहार में सोना-चांदी का कारोबार करना अब जोखिम भरा होता जा रहा है? क्या अपराधियों के लिए ज्वेलरी शोरूम और सराफा कारोबारी आसान निशाना बन गए हैं? पश्चिम चंपारण के बेतिया में 18 नवंबर को दिनदहाड़े सेनको गोल्ड एंड डायमंड्स शोरूम में हुई करोड़ों की लूट ने इन सवालों को फिर से गंभीर बना दिया है। यह केवल एक प्रतिष्ठान में हुई डकैती नहीं है, बल्कि राज्य की शहरी सुरक्षा व्यवस्था, पुलिस की खुफिया क्षमता और संगठित अपराध के बढ़ते प्रभाव की परीक्षा भी है। बेतिया के सुप्रिया रोड स्थित शोरूम में दोपहर करीब साढ़े बारह बजे तीन मोटरसाइकिलों पर पहुंचे लगभग आठ हथियारबंद अपराधियों ने धावा बोला। शुरुआती खबरों के अनुसार, उन्होंने कर्मचारियों और ग्राहकों को हथियारों के बल पर अपने नियंत्रण में लिया, उनके हाथ बांधे और मोबाइल फोन छीन लिए। इसके बाद शोरूम में रखे सोने, चांदी और हीरे के आभूषण समेटकर फरार हो गए। शुरुआती आकलन में लूटे गए सामान की कीमत 30 से 40 करोड़ रुपये बताई जा रही है, लेकिन वास्तविक नुकसान का आधिकारिक आकलन होना अभी बाकी है। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया है और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर अपराधियों की पहचान तथा उनके भागने के रास्ते का पता लगाने की कोशिश कर रही है। अभी अपराधियों की पहचान और लूट की रकम को अंतिम निष्कर्ष मानना उचित नहीं होगा। इस वारदात की सबसे चिंताजनक बात उसका समय और तरीका है। अपराधियों ने किसी सुनसान स्थान या रात के अंधेरे का इंतजार नहीं किया। उन्होंने शहर की व्यस्त सड़क पर स्थित बड़े शोरूम को निशाना बनाया। दिनदहाड़े हथियारों के साथ पहुंचना, लोगों को बंधक बनाना और कीमती सामान लेकर निकल जाना बताता है कि अपराधियों को तत्काल पुलिस कार्रवाई का भय नहीं था। यह किसी एक दुकान की सुरक्षा का प्रश्न नहीं है। जब बाजार के बीचोंबीच इस तरह की वारदात हो सकती है, तो आम दुकानदार, ग्राहक और राहगीर खुद को कितना सुरक्षित महसूस करेंगे? बिहार में यह पहली घटना नहीं है। पिछले कुछ समय में अलग-अलग जिलों में सोना-चांदी के कारोबारियों को निशाना बनाया गया है। दरभंगा के कटकी बाजार स्थित प्रेम ज्वेलर्स में तीन अप्रैल 2026 को हथियारबंद अपराधियों ने लगभग दो करोड़ रुपये के सोने-चांदी के आभूषण और करीब 20 से 25 लाख रुपये नकद लूट लिए थे। इस मामले में पुलिस ने बाद में कई आरोपितों को गिरफ्तार किया और लूटे गए सामान की बरामदगी भी की। पुलिस के अनुसार, कार्रवाई में विशेष कार्यबल और स्थानीय पुलिस की संयुक्त टीम शामिल थी। यह गिरफ्तारी बताती है कि समन्वित कार्रवाई से अपराधियों तक पहुंचना संभव है, लेकिन सवाल यह भी है कि ऐसी घटनाओं को होने से पहले रोकने की व्यवस्था कितनी प्रभावी है। दरभंगा में सात नवंबर को हुई 62 किलो चांदी की लूट ने भी अपराधियों की तैयारी और कारोबारी गतिविधियों की निगरानी से जुड़े सवाल खड़े किए। पश्चिम बंगाल के एक सराफा कारोबारी की गाड़ी को शोभन-एकमी बाइपास के पास घेरकर चांदी लूटी गई। पुलिस ने इस मामले में पांच लोगों की गिरफ्तारी और साजिश का पर्दाफाश करने का दावा किया। जांच में कारोबारी के ही एक साझेदार की कथित भूमिका सामने आने की बात कही गई। इस घटना का एक महत्वपूर्ण पहलू यह है कि अपराधियों ने दुकान के बजाय कीमती धातु के परिवहन को निशाना बनाया। यानी जोखिम केवल शोरूम या दुकान तक सीमित नहीं है, बल्कि माल लेकर चलने वाले कारोबारी भी अपराधियों के निशाने पर हैं।अमुजफ्फरपुर के सदर थाना क्षेत्र के सुस्ता स्थित गोल्डेन ज्वेलर्स में 10 फरवरी 2026 को चार हथियारबंद अपराधियों ने महज सात मिनट में लूट की घटना को अंजाम दिया। दुकानदार के अनुसार, अपराधी करीब 35 ग्राम सोना और तीन किलो चांदी के गहने ले गए। यह घटना बताती है कि अपराधियों के लिए कम समय में वारदात को अंजाम देना और तेजी से निकल जाना एक स्थापित तरीका बनता जा रहा है। इससे पहले 30 जनवरी 2025 को सारण जिले के सहाजितपुर थाना क्षेत्र के कोल्हुआ गांव में प्रियंका ज्वेलर्स एंड बर्तन भंडार से करीब 20 किलो चांदी और 250 ग्राम सोना लूट लिया गया था। दो मोटरसाइकिलों पर आए चार अपराधियों ने हथियार के बल पर वारदात की और भागते समय गोलीबारी भी की। उस समय लूटे गए सामान की कीमत करीब 40 लाख रुपये बताई गई थी। आरा में 10 मार्च 2025 को तनिष्क शोरूम से लगभग 25 करोड़ रुपये के सोने-चांदी और हीरे के आभूषण लूटे जाने की घटना भी इसी सिलसिले की गंभीरता को सामने लाती है। इस मामले में पुलिस ने कुछ ही घंटों के भीतर दो आरोपितों को गिरफ्तार किया और करीब 15 करोड़ रुपये के आभूषण बरामद करने की जानकारी दी थी। वैशाली के गोरौल बाजार में जुलाई 2025 में एक ज्वेलरी दुकान से करीब 20 लाख रुपये के गहने लूटे जाने की घटना भी दर्ज हुई।

इन घटनाओं को केवल लूटे गए सामान की कीमत के आधार पर नहीं देखना चाहिए। इनके पीछे अपराधियों की तैयारी, बाजार की रेकी, सुरक्षा व्यवस्था की कमजोरियों की पहचान और भागने के रास्ते का चयन जैसे पहलू हैं। किसी दुकान को निशाना बनाने से पहले अपराधी वहां की गतिविधियों, कर्मचारियों की संख्या, सुरक्षा गार्ड की मौजूदगी, सीसीटीवी कैमरों और आसपास की पुलिस व्यवस्था का अध्ययन कर सकते हैं। ऐसे मामलों में वारदात का समय कुछ मिनट होता है, लेकिन उसकी तैयारी पहले से की गई हो सकती है। इसलिए अपराध रोकने के लिए केवल घटना के बाद छापेमारी पर्याप्त नहीं है। संभावित वारदात की सूचना पहले हासिल करने की क्षमता भी जरूरी है। इस संदर्भ में बिहार से संचालित अंतरराज्यीय सोना लूट गिरोहों की चर्चा महत्वपूर्ण है। मई 2026 में तेलंगाना के करीमनगर स्थित पीएमजे ज्वेलर्स में हुई लूट की जांच के दौरान वहां की पुलिस ने बिहार के पूर्णिया जेल में बंद सुबोध सिंह उर्फ गोल्डन थीफ को कथित सरगना बताया था। उस घटना में करीब 82 लाख रुपये के सोने और हीरे के आभूषण लूटे गए थे। तेलंगाना पुलिस के अनुसार, गिरोह के तार बिहार, पश्चिम बंगाल, झारखंड, तेलंगाना और महाराष्ट्र तक फैले थे। जांच में हथियार, चोरी की मोटरसाइकिल, फर्जी पहचान और लूटे गए आभूषणों को ठिकाने लगाने के लिए अलग-अलग लोगों की भूमिका सामने आने की बात कही गई। यह विवरण पुलिस जांच से जुड़ा है; इसे किसी दूसरी घटना में उसी गिरोह की संलिप्तता का प्रमाण नहीं माना जा सकता। यह उदाहरण बताता है कि संगठित अपराध का चरित्र बदल रहा है। अब अपराधी केवल स्थानीय संपर्कों के सहारे वारदात नहीं करते। गिरोहों में रेकी करने वाले, हथियार और वाहन उपलब्ध कराने वाले, फर्जी पहचान तैयार करने वाले, वारदात को अंजाम देने वाले और लूटे गए सामान को बाजार में खपाने वाले अलग-अलग लोग हो सकते हैं। ऐसे नेटवर्क कई राज्यों में सक्रिय हो सकते हैं। किसी एक जिले की पुलिस के लिए इनका पीछा करना कठिन है, क्योंकि अपराध एक जगह होता है, अपराधी दूसरी जगह छिपते हैं और लूटे गए आभूषण तीसरे राज्य में बेचे जा सकते हैं। इसलिए बिहार पुलिस को दूसरे राज्यों की पुलिस के साथ सूचनाओं का नियमित आदान-प्रदान करना होगा। संदिग्ध गिरोहों के सदस्यों, उनके पुराने मामलों, इस्तेमाल किए गए वाहनों, मोबाइल संपर्कों और आभूषणों की अवैध खरीद-बिक्री के नेटवर्क पर साझा निगरानी जरूरी है। जेल में बंद अपराधियों की गतिविधियों और उनसे मिलने-जुलने वालों पर भी कानून के दायरे में प्रभावी निगरानी होनी चाहिए। जेल में बंद होने का अर्थ यह नहीं हो सकता कि कोई अपराधी बाहर सक्रिय गिरोह के संचालन की आशंका से पूरी तरह मुक्त हो गया है। हालांकि, किसी खास वारदात में किसी गिरोह की भूमिका का निष्कर्ष ठोस साक्ष्य और जांच के आधार पर ही निकाला जाना चाहिए। पुलिस की खुफिया व्यवस्था की प्रभावशीलता का प्रश्न भी उतना ही महत्वपूर्ण है। बाजारों में पुलिस गश्ती, संवेदनशील प्रतिष्ठानों की सुरक्षा समीक्षा, संदिग्ध गतिविधियों पर नजर और स्थानीय कारोबारियों के साथ संवाद को नियमित व्यवस्था का हिस्सा बनाना होगा। बड़े ज्वेलरी शोरूम, सराफा बाजार और कीमती धातुओं का परिवहन करने वाले कारोबारियों के लिए सुरक्षा संबंधी सलाह और आपातकालीन संपर्क व्यवस्था होनी चाहिए। सीसीटीवी कैमरे तभी उपयोगी हैं जब उनकी निगरानी हो, फुटेज सुरक्षित रहे और घटना के समय पुलिस को तुरंत उपलब्ध हो सके। केवल कैमरा लगा देना सुरक्षा का विकल्प नहीं है। यह भी जरूरी है कि पुलिस की सफलता का मूल्यांकन सिर्फ गिरफ्तारी की संख्या से न हो। असली कसौटी यह है कि कितनी वारदातें रोकी गईं, कितने मामलों में पूरी लूट बरामद हुई, कितने अपराधियों को सजा मिली और क्या गिरफ्तार गिरोहों का नेटवर्क वास्तव में ध्वस्त हुआ। कई बार कुछ आरोपितों की गिरफ्तारी के बाद मामला सार्वजनिक चर्चा से बाहर हो जाता है, जबकि लूटे गए सामान की बरामदगी, बाकी आरोपितों की तलाश और अपराध से अर्जित संपत्ति के स्रोत तक पहुंचना बाकी रहता है। संगठित अपराध के खिलाफ कार्रवाई का अर्थ केवल वारदात में शामिल लोगों को पकड़ना नहीं, बल्कि उस पूरे तंत्र को तोड़ना है जो अपराध को संभव बनाता है। सरकार और पुलिस प्रशासन को कारोबारियों की सुरक्षा को भी व्यापक शहरी सुरक्षा नीति का हिस्सा बनाना चाहिए। बाजारों में पुलिस की नियमित मौजूदगी, आपातकालीन प्रतिक्रिया का समय, थाना स्तर पर व्यापारिक संगठनों के साथ बैठकें और संवेदनशील इलाकों में गश्ती की समीक्षा होनी चाहिए। इसके साथ ही आभूषणों की अवैध खरीद-बिक्री पर निगरानी और संदिग्ध लेन-देन की जांच भी जरूरी है।

- कुमार कृष्णन

पुस्तके ज्ञानियो की समाधि है इन्हें बचाना हमारी सांस्कृतिक विरासत और बौद्धिक संपदा को बचाना है

-कांतिलाल मांडोत

मनुष्य के जीवन मे पुस्तको का महत्व केवल पढ़ने और जानकारी प्राप्त करने तक सीमित नही हैं। पुस्तके मनुष्य के सोच को दिशा देती है,उसके व्यक्तित्व का निर्माण करती है और समाज को ज्ञान,विवेक तथा संस्कारो से समृद्ध बनाती है।पुस्तकें केवल कागज के पन्नों का संग्रह नहीं होतीं, बल्कि उनमें किसी लेखक का जीवनभर का अनुभव, चिंतन, साधना और उसकी आत्मा समाहित रहती है। किसी पुस्तक को खोलना ऐसा है, जैसे हम किसी विद्वान, विचारक या महापुरुष के साथ बैठकर संवाद कर रहे हों। इसलिए कहा गया है कि पुस्तकें ज्ञानियों की समाधि हैं। समाधि में महापुरुषों का शरीर भले ही दिखाई न दे, लेकिन उनके विचार और जीवन-दर्शन पुस्तकों के माध्यम से सदियों तक जीवित रहते हैं। दिल्ली की 135 वर्ष पुरानी सेंट्रल सेक्रेटेरिएट लाइब्रेरी की 8.5 लाख पुस्तकों को दूसरी जगह स्थानांतरित करने के मामले में सर्वोच्च न्यायालय की टिप्पणी ने पुस्तक संस्कृति के महत्व पर एक बार फिर देश का ध्यान आकर्षित किया है। न्यायालय ने 20 नवंबर तक पुस्तकों को हटाने पर रोक लगाते हुए केंद्र सरकार से पूछा कि इन पुस्तकों का क्या किया जाएगा। न्यायमूर्ति संजय कुमार और न्यायमूर्ति संजीव सचदेवा की पीठ ने कहा कि पुस्तकों की कुछ तो इज्जत कीजिए। यदि इनकी जरूरत नहीं है तो ऐसे देश को दे दीजिए जो इनकी कद्र करता हो। न्यायलय की यह टिप्पणी केवल एक पुस्तकालय के संग्रह की चिंता नही,बल्कि ज्ञान, इतिहास और बौद्धिक विरासत के संरक्षण का संदेश है। इस संग्रह का इतिहास वर्ष 1702 तक जाता है। सेंट्रल विस्टा परियोजना के अंतर्गत शास्त्री भवन को गिराया जाना है, जहां यह पुस्तकालय संचालित है। सरकार नई जगह अधिक क्षेत्रफल उपलब्ध कराने की बात कह रही है, लेकिन प्रश्न केवल जगह का नहीं, बल्कि पुस्तकों की सुरक्षा, संरक्षण और उनके सम्मान का है।

पुस्तकें किसी भी सभ्य समाज की असली पूंजी होती हैं। धन-संपत्ति समय के साथ समाप्त हो सकती है, भवन पुराने होकर टूट सकते हैं और सत्ता परिवर्तन के साथ व्यवस्थाएं बदल सकती हैं, लेकिन पुस्तकों में सुरक्षित विचार पीढ़ियों तक समाज का मार्गदर्शन करते रहते हैं। रामायण, महाभारत, श्रीमद्भगवद्गीता, धम्मपद, जैन आगम और अनेक धार्मिक तथा दार्शनिक ग्रंथ इसका उदाहरण हैं। इन ग्रंथों ने समय के अनेक उतार-चढ़ाव देखे, लेकिन उनका महत्त्व कम नहीं हुआ। भगवान महावीर, भगवान बुद्ध, भगवान राम, भगवान कृष्ण और अनेक महापुरुषों के विचार आज भी पुस्तकों के माध्यम से हमारे जीवन को दिशा दे रहे हैं। यही पुस्तकों का वास्तविक अमरत्व है। एक विचारक ने कहा है कि पुस्तकें ज्ञानियों की समाधि हैं। किसी पुस्तक में ऋषभदेव, अरिष्टनेमि और भगवान महावीर के विचार मिलते हैं तो किसी में राम, कृष्ण और बुद्ध का जीवन-दर्शन मिलता है। तुलसीदास, कबीर, सूरदास और अनेक संतों की वाणी आज भी पुस्तकें खोलते ही हमारे सामने जीवंत हो उठती है। कार्लाइल का विचार था कि मनुष्य ने जो कुछ किया,सोचा और पाया है,वह पुस्तको के पृष्ठों में सुरक्षित है। वास्तव में पुस्तकें बीते हुए समय और वर्तमान पीढ़ी के बीच ऐसा सेतु हैं, जिसे तोड़ा नहीं जा सकता। पुस्तकों की एक विशेषता यह भी है कि वे केवल अच्छी बातें ही नहीं सिखातीं, बल्कि गलत विचारों से सावधान रहने की समझ भी विकसित करती हैं। हर पुस्तक उपयोगी हो, यह आवश्यक नहीं है। अच्छी पुस्तक मनुष्य को सद्मार्ग दिखाती है, जबकि भ्रामक और नकारात्मक साहित्य उसे गलत दिशा में ले जा सकता है। इसलिए पुस्तक पढ़ने के साथ उसके विचारों को समझना और विवेक से स्वीकार करना भी जरूरी है। अच्छी पुस्तक सच्चे मित्र की तरह होती है। वह अकेलेपन में साथ देती है, कठिन समय में रास्ता दिखाती है और बिना किसी स्वार्थ के ज्ञान बांटती है। पुस्तको का इतिहास भी मानव सभ्यता के विकास की कहानी है। प्राचीन समय मे ज्ञान को श्रवण और स्मरण के माध्यम से एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी तक पहुंचाया जाता था।

वेद श्रुति कहलाए और जैन अगम भी श्रुत परंपरा से आगे बढ़े। बाद में भोजपत्र, ताड़पत्र और अन्य माध्यमों पर ग्रंथ लिखे जाने लगे। पुस्तक तैयार करना कठिन साधना थी। एक प्रति लिखने में वर्षों लग जाते थे। जैन आचार्यों ने ज्ञान के संरक्षण के लिए विशेष प्रयास किए। देवर्धिगणी क्षमाश्रमण ने ज्ञान के विस्मृत होने की आशंका को समझते हुए आगमों को लिखित रूप में सुरक्षित करने की आवश्यकता अनुभव की। यह प्रसंग बताता है कि ज्ञान को अगली पीढ़ियों तक पहुंचाना कितना बड़ा दायित्व है। आज मुद्रण और तकनीक ने पुस्तकों को सहज उपलब्ध करा दिया है। इंटरनेट और डिजिटल माध्यमों ने ज्ञान के नए द्वार खोले हैं, लेकिन इससे पुस्तकालयों की उपयोगिता समाप्त नहीं हुई है। पुस्तकालय वह स्थान है जहां अलग-अलग विषयों का ज्ञान एक साथ मिलता है। वहां विद्यार्थी, शोधकर्ता, लेखक और सामान्य पाठक अपनी जिज्ञासाओं का समाधान करते हैं। ऐतिहासिक पुस्तकों और दुर्लभ पांडुलिपियों का महत्त्व तो और भी अधिक है, क्योंकि उनके नष्ट होने का अर्थ इतिहास के एक हिस्से का हमेशा के लिए खो जाना है। ज्ञान की आराधना केवल पुस्तकों की पूजा करने से पूरी नहीं होती। अच्छी पुस्तकें पढ़ना, उन्हें सुरक्षित रखना, पुस्तकालयों को समृद्ध बनाना और नई पीढ़ी में अध्ययन की रुचि पैदा करना भी उतना ही आवश्यक है। परिवारों में मोबाइल के साथ पुस्तके पढ़ने की आदत भी डालनी चाहिए। विधालयो और सामाजिक संस्थाओं को पुस्तकालयो के विकास पर ध्यान देना चाहिए। सरकारों की जिम्मेदारी है कि विकास परियोजनाओं के साथ ज्ञान और विरासत के संरक्षण को भी सम्मान महत्त्व दे। पुरानी इमारते हटाई जा सकती है,लेकिन उसमें सुरक्षित ऐतिहासिक संग्रह को लापरवाही से नही देखा जा सकता। सेंट्रल सेक्रेटेरिएट लाइब्रेरी की पुस्तकों का स्थानांतरण पूरी सुरक्षा, उचित व्यवस्था और विशेषज्ञों की निगरानी में होना चाहिए। उनका सूचीकरण ,संरक्षण और पाठकों की पहुंच सुनिश्चित करना आवश्यक है। अंतत: पुस्तकें केवल पढ़ने की वस्तु नहीं, बल्कि मानव सभ्यता की स्मृति और भविष्य की दिशा हैं। रोटी शरीर को जीवन देती है और अच्छी पुस्तक जीवन जीने की कला सिखाती है। पुस्तके बचेगी तो विचार बचेंगे,विचार बचेंगे तो संस्कार बचेंगे और संस्कार बचेंगे तो समाज की बौद्धिक सम्पन्नता बनी रहेगी। सर्वोच्च न्यायालय की टिप्पणी को इसी व्यापक दृष्टि से समझने की जरूरत है। पुस्तकों का सम्मान वास्तव में ज्ञान का सम्मान है। जिस समाज में पुस्तकों की कद्र होती है, वहां विचारों की गरीबी नहीं होती। इसलिए पुस्तको केवल अलमारियों में सजाकर रखना पर्याप्त नही है, उन्हें पढ़ना, समझना, संरक्षित करना और अगली पीढ़ी तक पहुंचाना हमारा सामूहिक दायित्व है।

इंदौर बाजार भाव

इंदौर। एजेंसी। मिलगत कमजोर रहने से शुक्रवार को तिलहनों में सरसो बाजार चमक गये। सोयाबीन में मजबूती रही। खाद्य तेलों में व्यापार ठंडा-ठंडा ही रहा। दलहनों में चना मामूली लटक के साथ 7750 रू. प्रति क्विंटल पर आ गया। किराना जिंसों में शक्कर सुस्त रही। व्यापारिक सूत्रों के अनुसार तिलहनों में सरसो में मिलगत कमजोर रहने से बाजार चमक पर रहे। सरसो बढ़कर 9200 रू. क्विंटल पर आ गयी। अन्य तिलहनों में भी मजबूती बनी। खाद्य तेलों में व्यापार ठंडा-ठंडा ही रहा। दलहनों में चना मामूली लटक के साथ 7750 रू. क्विंटल पर आ गया। किराना जिंसों में शक्कर सुस्ती पर रही। भाव इस प्रकार रहे-

किराना- शक्कर 5450-5580, खोपरा गोला 370-430, खोपरा बूरा 3250-5850 (15 कि.ग्रा.), जीरा 315-325, मीडियम 335-345, बेस्ट 360-365, हल्दी निजामाबाद 325-350, सांगली 385-400, साबूदाना हल्का 5200-5350, मीडियम 5450-5600, बेस्ट 6000-6100, सच्चा मोती 5700, मोरधन 7200-8200, सौंफ मोटी 181-191, बेस्ट 200-250, एक्स्ट्रा बेस्ट 275-325, सौंफ बारिक 175-275, बेस्ट 300-375, राई दाल 90-95, सरसो दाल 85-95, कालीमिर्च एटम 860-880, गारबल्ड 800-830, मटरदाना 890-911, खसखस अनक्लीन 800-850, क्लीन 1125-1375, दालचीनी 260-265, जायफल 800-825, बादान फूल 360-375, बेस्ट 425-475, शाहजीरा 975-1050, तेजपान 90-100, पत्थर फूल 275-350, बेस्ट 450-550, जावत्री 2450-2750, केसर 200-250, नाग केसर 1450, सौंठ 375-475, धोली मूसली 950-1050, लौंग 700-720, बेस्ट 760-790, हींग (वनदेवी 751) 3450, पाउच 10 ग्राम 3550, सिंघाडा छोटा 100-120, बड़ा 120-130, सिंदूर (25 कि.ग्रा. पैकिंग) 7300, देशी कपूर 1050-1150, पूजा बादाम 115-125, बेस्ट 220-230, पूजा सुपारी 425-450, अरीठा 180-200, हरी इलायची शंकर 3250-3350, मीडियम 3425-3525, बेस्ट 3750-3825, एक्ट्रा बेस्ट 3875-3925, पानबार 3050-3100, बड़ी इलायची 1575-1625, बेस्ट 1675-1750, एक्स्ट्रा बेस्ट 1825-1925, तरबूज मगज 650-670, काजू (240) 1025-1050, काजू (320) 925-970, काजू एस.एस. डब्ल्यू 890-911, काजू जे.एच. 860-875, टुकड़ी 830-840, बादाम मगज 1225-1275, सिंगापुरी 980-1000, बादाम टांच 700-725, अखरोट 590-850, अखरोट गिरी 1250-1550, जर्दालु 375-500, बेस्ट 550-650, किशमिश कंधारी 450-600, इंडियन 400-450, चारोली 1450-1750, मुनक्का 350-550, अंजीर 850-950, मखाना 875-1075, बेस्ट 1150-1275, खारक एवरेज 75-80, मीडियम 90-130, बेस्ट 140-260, पिस्ता पिशोरी 2900-3100, कंधारी 2500-2700, नमकीन पिस्ता 1000-1150, बेस्ट 1200-1250, गेहूँ आटा 1820, मैदा कट्टा 1850, रवा कट्टा 1880, बेसन 4675 (50 कि.ग्रा.), नारियल (120) 3100-3150, (160) 3300-3350, (200) 3400-3450, (250) 3800-3850,

तेल- सींगदाना 1840-1860, मुम्बई 1860, राजकोट तेलिया 2880, सोया साल्वेंट 1330-1335, सोया रिफाइंड 1435-1440, कपास्या 1350-1355, धूलिया 1360, कड़ी 1360,

रात की धारणा- गुजरात लुज 1825, मुम्बई पाम 1310, मुम्बई सोया 1440,

खली- कपस्या खली (60 कि.ग्रा.) इन्दौर 2660, देवास-उज्जैन 2660, खंडवा-बुरहानपुर 2440, अकोला 3800 (प्रति क्विंटल)

तिलहन- सरसो 9200, रायडा 8400-8600, सोयाबीन 7300-7500, टोली (महुआ बीज) 5700-5900, करंज 4400-4500, अलसी 8500-9000, अरंडी 4500-4700, तिल्ली पुरानी 6500-7000, तिल्ली नई 7200-7500,

दलहन- चना कांटेवाला बेस्ट 7750, विशाल 7650-7700, काबूली चना डॉलर 9500-10700, काबूली चना रशियन 7500-7700, बिटकी 7200-7400, मसूर बेस्ट 6000, एवरेज 5800-5900, मूंग गर्मी बेस्ट 8100-8300, मूंग पुराना बोल्ड 8400-8500, तुअर निमाड़ी बेस्ट 8900-9000, एवरेज 8600-8700, हल्की 8400-8500, महाराष्ट्र सफेद 9600-9800, महाराष्ट्र लाल 10000-10200, उड़द बेस्ट 9201-9101, उड़द गर्मी 8500-9200, ग्रेविटी क्लीन 9500-10000, उड़द मीडियम 6000-7000, हल्की 4000-6000,

दाल- चना दाल एवरेज 7400-7500, मीडियम 7600-7700, बोल्ड 7900-8100, तुअर दाल सवा नं. 8200-8400, तुअर दाल 7300-7600, तुअर दाल मीडियम 8500-8800, बेस्ट 9900-10200, मसूर दाल 6800-7100, मूंग दाल 8700-8900, मूंग मोगर 10100-10600, उड़द दाल 9900-10300, मोगर 10800-11000,

अनाज- गेहूं मिल क्वालिटी 2800-2900, लोकवन 3200-3400, मालवराज 3000-3050, गेहूँ पूर्णा एवरेज 2800-2850, बेस्ट 2650-2750, मक्का पीली 2850-3000,

चावल- चावल हंसा सफेद 3000-3200, सेला 3500-3700, परमल 3400-3500, दुबराज 5500-6000, राजभोग 7500, काली मुंछ डिनर किंग 9500-10000, बासमती दुबार 8000-8500, मीनी दुबार 8000-9000, मोगरा 5500-7500, तिबार 11000-12000, बासमती (921) 13000-14000, बासमती सेला 8500-10500, पोहा 4500-5100,

मावा- इन्दौर 480, उज्जैन 400, रतलाम 380 रू. प्रति किलो।

इंदौर सर्राफा बाज़ार

इन्दौर। एजेंसी। शुक्रवार को स्थानीय सराफा बाजार में व्यापार सामान्य ही रहा। विदेशी बाजारों में बनी जोरदार गिरावट से बाजार टूट गये। भाव इस प्रकार रहे-

चाँदी (9999) 155000, चाँदी (99) 154800, टंच 154200, सिक्का 2600, सोना 10 ग्राम 127400,

जेपी मॉर्गन चेज के हजारों ग्राहकों का डेटा लीक

न्यूयॉर्क। एजेंसी। अमेरिका के जेपी मॉर्गन चेज बैंक से जुड़ी एक बड़ी साइबर सुरक्षा घटना सामने आई है। बैंक को सेवाएं प्रदान करने वाली कुछ बाहरी कंपनियों पर हुए साइबर हमले के बाद हजारों ग्राहकों की निजी जानकारी इंटरनेट पर लीक हो गई है। लीक हुए डेटा में मुख्य रूप से ईमेल पते और कुछ फोन नंबर शामिल हैं, हालांकि बैंक ने स्पष्ट किया कि क्रेडिट कार्ड विवरण या अन्य अत्यधिक संवेदनशील वित्तीय जानकारी प्रभावित नहीं हुई। बैंक ने यह भी पुष्टि की है कि यह घटना हाल ही में उसकी बैंकिंग सेवाओं में आई तकनीकी खराबी से संबंधित नहीं है। बैंक प्रवक्ता ने बताया कि हमलावरों ने इन बाहरी कंपनियों के मार्केटिंग से संबंधित डेटा तक पहुंच बनाई, जिसमें ग्राहकों के नाम और ईमेल पते शामिल थे।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

मुम्बई। एजेंसी। भारतीय शेयर बाजार ने शुक्रवार को जोरदार तेजी के साथ कारोबार का समापन किया। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन बाजार में ये उछाल दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीदारी हावी होने से आया है। जिससे प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी ने एक बार फिर नए रिकॉर्ड उच्च स्तर पर पहुंच। लगातार दूसरे सत्र में शानदार प्रदर्शन करते हुए, बाजार ने निवेशकों को बड़ी राहत दी। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन, 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 897.96 अंक की प्रभावशाली बढ़त के साथ 83,919.71 के सर्वकालिक उच्च स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह 50 शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 50 भी 286.30 अंक की छलांग लगाकर 25,800.60 पर पहुंचा। दिन के कारोबार के दौरान भी दोनों प्रमुख सूचकांकों ने अपने उच्चतम स्तरों को हासिल किया। सेंसेक्स ने 1,016.21 अंकों की उछाल के साथ 84,037.96 का इंट्रा-डे हाई दर्ज किया, जबकि निफ्टी 50 ने 294.5 अंकों की तेजी के साथ 25,808.80 के उच्चतम स्तर को स्पर्श किया। यह



दिखाता है कि बाजार में निवेशकों का भरोसा मजबूत बना हुआ है। आज के कारोबार में, निफ्टी 50 इंडेक्स में अपोलो हॉस्पिटल्स के शेयरों में 5.2 प्रतिशत की सबसे बड़ी बढ़त देखी गई। इसके अलावा, एक्सिस बैंक, मैक्स हेल्थकेयर, मारुति सुजुकी, अल्ट्राटेक सीमेंट और एचडीएफसी बैंक के शेयरों में भी 3 से 4 प्रतिशत की अच्छी तेजी दर्ज की गई। हालांकि, टाइटन, टाटा स्टील, एनटीपीसी और हिंदुस्तान यूनिलीवर (एचयूएल) जैसे कुछ शेयरों में गिरावट देखने को मिली। व्यापक बाजारों की बात करें तो, निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स में 0.66 प्रतिशत की मामूली बढ़त दर्ज हुई, जबकि निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स में 0.13 प्रतिशत की हल्की गिरावट आई। सेक्टरवार प्रदर्शन में, निफ्टी प्राइवेट बैंक में 3 प्रतिशत, निफ्टी बैंक में 2.5 प्रतिशत, पीएसयू बैंक में 1.2 प्रतिशत और निफ्टी आईटी में 1.3 प्रतिशत की उछाल आई। रियल एस्टेट (1.7 प्रतिशत), फाइनेंशियल सर्विसेज (1.6 प्रतिशत) और ऑटो (0.65 प्रतिशत) सेक्टर भी हरे निशान में रहे। इसके विपरीत, निफ्टी मीडिया में 1.68 प्रतिशत और निफ्टी मेटल में 0.23 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। इससे पहले आज सुबह बाजार की कमजोर शुरुआत रही।

एआई निवेश की चिंता ने गिराए एशियाई टेक शेयर

नई दिल्ली। एजेंसी। एशियाई टेक और सेमीकंडक्टर कंपनियों के शेयरों में शुक्रवार को भारी गिरावट देखने को मिली। जापान, दक्षिण कोरिया और ताइवान की कई दिग्गज कंपनियों, जिनमें सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स और सॉफ्टबैंक शामिल हैं, के शेयर 17 फीसदी तक लुढ़क गए। यह गिरावट एआई कंपनियों द्वारा किए जा रहे भारी निवेश के भविष्य में संभावित मुनाफे को लेकर निवेशकों की बढ़ती चिंता का परिणाम है, जबकि हाल ही में एआई फर्म एंथ्रोपिक का आईपीओ रिकॉर्डतोड़ सफल रहा था। बाजार के जानकारों का मानना है कि निवेशकों को संदेह है कि एआई पर कंपनियों द्वारा खर्च की जा रही भारी रकम भविष्य में कितना मुनाफा देगी। एंथ्रोपिक के शानदार आईपीओ के बावजूद यह चिंता दूर नहीं हुई। पिछले कई महीनों से एआई कंपनियों के ऊंचे मूल्यांकन और बढ़ते खर्च को लेकर बाजार में चिंता बनी हुई है। इस बिकवाली के चलते चिप टेस्टिंग उपकरण बनाने वाली जापानी कंपनी एडवांटेस्ट के शेयर 12 फीसदी गिरे, वहीं सॉफ्टबैंक ग्रुप का शेयर 17 फीसदी तक टूट गया। जापान का बेंचमार्क निक्केई 225 इंडेक्स अप्रैल के बाद सबसे निचले स्तर पर पहुंच गया। दक्षिण कोरिया में मेमोरी चिप बनाने वाली एसके हाइनिक्स और सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स के शेयरों में 6 फीसदी से ज्यादा की गिरावट आई। ताइवान में भी, शॉर्ट सेलिंग पर पाबंदियों के बावजूद, टीएसएमसी और मीडियाटेक के शेयरों में गिरावट जारी रही। विश्लेषकों के अनुसार, अमेरिका में मिडटर्म चुनावों के बाद नियमों में संभावित बदलाव और एक बड़ी वैश्विक चिप कंपनी से वरिष्ठ अधिकारी के अचानक हटने से भी एआई सेक्टर को लेकर अनिश्चितता बढ़ी है।

अमेरिकी नीतियों ने डुबाया सोने-चांदी का बाजार!

नई दिल्ली। एजेंसी। साल 2026 कीमती धातुओं के निवेशकों के लिए एक कठिन वर्ष साबित हुआ है, जहां सोने और चांदी के भावों में भारी गिरावट दर्ज की गई है। अमेरिका में बढ़ती महंगाई, पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की नीतियां और अमेरिकी बॉन्ड की बढ़ती आकर्षकता इस ऐतिहासिक गिरावट की मुख्य वजहें बनकर उभरी हैं, जिसने निवेशकों को ब्याज-मुक्त निवेश से दूर कर दिया है। यह एक ऐसा साल है जब सोने-चांदी की चमक फीकी पड़ गई है। कीमती धातुओं में भारी गिरावट का मंजर निवेशकों के लिए 2026 एक फिसलन भरी पटरी साबित हुई है। सोना जहां जनवरी में 1.75 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम के पार था, अब 1.25 लाख रुपये के स्तर की ओर तेजी से बढ़ रहा है। वहीं चांदी ने 4.25 लाख रुपये प्रति किलोग्राम का स्तर छूने के बाद 1.75 लाख रुपये से काफी नीचे गोता लगाया है, जिससे निवेशकों को बड़ा नुकसान हुआ है। इस गिरावट ने बाजार में हलचल मचा दी है और कीमती धातुओं के भविष्य को लेकर चिंताएं बढ़ गई हैं। ट्रंप की नीतियों और अमेरिकी बॉन्ड यील्ड का असर बाजार विशेषज्ञों के अनुसार इस गिरावट की जड़ में अमेरिका में बढ़ती महंगाई और पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की नीतियां रही हैं। ट्रंप की ईरान युद्ध और टैरिफ नीतियों ने अमेरिकी अर्थव्यवस्था में महंगाई को तेजी से बढ़ावा दिया, जिसके जवाब में अमेरिकी सरकार को अपने बॉन्ड पर ब्याज दरें 5 फीसदी से ऊपर बढ़ानी पड़ीं। वैश्विक स्तर पर, बड़े बैंक और निवेश कंपनियां, जो आमतौर पर सुरक्षित निवेश के लिए सोने-चांदी पर भरोसा करती थीं, अब ब्याज-मुक्त कीमती धातुओं से हटकर 5 फीसदी से अधिक ब्याज वाले डॉलर-आधारित अमेरिकी बॉन्ड में निवेश कर रही हैं। यह बड़े पैमाने पर पूंजी का पलायन है, जिसने सोने-चांदी की मांग को सीधे प्रभावित किया है। औद्योगिक मांग में कमी और फेडरल रिजर्व की भूमिका चांदी की गिरावट में औद्योगिक मांग की कमी ने भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। जहां जनवरी में सोलर पैनल उद्योग और चीन से भारी खरीद ने चांदी के भाव बढ़ाए थे, वहीं नई तकनीकों के आगमन से सोलर पैनल में चांदी की मांग घट गई। ईरान युद्ध के कारण वैश्विक औद्योगिक सुस्ती ने भी औद्योगिक चांदी की मांग पर नकारात्मक असर डाला।



मेष- आज का दिन आपके लिए नई उम्मीदों और खुशियों के कई छोटे-बड़े अवसर लेकर आ सकता है। नौकरी की तलाश कर रहे लोगों को मनचाही खबर मिलने की संभावना है। लंबे समय से जिस अवसर का इंतजार था, वह अब आपके करीब आ सकता है। जो लोग सिंगल हैं, उनकी मुलाकात किसी ऐसे खास व्यक्ति से हो सकती है, जिसकी बातचीत और व्यक्तित्व में उन्हें दिलचस्पी महसूस होगी।

वृषभ- आज मन में थोड़ी बेचैनी या असमंजस बना रह सकता है, लेकिन आपकी मेहनत और समझदारी आर्थिक स्थिति को संभालने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। पैसों से जुड़े मामलों में गोपनीयता बनाए रखना जरूरी होगा। अपनी निजी आर्थिक योजनाएं और निवेश से संबंधित जानकारी हर किसी के साथ साझा न करें।

मिथुन- आज आपको महसूस हो सकता है कि लंबे समय से की जा रही मेहनत अब रंग लाने लगी है। कार्यक्षेत्र में सफलता मिलने के अच्छे संकेत हैं और आपके प्रयासों को उचित पहचान मिल सकती है। किसी पुराने मित्र से मुलाकात होने की संभावना है। यह मुलाकात न केवल खुशी देगी, बल्कि पुरानी यादों के कारण आपको भावुक भी कर सकती है।

कर्क- आज कुछ मामलों में परिस्थितियां थोड़ी उलझी हुई नजर आ सकती हैं, इसलिए किसी भी निर्णय में जल्दबाजी करने के बजाय धैर्य और समझदारी से काम लें। परिवार में किसी विषय को लेकर मतभेद होने की आशंका है। ऐसी स्थिति में अपनी बात मनवाने की जिद करने के बजाय प्यार और आपसी समझ से समाधान निकालने की कोशिश करें।

सिंह- आज आर्थिक मामलों में भाग्य आपका साथ देता नजर आएगा। लंबे समय से अटके हुए काम पूरे होने की संभावना है, जिससे आपका आत्मविश्वास बढ़ेगा और मन को राहत मिलेगी। कारोबार से जुड़े लोग अपने पार्टनर के साथ भविष्य की नई योजनाओं पर बातचीत कर सकते हैं।

कन्या- आज आपका कोई बड़ा सपना पूरा होने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम आगे बढ़ा सकता है। लंबे समय से जिस लक्ष्य को हासिल करने की इच्छा थी, उसके लिए परिस्थितियां अनुकूल बनने के संकेत हैं। किसी जरूरतमंद व्यक्ति की सहायता करने का अवसर मिलेगा। आपकी मदद से किसी को राहत मिलेगी और आपको भी भीतर से गहरी संतुष्टि महसूस होगी।

तुला- आज आपको अपनी समझदारी, सूझबूझ और सतर्कता का पूरा इस्तेमाल करना होगा। कुछ विरोधी आपके काम में बाधा डालने या परिस्थितियों को आपके खिलाफ करने की कोशिश कर सकते हैं, लेकिन आप अपनी बुद्धिमत्ता से उनकी कोशिशों को नाकाम करने में सफल रहेंगे। किसी बड़ी इच्छा के पूरी होने से मन में खुशी और संतोष का भाव रहेगा।

वृश्चिक- आज परिवार और सेहत, दोनों को पर्याप्त महत्व देना आपके लिए जरूरी होगा। जीवनसाथी के साथ किसी छोटी-सी बात पर नोकझोंक हो सकती है, लेकिन बातचीत में प्रेम और धैर्य बनाए रखेंगे तो मामला आसानी से सुलझ जाएगा। कारोबारियों के लिए दिन विशेष रूप से उत्साहजनक रह सकता है। आपकी मेहनत और कार्यकुशलता के दम पर कोई बड़ा ऑर्डर मिलने या नए व्यावसायिक अवसर सामने आने की संभावना है।

धनु- आज आपका व्यक्तित्व और प्रभाव दूसरों पर साफ दिखाई दे सकता है। समाज में मान-सम्मान बढ़ने के संकेत हैं और लोग आपकी बातों तथा कार्यशैली को महत्व दे सकते हैं। घर में किसी शुभ या मांगलिक आयोजन की तैयारियां शुरू होने से परिवार में खुशी और उत्साह का माहौल बनेगा।

मकर- आज आपकी मेहनत का अच्छा परिणाम मिलने और लंबे समय से अधूरी इच्छाओं के पूरे होने की संभावना है। कार्यक्षेत्र में आपकी कार्यशैली, अनुशासन और जिम्मेदारी निभाने का तरीका बॉस को प्रभावित कर सकता है। आपके काम की सराहना होने से आत्मविश्वास बढ़ेगा। सामाजिक सेवा या किसी अच्छे कार्य में योगदान देने का अवसर भी मिल सकता है, जिससे आपकी प्रतिष्ठा और सम्मान में वृद्धि होगी। अतीत में की गई कोई गलती आज आपके लिए महत्वपूर्ण सीख साबित हो सकती है।

कुंभ- आज आपके सामने नए अवसर आने की संभावना है और किसी नए काम की शुरुआत करने का विचार भविष्य में लाभदायक साबित हो सकता है। यदि आप किसी योजना पर काफी समय से विचार कर रहे हैं, तो उसे व्यवस्थित रूप देने की दिशा में कदम बढ़ा सकते हैं। रिश्तेदारों के साथ किसी छोटी-सी बात पर बहस या मतभेद होने की आशंका है, लेकिन परिवार के बड़े आपकी परिस्थितियों को समझकर आपका साथ दे सकते हैं।

मीन- आज मन में किसी बात को लेकर दुविधा बनी रह सकती है, जिसके कारण महत्वपूर्ण निर्णय लेना थोड़ा मुश्किल महसूस होगा। ऐसी स्थिति में खुद पर दबाव डालने के बजाय सभी पहलुओं को शांत मन से समझने की कोशिश करें। कारोबार की कोई महत्वपूर्ण डील अंतिम समय में अटक सकती है। इससे निराश होने के बजाय धैर्य रखें और जरूरी कमियों को दूर करने का प्रयास करें। कार्यक्षेत्र में कुछ लोगों का व्यवहार मानसिक तनाव बढ़ा सकता है, लेकिन तुरंत प्रतिक्रिया देने से बचना बेहतर रहेगा। नौकरी की तलाश कर रहे लोगों के सामने नए अवसर आ सकते हैं, जिससे उम्मीद की नई किरण दिखाई देगी।

शब्दजाल - 8456

शब्द जाल में 10 अभिनेताओं के नाम ढूंढिए. दिए गए नाम ऊपर से नीचे एवं तिरछे भी हैं.

शा	स	दी	जॉ	न	अ	ब्रा	ह	म	ल्ली	क
ग	ह	ह	ग	ला	अ	जै	जी	ग	झ	क
स	क	रु	न	ह	झ	की	ना	ण	घ	को
ल	इ	ल	ख	हैं	प	श्रॉ	ला	र	ला	न
म	श्क	ल	प	ख	रा	फ	जी	ण	ज	म
न	दा	ल	श	सं	न	ही	रं	व	ला	स
वि	वे	क	ओ	बे	रॉ	य	दे	या	ज	श्री
अ	मि	ता	भ	ला	जु	य	उ	य	प	दे
ऋ	र	ल	प	व	ज	ना	ल	ओ	के	ओ
क	ति	ल	प	अ	या	दि	व्य	ब	स	ल
ज	जं	क	प	ख	सं	ज	य	द	त	म

शाहरुख खान, सलमान, ऋतिक, विवेक ओबेरॉय, सन्नी देओल, जॉन अब्राहम, अजय देवगन, अमिताभ, संजय दत्त, जैकीश्रॉफ

शब्दजाल - 8455 का हल

[illegible]

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

21 नवम्बर 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

शनिवार 2026 वर्ष का 325 वां दिन। दिशाशूल पूर्व ऋतु हेमन्त। विक्रम संवत् 2083 शक संवत् 1948 मास कार्तिक पक्ष शुक्ल। तिथि एकादशी 06.32 बजे तदनन्तर द्वादशी 04.57 बजे प्रातः को समाप्त। नक्षत्र उत्तराभाद्रपद 06.51 बजे तदनन्तर रेवती 05.55 बजे प्रातः को समाप्त। योग सिद्धि (अहोरात्र) 02.31 बजे रात को समाप्त। करण विष्टि 06.32 बजे, बव 17.50 बजे तदनन्तर बालव 04.57 बजे प्रातः को समाप्त। चन्द्रायु 11.7 घण्टे रवि क्रान्ति दक्षिण 19° 52'। सूर्य दक्षिणायन कलि अहर्गण 1872900। जूलियन दिन 2461365.5। कलियुग संवत् 5128। कल्पारंभ संवत् 1972949128। सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128। वीरनिर्वाण संवत् 2552। हिजरी सन् 1448। महीना जमादि उस्सानी तारीख 10। विशेष पुत्रदा एकादशी, तुलसी विवाह, चोरसम द्वादशी।

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ समय	
सूर्य	वृश्चिक में	वृश्चिक	05.57 बजे से
चंद्र	मीन में	धनु	08.17 बजे से
मंगल	सिंह में	मकर	10.22 बजे से
बुध	वृश्चिक में	कुंभ	12.09 बजे से
गुरु	मिथुन में	मीन	13.41 बजे से
शुक्र	कन्या में	मेष	15.12 बजे से
शनि	मीन में	वृष	16.52 बजे से
राहु	कुंभ में	मिथुन	18.50 बजे से
केतु	सिंह में	कर्क	21.04 बजे से
		सिंह	23.20 बजे से
राहुकाल 9.00 से 10.30 बजे तक		कन्या	01.32 बजे से
		तुला	03.42 बजे से

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
काल	05.56 से 07.23 बजे तक	लाभ	05.37 से 07.10 बजे तक
शुभ	07.23 से 08.51 बजे तक	उद्वेग	07.10 से 08.42 बजे तक
रोग	08.51 से 10.19 बजे तक	शुभ	08.42 से 10.14 बजे तक
उद्वेग	10.19 से 11.46 बजे तक	अमृत	10.14 से 11.47 बजे तक
चर	11.46 से 01.14 बजे तक	चर	11.47 से 01.19 बजे तक
लाभ	01.14 से 02.42 बजे तक	रोग	01.19 से 02.51 बजे तक
अमृत	02.42 से 04.10 बजे तक	काल	02.51 से 04.23 बजे तक
काल	04.10 से 05.37 बजे तक	लाभ	04.23 से 05.56 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभ व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, मध्यम चर, अशुभ उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगतः अनोखा दंड

बहुत पुरानी बात है। दक्षिण भारत में वीरसेन नामक एक राजा राज्य करते थे। वीरसेन थे तो बहुत प्रतापी पर उन्हें अपनी प्रशंसा सुनना काफी अच्छा लगता था। चापलूस दरबारी उनकी तथा राज्य के शासन-व्यवस्था की हमेशा प्रशंसा करते रहते थे, जिससे राजा को राज्य की वास्तविक स्थिति का पता नहीं चल पाता था। राज्य में पंडित विष्णुदेव नामक एक निर्धन ब्राह्मण थे, जो भिक्षा मांगकर किसी तरह अपने परिवार का पेट पालते थे। एक बार अकाल पड़ा और भिक्षा भी बंद हो गई। बच्चों के पेट में अन्न गए तीन दिन बीत गए। पंडितजी जब तीसरे दिन भी खाली हाथ लौटे तो पत्नी रोते हुए बोली, 'अब मुझसे बच्चों की हालत देखी नहीं जाती। कोई भी मां अपने बच्चों को इस तरह मरते हुए नहीं देख सकती। तुम्हें कुछ-न-कुछ करना ही होगा।' पंडितजी ने झल्लाकर कहा, 'क्या करूं? चोरी करूं?' पत्नी ने कहा 'हां, चोरी करो क्योंकि इसके सिवा और कोई चारा नहीं बचा है।' पंडितजी ने अनेक तर्कों द्वारा पत्नी को मनाने का प्रयास किया पर वह पत्नी की जिद के आगे नतमस्तक हो गए। रात को वह राजमहल के भंडार गृह में पहुंचे। उन्होंने अपनी पगड़ी उतारी और उसमें अनाज रखकर गट्ठर बांधा और तेजी से बाहर आ गए। लेकिन घर लौटकर पंडित जी को नींद नहीं आई। रात भर करवटें बदलते रहे और सुबह होते ही सीधे राजदरबार जा पहुंचे। अपना अपराध सुनाने के बाद उन्होंने राजा से अनुरोध किया कि वह उन्हें चोरी की सजा दें। सारी कथा सुनकर राजा उदास हो गए। थोड़ी देर सोचने के बाद उन्होंने कहा, 'सजा तो मैं अवश्य दूंगा पर आपको नहीं बल्कि स्वयं को। आज से मैं घूम-घूमकर प्रजा के सुख-दुःख की जानकारी लूंगा जिससे फिर किसी को चोरी करने की आवश्यकता ही न पड़े। चूंकि आपने अपनी ईमानदारी प्रमाणित कर दी है इसलिए आपको दंड मुक्त किया जाता है।' इस प्रकार एक ईमानदार व्यक्ति के कारण पूरे राज्य की प्रजा सुखी हो गई।

फिल्म वर्ग पहेली- 7390

बायें से दायें:-

१. इमरान हाशमी, दीपल शॉ की 'क्योंकि इतना प्यार' गीत वाली फिल्म-४
३. 'सौ दर्द हैं सौ राहतें' गीत वाली प्रीती, सलमान, अक्षय की फिल्म-२,६,१,३
६. अमित साध, माधुरी दीक्षित की 'हम प्यार करते करते' गीत वाली फिल्म-२,१
७. 'आज गुरुओं में' गीत वाली अमिताभ, मनोज की फिल्म-२
८. मोहित अहलावत, निशा की 'चौथी चौथी की जिंदगी' गीतवाली फिल्म-३
९. 'ये मुलाकात एक बहाना है' गीत वाली जीतेंद्र, सुलक्षणा की फिल्म-४
१०. अनिलकपूर, श्रीदेवी की 'आसमान छू ले मेरी' गीत वाली फिल्म-३
११. 'एक बा बचपन' गीत वाली अशोक कुमार, संजीव, सुमिता की फिल्म-४
१३. शमी, मीनाक्षी शेषाद्रि की 'नवाब है चाँद तारे' गीत वाली फिल्म-३
१५. 'सारे मोहल्ले में हल्ला' गीत वाली सुनील शेट्टी, पूजा बत्रा की फिल्म-२
१६. नसीर, जैकी, शिल्पा, की 'लड़का लड़की से' गीत वाली फिल्म-२
१७. 'मैं ऐसा क्यों हूँ' गीत वाली अमिताभ, ऋतिक की फिल्म-२
१८. जीतेंद्र, लीना की 'दुनिया ने मुझको समझा ज्ञान' गीत वाली फिल्म-२
२०. 'मिलती है प्यार की छाँव' गीत वाली अनिलकपूर, पूनम की फिल्म-३
२३. संजयदत्त, उर्मिला की 'ये जान ले ले रे' गीत वाली फिल्म-२
२४. 'प्यार मुझसे जो किया' गीत वाली फारूख शेख, दीप्ति की फिल्म-२,२
२५. अमिताभ, हेमा मालिनी की 'दुल्हा दुल्हन की जोड़ी' गीत वाली फिल्म-३
२६. 'चोरी चोरी जब नज़रें मिलीं' गीत वाली बॉबी देओल, नेहा की फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

१. 'मिला, कहे धड़कने तुझसे' गीत वाली अमिताभ, शाहरुख, जॉन, अभिषेक, काजोल की फिल्म-२,६,१,३
२. अजय, अभिषेक, रानी, करीना, 'कभी नीम नीम कभी शहद शहद' गीत वाली फिल्म-२
३. 'एक लड़की बस गई' गीत वाली सनी देओल, तब्बू, रीमा सेन की फिल्म-२
४. राहुल खन्ना, जॉन, मिथुन, लारा, अमीषा की 'बेचैन मेरा दिल' गीत वाली फिल्म-३
५. 'कश पे कश लगाने दे' गीत वाली राजकुमार, मंदा की फिल्म-२,२
६. ऋषि कपूर, शाहरुख, दिव्या की 'ऐसी दीवानगी देखी नहीं' गीत वाली फिल्म-३
८. 'तुम्हारे प्यार में' गीत वाली धर्मेन्द्र, संजीव कुमार, आशा की फिल्म-३
९. नाना, सलमान, मनीषा, सीमा की 'आज मैं ऊपर आसमाँ नीचे' गीत वाली फिल्म-३
११. 'मेरी बन्नो की आएगी' गीत वाली जैकी, जूही, अमृतसिंह की फिल्म-३
१२. अक्षय खन्ना, सोनाली बेंद्रे की 'सावन बरसे तरसे दिल' गीत वाली फिल्म-३
१४. फिल्म 'दूध का कर्ज' में जैकी श्रॉफ के साथ नायिका कौन थी?-३
१९. जैकी श्रॉफ मोहसिन खान, नीलम की 'दे दो दे दो मुझे दिल' गीत वाली फिल्म-४
२१. 'रहने को घर नहीं है' गीत वाली संजय दत्त, पूजा भट्ट की फिल्म-३
२२. गिरीश कर्नाड, स्मिता पाटिल की 'म्हारो गीत करिया पड़े' गीत वाली श्याम बेनेगल निर्देशित फिल्म-३

फिल्म वर्ग पहेली- 7389

[illegible]

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

सूडोकु नवताल- 7699

★★★ मध्यम

9		6		3		4		8
	2				9		7	
4			1	6				2
		8			2		3	
1		4				2		5
	3		5			8		
7				9	5			3
	8		6				4	
6		2		7		5		1

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
■ पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7698 का हल

3	6	5	1	8	2	7	4	9
7	9	2	3	5	4	1	8	6
4	1	8	6	7	9	5	3	2
6	5	9	2	4	8	3	7	1
8	4	7	9	3	1	6	2	5
1	2	3	5	6	7	4	9	8
2	7	6	4	9	5	8	1	3
5	8	1	7	2	3	9	6	4
9	3	4	8	1	6	2	5	7

Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्द पहेली - 8914

बाएँ से दाएँ

1. कलाकार, अदाकार-4
4. फूलों की छोटी माला, वेणी-3
6. पैर, पांव-2
7. अधिकार-2
9. खानाबदोश, बंजारा-4
11. राशन, खाद्य सामग्री-3
12. टेसू के फूल-3
13. कपोत, खसखार-2
14. विजय-2
15. डोली उठाने वाले-3
17. जल प्रपात-3
18. गठबंधन-4
21. पानी, जल-2
23. नौका-2
24. देह, काया, शरीर-3
25. अगुवा, राह दिखाने वाला-4

ऊपर से नीचे

1. उपवास का खाना-4
2. झुका हुआ-2
3. व्यवहार-3
4. समयपोष-3
5. मार्ग, पथ-2
8. गागर, घड़ा, घट-3
9. स्मारक-4
10. हत्या, कत्ल-2
12. पत्तों के गिरने का मौसम-4
15. कथा, गाथा-3
16. अहम-2
18. नामचीन-4
19. रवाना होना-3
20. विदूषक, मसखरा-3
22. ईश्वर, भगवान-2
23. वतन, स्विच-2

शब्द पहेली - 8913 का हल

[illegible]

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

सुश्री हिना कावरे को फिर मिली राष्ट्रीय जिम्मेदारी पंजाब में संभालेंगी कांग्रेस संगठन की कमान

एआईसीसी की राष्ट्रीय सचिव नियुक्त, कांग्रेसजनों ने जताई खुशी, दी बधाई

पद्मेश न्यूज। लांजी। बालाघाट की माटी से निकलकर देश और प्रदेश की राजनीति में अपनी अलग पहचान बनाने वाली वरिष्ठ कांग्रेस नेत्री सुश्री हिना लिखीराम कावरे ने एक बार फिर राष्ट्रीय राजनीति में जिले का मान बढ़ाया है। कांग्रेस के राष्ट्रीय नेतृत्व ने उन पर भरोसा जताते हुए अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के राष्ट्रीय सचिव की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी पुनः सौंपी है। इस बार उन्हें पंजाब राज्य का संगठनात्मक दायित्व दिया गया है। उनकी इस नियुक्ति को न केवल उनके राजनीतिक अनुभव और संगठन के प्रति समर्पण का सम्मान माना जा रहा है, बल्कि इसे बालाघाट जिले के लिए भी गौरवपूर्ण उपलब्धि के रूप में देखा जा रहा है। कांग्रेस के राष्ट्रीय नेतृत्व द्वारा घोषित नई नियुक्तियों में हिना कावरे को पुनः राष्ट्रीय सचिव बनाए जाने की खबर से जिले के कांग्रेसजनों में उत्साह का माहौल है। जिला कांग्रेस कमेटी बालाघाट सहित पार्टी के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने उन्हें इस महत्वपूर्ण जिम्मेदारी के लिए हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। हिना कावरे का राजनीतिक सफर संघर्ष, अनुभव और निरंतर सक्रियता से भरा रहा है। उन्होंने युवा कांग्रेस के माध्यम से अपने राजनीतिक जीवन की शुरुआत की और संगठन में विभिन्न जिम्मेदारियों का निर्वहन करते हुए अपनी पहचान स्थापित की। वे बालाघाट युवा कांग्रेस की महासचिव भी रह चुकी हैं। वर्ष 2013 में उन्होंने पहली बार लांजी विधानसभा क्षेत्र से चुनाव जीतकर विधानसभा में प्रवेश किया। इसके बाद वर्ष 2018 में लगातार दूसरी बार विधायक निर्वाचित होकर उन्होंने क्षेत्र में अपनी राजनीतिक पकड़ और जनाधार को साबित किया। उनके राजनीतिक जीवन की सबसे महत्वपूर्ण उपलब्धियों में मध्यप्रदेश विधानसभा के उपाध्यक्ष पद पर उनका निर्वाचन भी शामिल है। 10 जनवरी 2019 को वे मध्यप्रदेश विधानसभा की उपाध्यक्ष निर्वाचित हुईं और 24 मार्च 2020 तक इस महत्वपूर्ण संवैधानिक पद का दायित्व संभाला।



इस उपलब्धि के साथ उन्होंने प्रदेश की राजनीति में अपनी विशिष्ट पहचान बनाई और बालाघाट जिले को भी गौरवान्वित किया। राजनीति विज्ञान में स्नातकोत्तर शिक्षा प्राप्त हिना कावरे के पास विधायी कार्यों, राजनीतिक गतिविधियों और संगठनात्मक जिम्मेदारियों का व्यापक अनुभव है। विधायक से लेकर विधानसभा उपाध्यक्ष और अब राष्ट्रीय स्तर पर संगठन की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी तक का उनका सफर उनकी राजनीतिक सक्रियता और नेतृत्व क्षमता को दर्शाता है। राष्ट्रीय सचिव के रूप में पंजाब की जिम्मेदारी मिलने के बाद अब उनके सामने पार्टी संगठन को मजबूत करने, कार्यकर्ताओं के बीच समन्वय स्थापित करने और कांग्रेस की राजनीतिक गतिविधियों को गति देने की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी होगी। राष्ट्रीय नेतृत्व द्वारा उन्हें दोबारा यह दायित्व सौंपना उनके प्रति पार्टी के विश्वास और संगठन में उनकी उपयोगिता को भी रेखांकित करता है।

सीडब्ल्यूएसएन छात्रावास का कलेक्टर आदित्य सिंह ने किया आकस्मिक निरीक्षण

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। समग्र शिक्षा अभियान अंतर्गत संचालित सीडब्ल्यूएसएन (विशेष आवश्यकता वाले बच्चों) छात्रावास बालाघाट का कलेक्टर एवं मिशन संचालक आदित्य सिंह ने 20 नवंबर को आकस्मिक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने छात्रावास में निवासरत दिव्यांग बच्चों से आत्मीयता के साथ मुलाकात की और उनकी समस्याओं एवं आवश्यकताओं के संबंध में जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर श्री सिंह ने बच्चों को मिठाई एवं चॉकलेट वितरित कर उनका उत्साहवर्धन किया। उन्होंने बच्चों से बातचीत कर उनकी दैनिक दिनचर्या, छात्रावास में उपलब्ध सुविधाओं तथा मनोरंजन के लिए आवश्यक सामग्री के संबंध में जानकारी प्राप्त की। बच्चों ने भी अपनी जरूरतों और समस्याओं से उन्हें अवगत कराया। कलेक्टर ने बच्चों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए छात्रावास में जरूरी मरम्मत कार्य कराने के लिए सहमति प्रदान की। इस अवसर पर तुलसी विवाह के उपलक्ष्य में छात्रावास परिसर में बच्चों के साथ तुलसी पूजन का आयोजन किया गया। बच्चों ने उत्साहपूर्वक पूजा-अर्चना में भाग लिया। इसके बाद फटाके एवं आतिशबाजी कर त्योहार की खुशियां साझा की गईं। निरीक्षण के दौरान छात्रावास का समस्त स्टाफ एवं एपीसी श्री शिरीष धानथरे उपस्थित रहे।



विधायक राजकुमार करीहे के प्रयासों से मुख्यमंत्री विशिष्ट निधि से 3.49 करोड़ रुपए के तीन बड़े कार्यों को मिली मंजूरी

पद्मेश न्यूज। लांजी। लांजी के विकास को नई रफ्तार देने की दिशा में विधायक राजकुमार करीहे के प्रयासों से तीन महत्वपूर्ण कार्यों को मंजूरी मिली है। मुख्यमंत्री विशिष्ट निधि से कुल 3 करोड़ 49 लाख रुपए की स्वीकृति ने क्षेत्र को खेल सुविधाओं, नगरीय सौंदर्यीकरण और नागरिक सुविधाओं की बड़ी सौगात दी है। नगरी अवंतिबाई स्टेडियम परिसर में 2 करोड़ 94 लाख रुपए से इंडोर स्टेडियम, बस स्टैंड के सुभाष चौक के सौंदर्यीकरण पर 28 लाख तथा तहसील कार्यालय में नागरिक सुविधाओं के विस्तार पर 27 लाख रुपए खर्च होंगे। इनमें सबसे महत्वपूर्ण सौगात इंडोर स्टेडियम है। खास बात यह है कि विधायक राजकुमार करीहे स्वयं बैडमिंटन के खिलाड़ी रहे हैं और संभाग स्तरीय प्रतियोगिताओं में अपनी प्रतिभा दिखा चुके हैं। खेल मैदान से निकला उनका यह अनुभव अब लांजी के युवाओं के लिए सुविधाओं का आधार बनने जा रहा है। स्टेडियम में बैडमिंटन के तीन कोर्ट बनाए जाएंगे, जिससे स्थानीय खिलाड़ियों को अभ्यास, प्रशिक्षण और प्रतियोगिताओं के लिए बेहतर मंच मिलेगा। यह पहल केवल भवन निर्माण नहीं, बल्कि ग्रामीण अंचल की खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने का अवसर है। विधायक के अब तक के कार्यकाल में किरनापुर में 25 लाख के सामुदायिक भवन, 18.25 लाख के शासकीय स्कूल भवन और 3 लाख के सभा मंच जैसे कार्यों का भूमिपूजन भी सार्वजनिक रिकॉर्ड में दर्ज है। अब लांजी की इन तीन नई स्वीकृतियों से विकास की कड़ी को और मजबूती मिली है। वहीं सुभाष चौक के सौंदर्यीकरण से नगर के प्रमुख स्थल को नया स्वरूप मिलेगा, जबकि तहसील कार्यालय में बैठने और प्रतीक्षा जैसी सुविधाओं के विस्तार से रोजाना पहुंचने वाले नागरिकों को राहत मिलेगी। विधायक करीहे का कहना है कि क्षेत्र में प्रतिभाओं की कमी नहीं है, जरूरत उन्हें अवसर और संसाधन देने की है। उनका प्रयास है कि विकास का लाभ केवल नगर तक सीमित न रहे, बल्कि युवाओं, खिलाड़ियों और आम नागरिकों तक पहुंचे।



न्यायोत्सव विधिक सेवा सप्ताह का समापन, जागरूकता का संदेश लेकर निकली बाइक रैली

न्यायाधीश प्रीतम शाह ने हरी झंडी दिखाकर किया रवाना, स्कूलों में शिविर लगाकर विद्यार्थियों को बताए कानूनी अधिकार

पद्मेश न्यूज। लांजी। समाज के अंतिम व्यक्ति तक न्याय और निःशुल्क विधिक सहायता की पहुंच सुनिश्चित करने तथा आम नागरिकों को उनके कानूनी अधिकारों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से आयोजित न्यायोत्सव विधिक सेवा सप्ताह का शुक्रवार को समापन हुआ। इस अवसर पर तहसील विधिक सेवा समिति लांजी की ओर से न्यायालय परिसर से विधिक जागरूकता बाइक रैली निकाली गई। न्यायाधीश प्रीतम शाह ने हरी झंडी दिखाकर रैली को रवाना किया। रैली के माध्यम से आमजन को कानूनी अधिकारों, निःशुल्क विधिक सहायता और विभिन्न विधिक सेवा योजनाओं की जानकारी देने का संदेश दिया गया। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली एवं मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार 14 से 20 नवंबर तक व्यवहार न्यायालय लांजी में न्यायोत्सव विधिक सेवा सप्ताह का आयोजन किया गया। यह आयोजन प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण बालाघाट के अध्यक्ष प्राणेश कुमार प्राण एवं जिला न्यायाधीश-सचिव हेमंत सविता के मार्गदर्शन तथा न्यायाधीश एवं तहसील विधिक सेवा समिति के अध्यक्ष प्रीतम शाह के नेतृत्व में संपन्न हुआ। सप्ताहभर चले इस अभियान के तहत तहसील विधिक सेवा समिति में कार्यरत पैरालीगल वालंटियर्स (पीएलवी) ने विभिन्न विद्यालयों में विधिक साक्षरता एवं जागरूकता शिविर आयोजित किए। इनमें छात्र-छात्राओं और नागरिकों को बाल अधिकार, पॉक्सो एक्ट, घरेलू हिंसा अधिनियम, साइबर अपराध तथा मोटर वाहन अधिनियम से जुड़े महत्वपूर्ण कानूनी प्रावधानों की जानकारी दी गई। साथ ही राष्ट्रीय एवं राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण की योजनाओं, नेशनल लोक अदालत, मध्यस्थता योजना और निःशुल्क विधिक सलाह एवं सहायता के बारे में भी बताया गया।



न्याय पाना हर नागरिक का अधिकार

समापन अवसर पर न्यायाधीश प्रीतम शाह ने कहा कि न्याय सभी के लिए सुलभ और सरल होना चाहिए। विधिक सेवा प्राधिकरण इसी उद्देश्य को लेकर निरंतर कार्य कर रहा है, ताकि आर्थिक या सामाजिक परिस्थितियों के कारण कोई भी व्यक्ति न्याय से वंचित न रहे। उन्होंने विधिक अधिकारों के प्रति जागरूकता को आवश्यक बताते हुए लोगों से उपलब्ध विधिक सेवाओं का लाभ लेने की अपील की। बाइक रैली के शुभारंभ अवसर पर अधिवक्ता संघ अध्यक्ष सीएच मचिया, उपाध्यक्ष जेपी खानोरकर, सचिव अरुण कुमार टाण्डेकर, समस्त पैनल अधिवक्ता एवं अधिवक्तागण, पैरालीगल वालंटियर्स तथा न्यायालयीन कर्मचारी उपस्थित रहे। सप्ताहभर आयोजित गतिविधियों के समापन के साथ ही विधिक जागरूकता का संदेश आमजन तक पहुंचाने का संकल्प दोहराया गया।

तूफान अकवान का लांजी क्षेत्र में असर, दिनभर छाए रहे बादल, दोपहर बाद शुरू हुई हल्की बारिश

मौसम के बदले मिजाज से किसानों की बढ़ी चिंता, खेतों और खलिहानों में रखी धान की फसल पर मंडराया नुकसान का खतरा

पद्मेश न्यूज। लांजी। चक्रवाती तूफान अकवान का असर अब लांजी क्षेत्र में भी देखने को मिल रहा है। शुक्रवार को सुबह से ही आसमान में बादलों का डेरा रहा और दिनभर धूप नहीं निकलने से मौसम का मिजाज बदला रहा। दोपहर बाद क्षेत्र के कई हिस्सों में हल्की बारिश शुरू हो गई। अचानक बदले मौसम ने जहां ठंडक बढ़ा दी है, वहीं खेतों में पककर तैयार खड़ी और कटाई के बाद खलिहानों में रखी धान की फसल को लेकर किसानों की चिंता बढ़ा दी है।

धान की फसल पर बारिश का खतरा

लांजी क्षेत्र की अर्थव्यवस्था मुख्य रूप से कृषि पर आधारित है। यहां खरीफ सीजन में बड़ी संख्या में किसान धान की खेती करते हैं। वर्तमान समय में कई किसानों के खेतों में धान की कटाई और गहाई का काम चल रहा है, जबकि कुछ किसानों की फसल कटकर खेतों और खलिहानों में रखी हुई है। ऐसे में यदि बारिश का सिलसिला आगे बढ़ता है तो कटी हुई धान भीगने से उसकी गुणवत्ता प्रभावित हो सकती है। नमी बढ़ने से धान में फफूंद लगने, दाने का रंग बदलने और भंडारण में परेशानी आने की आशंका है। वहीं जिन किसानों की धान की फसल अभी खेतों में खड़ी है, उनके लिए भी लगातार बारिश परेशानी का कारण बन सकती है। खेतों में पानी भरने से कटाई का काम प्रभावित होगा और फसल गिरने की स्थिति में नुकसान की आशंका बढ़ सकती है।

रबी की तैयारी पर भी पड़ सकता है असर

खरीफ फसल के बाद किसान रबी सीजन की तैयारी में जुटते हैं। धान की कटाई और गहाई पूरी होने के बाद खेतों में गेहूं, चना, मसूर और सरसों की बोवनी की तैयारी की जाती है। ऐसे में यदि बारिश का दौर लंबा चलता है तो खेतों में नमी बढ़ने और पानी जमा होने से आगामी कृषि कार्यों में देरी हो सकती है। हालांकि हल्की बारिश से खाली खेतों में नमी बढ़ने का लाभ भी मिल सकता है, लेकिन इसका वास्तविक असर बारिश की मात्रा और अवधि पर निर्भर करेगा।



आसमान पर बादलों का डेरा, किसानों की नजर मौसम पर

शुक्रवार को दिनभर बादल छाए रहने और दोपहर बाद बूंदाबांदी होने से तापमान में भी बदलाव महसूस किया गया। मौसम के इस बदले रुख को देखते हुए किसान अब आसमान की ओर टकटकी लगाए हुए हैं। किसानों को आशंका है कि यदि तूफान का असर बढ़ा और बारिश लगातार जारी रही तो महीनों की मेहनत से तैयार धान की फसल को नुकसान उठाना पड़ सकता है। फिलहाल क्षेत्र में हल्की बारिश की स्थिति है, लेकिन किसानों के लिए अगले एक-दो दिन का मौसम महत्वपूर्ण रहेगा। कृषि जानकारों के अनुसार किसानों को कटी हुई धान को सुरक्षित और ढंकाकर रखना चाहिए तथा खेतों में जलभराव की स्थिति न बनने दें।

ऐतिहासिक किले में एनसीसी कैडेट्स ने चलाया स्वच्छता अभियान

पद्मेश न्यूज। लांजी। ऐतिहासिक धरोहरों का संरक्षण और सार्वजनिक स्थलों की स्वच्छता केवल प्रशासन की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि समाज के प्रत्येक नागरिक का भी दायित्व है। इसी संदेश को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से साकेत पब्लिक स्कूल लांजी की एनसीसी इकाई ने 19 नवंबर को नगर के पुरातात्विक एवं ऐतिहासिक किले में स्वच्छता अभियान चलाया। अभियान में 33 एनसीसी कैडेट्स ने उत्साहपूर्वक भागीदारी करते हुए किला परिसर की साफ-सफाई की। इस दौरान कैडेट्स ने किले के विभिन्न हिस्सों में फैले कचरे को एकत्रित किया। साथ ही अनावश्यक वनस्पतियों और खरपतवार को हटाकर परिसर को स्वच्छ बनाने में श्रमदान किया। कैडेट्स ने अपने कार्य के माध्यम से स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण और ऐतिहासिक धरोहरों के प्रति जिम्मेदारी का संदेश दिया। स्वच्छता अभियान का आयोजन एनसीसी अधिकारी संदीप कुमार रामटेकर के नेतृत्व में तथा विद्यालय के प्राचार्य महेंद्र कुमार दुरगकर के मार्गदर्शन में किया गया। यह गतिविधि 6 एमपी बटालियन एनसीसी बालाघाट के कमान अधिकारी लेफ्टिनेंट कर्नल चीएस जोधा के नेतृत्व एवं निर्देशन में संपन्न हुई। अभियान के माध्यम से कैडेट्स ने यह संदेश दिया कि स्वच्छता केवल औपचारिक अभियान तक सीमित नहीं रहनी चाहिए, बल्कि इसे दैनिक जीवन की आदत बनाना जरूरी है। ऐतिहासिक धरोहरों को स्वच्छ और सुरक्षित रखना भी हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है। इस पहल ने विद्यार्थियों में अनुशासन, सामूहिक सहभागिता, श्रमदान और सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना को मजबूत करने के साथ स्वच्छ, हरित एवं स्वस्थ पर्यावरण के निर्माण के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को भी प्रदर्शित किया।



विठ्ठल रूखमाई मंदिर में आज देवउठनी एकादशी पर विविध कार्यक्रम

पद्मेश न्यूज। लांजी। नगर के सुन्दरटोला में भगवान विठ्ठल-रूखमाई मंदिर में देवउठनी एकादशी के अवसर पर आज 21 नवम्बर को प्रातःसे ही विविध कार्यक्रम आयोजित किये गये है। ज्ञात हो कि त्रिलोकराव रामटेकर जो कि वर्तमान में मुम्बई में रहते है के द्वारा अपने पैतृक निवास में वर्ष 2012 में भव्य मंदिर का निर्माण कर पढ़रपुर से भगवान विठ्ठल-रूखमाई की प्रतिमाओं को लाकर स्थापित किया गया था। तभी से प्रतिवर्ष उनके द्वारा देवशयनी एकादशी एवं देवउठनी एकादशी पर्व में लांजी पहुंचकर विविध कार्यक्रम आयोजित किये जाते है। इसी कड़ी में आज 21 नवम्बर को देवउठनी एकादशी के चलते प्रातः भगवान का अभिषेक कर विधि विधान से पूजन-अर्चन किया जावेगा, दोपहर 2 बजे से भजन मंडली द्वारा भजनों की प्रस्तुति दी जावेगी एवं संध्या में महाप्रसादी का वितरण किया जावेगा। त्रिलोकराव रामटेकर व परिवार द्वारा सभी धर्मप्रेमियों से कार्यक्रम में उपस्थित होने की अपील की है।



लांजी में "पद्मेश"
इंटरनेट (ब्राडबेंड) कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

एमपी पुलिस के नये मुखिया के लिये तीन नामों का पैनल फायनल

- डीजीपी की रेस में वरुण कपूर, उपेंद्र जैन, प्रज्ञा ऋचा श्रीवास्तव शामिल - जल्द ही सीएम करेंगे नये पुलिस महानिदेशक का फैसला

भोपाल। मध्य प्रदेश के नए पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) के चयन को लेकर संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) की पैनल कमेटी ने तीन आईपीएस अधिकारियों के नाम तय किए हैं। इनमें वरुण कपूर, उपेंद्र जैन और प्रज्ञा ऋचा श्रीवास्तव शामिल हैं। सूत्रों के अनुसार अब जल्द ही सीएम डॉ. मोहन यादव इन तीनों में से किसी एक को प्रदेश की कानून व्यवस्था की कमान सौंपेंगे। नए डीजीपी एक दिसंबर को पदभार संभालेंगे। वर्तमान डीजीपी कैलाश मकवाना 30 नवंबर को सेवानिवृत्त हो रहे हैं। जानकारी के अनुसार नए डीजीपी के चयन के लिए 20 नवंबर शुक्रवार को दिल्ली में यूपीएससी की पैनल कमेटी की बैठक हुई। इसमें राज्य सरकार की ओर से भेजे गए दर्जन भर आईपीएस अधिकारियों के नामों पर विचार किया गया। वरिष्ठता और तय मानकों के आधार पर तीन अधिकारियों का पैनल तैयार किया गया।

राज्य सरकार ने वरुण कपूर, उपेंद्र जैन, प्रज्ञा ऋचा श्रीवास्तव, पंकज श्रीवास्तव, आदर्श कटियार, जी अखेता सेमा, अनिल कुमार, रवि गुप्ता, अनंत कुमार सिंह, मनमीत नारंग, राजाबाबू सिंह और डीपी गुप्ता के नाम यूपीएससी को भेजे थे। हालांकि, आईपीएस अधिकारी जी अखेता सेमा ने चयन प्रक्रिया से नाम वापस लेने के लिए सरकार को पत्र लिखा था। इसके बाद बाकी 11 अधिकारियों के नामों पर विचार किया गया।



- अब मुख्यमंत्री चुनेंगे नया पुलिस मुखिया

तीन नामों का पैनल तय होने के बाद अब मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अंतिम फैसला लेंगे। अनुमान है कि तीन अफसरों के नामों में से किसी एक को नया डीजीपी बनाने का फैसला मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव अपने 23 नवंबर को विदेश प्रवास के पहले कर देंगे। वे अगले एक-दो दिन में इनमें से किसी एक अधिकारी के नाम पर मुहर लगा सकते हैं। चयनित अधिकारी एक दिसंबर से प्रदेश के पुलिस महानिदेशक की जिम्मेदारी संभालेंगे।

- दो साल होगा नये पुलिस मुखिया का कार्यकाल

सुप्रीम कोर्ट के दिशा निर्देशों के अनुसार राज्य में जो भी नया डीजीपी बनेगा उसकी कम से कम दो साल का कार्यकाल देना होगा। दो साल का कार्यकाल इसलिए तय किया गया है ताकि प्रशासनिक स्थिरता को निरंतर बनाए रखा जा सके।

भारत में चीतों की संख्या बढ़कर 62 हुई, 43 का जन्म देश की धरती पर - मुख्यमंत्री

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि भारत में चीतों की बहुती संख्या और देश की धरती पर नई पीढ़ी का जन्म वन्यजीव संरक्षण के प्रयासों की नई ऊर्जा दे रहा है। यह प्रोजेक्ट चीता की सफलता और मध्यप्रदेश में चीतों के संरक्षण के लिए किए जा रहे निरंतर प्रयासों का प्रमाण है। देश में चीतों की संख्या बढ़कर 62 हो गई है, जिनमें से 43 का जन्म भारत में हुआ है।

मुख्यमंत्री ने बताया कि मध्यप्रदेश के कूनो राष्ट्रीय उद्यान में 56, गांधी सागर वन्यजीव अभयारण्य में 4 और नीरादेही वन्यजीव अभयारण्य में 2 चीते हैं। 20 नवंबर को कूनो में मादा चीता चाबखा2 ने चार शावकों को जन्म दिया। यह प्राकृतिक प्रजनन के क्षेत्र में महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

भारत में चीतों की पुनर्स्थापना के लिए 17 सितंबर 2022 को प्रोजेक्ट चीता शुरू किया गया था। शुरुआत में नामीबिया से 8 चीते लाकर कूनो में छोड़े गए। इसके बाद फरवरी 2023 में दक्षिण अफ्रीका से 12 और फरवरी 2026 में बोत्सवाना से 9 चीते भारत लाए गए।

डॉ. यादव ने कहा कि अब प्रोजेक्ट चीता केवल चीतों को भारत लाने तक सीमित नहीं है, बल्कि उनकी नई पीढ़ी के विकास और दीर्घकालिक संरक्षण की दिशा में आगे बढ़ रहा है। वन विभाग के अधिकारी-कर्मचारी, वन्यजीव विशेषज्ञ और पशु चिकित्सक चीतों के स्वास्थ्य, सुरक्षा, निगरानी और अनुकूल आवास प्रबंधन के लिए लगातार कार्य कर रहे हैं। मध्यप्रदेश में कूनो के साथ गांधी सागर और नीरादेही में भी चीतों के संरक्षण के प्रयास जारी हैं।

12 दिसंबर को भोपाल में होगी इंडी गठबंधन की रैली

भोपाल। मतदाता सूची के शुद्धीकरण के लिए चलाए विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया में अनियमितताओं के विरोध में कांग्रेस और इंडी गठबंधन अब तक दिल्ली में विरोध प्रदर्शन कर रहा था। अब यह अलग-अलग राज्यों की राजधानी में होंगी। इसकी शुरुआत मध्य प्रदेश के भोपाल से होगी। 12 दिसंबर को रैली प्रस्तावित की गई है। इसमें कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा, समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव सहित अन्य दलों के वरिष्ठ नेता इसमें शामिल होंगे।

दिल्ली में एसआईआर को लेकर चलाए जा रहे आंदोलन को देश के अलग-अलग हिस्सों में ले जाने को लेकर चर्चा हुई। इसमें तय किया गया कि आगामी 12 दिसंबर को भोपाल में इंडी गठबंधन की



बड़ी रैली की जाएगी। वोट रक्षक मार्च भी निकाला जाए। ऐसे कार्यक्रम अन्य राज्यों की राजधानी में भी होंगे। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी ने इसकी पुष्टि करते हुए कहा कि रैली में गठबंधन में शामिल सभी दलों के नेता शामिल होंगे। एक लाख से अधिक लोग इसमें जुटेंगे। प्रदेश संगठन ने इसकी तैयारी शुरू कर दी है और एक-दो दिन में इसे लेकर वरिष्ठ नेताओं के बैठक कर जिम्मेदारियां तय की जाएंगी।

दिसंबर में भोपाल आएगी एआइसीसी की टीम

सूत्रों का कहना है कि कार्यक्रम की तैयारियों के लिए अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) की टीम दिसंबर के पहले सप्ताह में भोपाल आ जाएगी। इनके मार्गदर्शन में ही प्रदेश इकाई द्वारा तैयारी की जाएगी।

राहुल, प्रियंका और अखिलेश यादव होंगे शामिल, एक लाख से अधिक लोगों को जुटाने की तैयारी

अब कांग्रेस में युवा चेहरों के हाथ में संगठन की कमान

भोपाल। मध्यप्रदेश कांग्रेस में अब नेतृत्व की राजनीति का केंद्र धीरे-धीरे बदल रहा है। लंबे समय तक प्रदेश की सियासत में प्रभाव रखने वाले कमलनाथ और दिग्विजय सिंह की भूमिका के बीच अब नई पीढ़ी को आगे लाने की कवायद तेज हो गई है। पार्टी के सामने 2028 का विधानसभा चुनाव सबसे बड़ी राजनीतिक चुनौती है और इसकी तैयारी में युवा नेतृत्व को प्रमुख जिम्मेदारी देने के संकेत मिलने लगे हैं। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी और विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार के नेतृत्व को लेकर दिग्विजय सिंह के सार्वजनिक बयान ने भी इस बदलाव की दिशा स्पष्ट की है।

कमलनाथ की सक्रियता पहले की तुलना में सीमित नजर आ रही है, जबकि दिग्विजय सिंह ने विधानसभा चुनाव पटवारी और सिंघार के नेतृत्व में लड़ने की बात कही है। इसी बीच कमलनाथ के बेटे और पूर्व सांसद नकुलनाथ ने भोपाल में दीपावली मिलन कार्यक्रम आयोजित कर प्रदेश की राजनीति में अपनी सक्रियता के संकेत दिए हैं। ऐसे में कांग्रेस के भीतर अब नेतृत्व की दूसरी पंक्ति ही नहीं, बल्कि तीसरी पीढ़ी के नेताओं की भूमिका भी चर्चा में है।

विरासत के साथ संगठन की जिम्मेदारी भी

कांग्रेस में नई पीढ़ी का मतलब केवल युवा उम्र के नेता नहीं हैं। इसमें वे चेहरे भी शामिल हैं, जिन्हें राजनीतिक विरासत मिली है और जो अब संगठन तथा चुनावी रणनीति में अपनी भूमिका स्थापित कर रहे हैं। दिग्विजय सिंह के बेटे जयवर्धन सिंह, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष कांतिलाल भूरिया के बेटे डॉ. विक्रांत भूरिया, पूर्व उप मुख्यमंत्री सुभाष यादव के बेटे अरुण यादव और सचिन यादव जैसे नेताओं के सामने अपने राजनीतिक आधार को आगे बढ़ाने की जिम्मेदारी है। इसके अलावा कमलेश्वर पटेल, तरुण भनोत, रजनीश सिंह, हेमंत कटारे और कुणाल चौधरी जैसे नेताओं को भी पार्टी की भावी रणनीति में महत्वपूर्ण माना जा रहा है। इनमें से कई नेता विधानसभा, संगठन और अलग-अलग राजनीतिक मोर्चों पर अपनी सक्रियता दिखा चुके हैं।

खड़ा करने की तैयारी

2023 के विधानसभा चुनाव में मिली हार के बाद कांग्रेस ने संगठन को नए सिरे से खड़ा करने की प्रक्रिया शुरू की थी। अब पार्टी विधानसभा क्षेत्र स्तर तक नई टीम तैयार करने का दावा कर रही है। इसका उद्देश्य केवल पदाधिकारियों की नियुक्ति करना नहीं, बल्कि स्थानीय स्तर पर राजनीतिक गतिविधियों, जनसंपर्क और चुनावी प्रबंधन को मजबूत करना है। कांग्रेस के लिए यह इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि 2028 के चुनाव में भाजपा के संगठनात्मक ढांचे का मुकाबला करने के लिए उसे बूथ से लेकर विधानसभा क्षेत्र तक सक्रिय कार्यकर्ताओं की जरूरत होगी। नई टीम के सामने स्थानीय मुद्दों को उठाने, कार्यकर्ताओं को सक्रिय रखने और जनता के बीच पार्टी की मौजूदगी बनाए रखने की चुनौती रहेगी।

दिल्ली से भी युवा नेताओं को मिल रहे दायित्व

प्रदेश कांग्रेस में पीढ़ी परिवर्तन के संकेत केवल राज्य स्तर तक सीमित नहीं हैं। केंद्रीय संगठन ने भी मध्यप्रदेश के युवा और अपेक्षाकृत नए चेहरों को अलग-अलग जिम्मेदारियां देकर आगे बढ़ाया है। ओबीसी और आदिवासी वर्ग से जुड़े संगठनात्मक दायित्वों में विक्रांत भूरिया, अरुण यादव, सचिन यादव, कमलेश्वर पटेल, ओमकार सिंह मरकाम, कुणाल चौधरी, भूपेंद्र मरावी और हिना कांवरे जैसे नेताओं की भागीदारी इसी प्रक्रिया का हिस्सा है।

विधानसभा क्षेत्र तक संगठन

लंबित निर्धारण प्रकरणों का होगा निपटारा

पेट्रोल-डीजल कारोबारियों को टैक्स मामलों में राहत, मप्र सरकार लाई विशेष योजना

भोपाल । मध्य प्रदेश में पेट्रोल, डीजल और सीएनजी का कारोबार करने वाले पेट्रोल पंप संचालकों को राज्य सरकार ने लंबित टैक्स मामलों के निपटारे का अवसर दिया है। वाणिज्यिक कर विभाग ने वित्तीय वर्ष 2024-25 के लंबित कर निर्धारण प्रकरणों के निराकरण के लिए विशेष योजना लागू की है। इसके तहत पात्र कारोबारियों को निर्धारित प्रक्रिया पूरी कर अपने पुराने टैक्स मामलों का निपटारा कराने का मौका मिलेगा। योजना का लाभ लेने के लिए 8 दिसंबर 2026 तक आवेदन करना होगा। सरकार की इस पहल से उन पंजीकृत पेट्रोलियम कारोबारियों को राहत मिल सकती है, जिनके टैक्स निर्धारण के मामले लंबे समय से लंबित हैं। हालांकि, योजना का लाभ सभी कारोबारियों को नहीं मिलेगा। इसके लिए कर भुगतान, खरीद और कारोबार से जुड़ी निर्धारित शर्तों को पूरा करना जरूरी होगा।

योजना के दायरे में ऐसे पंजीकृत कारोबारी आएंगे, जिन्होंने देय कर और उपकर का भुगतान करने के बाद अधिसूचित तेल कंपनियों या अन्य पंजीकृत कारोबारियों से मध्य प्रदेश के भीतर पेट्रोल, डीजल और सीएनजी की खरीद की है। संबंधित कारोबारियों के रिटेल आउटलेट यानी पेट्रोल पंप संचालित होना भी जरूरी है। वाणिज्यिक कर विभाग की इस योजना में मध्य प्रदेश वेट अधिनियम, केंद्रीय विक्रय कर अधिनियम, मध्य प्रदेश मोटर स्पिरिट उपकर अधिनियम और मध्य प्रदेश हाई स्पीड डीजल स्पिरिट उपकर अधिनियम के तहत वर्ष 2024-25 के लंबित कर निर्धारण मामलों को शामिल किया गया है।

सरकार ने योजना के लिए पात्रता की शर्तें भी तय की हैं। जिन कारोबारियों के वर्ष 2024-25 के मामलों में टैक्स चोरी सामने आई है, उन्हें इसका लाभ नहीं मिलेगा। इसी तरह जिन कारोबारियों को अतिरिक्त कर जमा करने का नोटिस जारी हुआ है और उन्होंने आवेदन से पहले संबंधित राशि जमा नहीं की है, वे भी अपात्र होंगे। टैक्स रिवीजन के दौरान धारा 19(6) के तहत जारी सूचना का पालन नहीं करने वाले और संबंधित अधिनियमों के तहत रिफंड का दावा करने वाले मामलों को भी योजना से बाहर रखा गया है।

तीन तरह के फॉर्म में करना होगा आवेदन

पात्र कारोबारियों को अधिसूचना जारी होने के 90 दिनों के भीतर आवेदन करना होगा। इसके लिए तीन तरह के फॉर्म निर्धारित किए गए हैं। प्रत्येक वित्तीय वर्ष और संबंधित अधिनियम के लिए अलग-अलग आवेदन जमा करना होगा। आवेदन उसी सक्षम कर निर्धारण अधिकारी के समक्ष प्रस्तुत करना होगा, जिसके पास संबंधित कारोबारी का वर्ष 2024-25 का कर निर्धारण प्रकरण लंबित है।

टर्नओवर दो करोड़ से ज्यादा तो ऑडिट रिपोर्ट जरूरी

आवेदन के साथ संबंधित वर्ष में जमा किए गए कर और ब्याज के भुगतान के प्रमाण के तौर पर चालान की प्रति लगानी होगी। जिन कारोबारियों का सालाना टर्नओवर दो करोड़ रुपये से अधिक है, उन्हें आवेदन के उद्देश्य से तैयार ऑडिट रिपोर्ट भी देनी होगी, यदि यह पहले जमा नहीं की गई है। इसके अलावा केंद्रीय विक्रय कर अधिनियम के तहत कर छूट और रियायती दर का लाभ लेने के लिए निर्धारित घोषणा पत्र और प्रमाण पत्रों की सूची भी आवेदन के साथ संलग्न करनी होगी।

30 दिन में आवेदन पर फैसला

विभाग ने आवेदन के निराकरण की समय-सीमा भी तय की है। यदि कर निर्धारण अधिकारी को आवेदन अधूरा मिलता है या गणना में कोई गलती दिखाई देती है तो कारोबारी को सुनवाई का अवसर दिया जाएगा। इसके लिए कारण बताओ नोटिस जारी कर सुनवाई की तारीख तय की जाएगी। कारोबारी को दस्तावेज प्रस्तुत करने और गलतियां सुधारने का मौका मिलेगा। कमियां दूर होने के बाद आवेदन स्वीकार कर संबंधित कर निर्धारण पूरा माना जाएगा। यदि कारोबारी सुनवाई में उपस्थित नहीं होता या निर्धारित कमियां दूर नहीं करता तो आवेदन निरस्त किया जा सकता है। आवेदन स्वीकार होने की सूचना 30 दिनों के भीतर दी जाएगी। निर्धारित अवधि में सूचना नहीं मिलने पर आवेदन स्वीकार किया गया माना जाएगा।

कारोबारियों के लिए समय-सीमा अहम

सरकार की इस योजना का उद्देश्य पेट्रोलियम कारोबारियों के पुराने कर निर्धारण मामलों का निपटारा करना है। पात्र कारोबारी भुगतान के प्रमाण, ऑडिट रिपोर्ट और अन्य जरूरी दस्तावेज तैयार कर समय-सीमा में आवेदन कर सकते हैं। हालांकि, टैक्स चोरी या बकाया अतिरिक्त कर से जुड़े मामलों को बाहर रखने की शर्त के चलते योजना का लाभ केवल निर्धारित पात्रता पूरी करने वाले कारोबारियों को ही मिलेगा।

सुबह 7 से 10 बजे तक खुलेगा ईको लॉजिकल पार्क

- रहवासियों के आंदोलन की धमकी के बाद वन विभाग के तेवर पड़े नरम

भोपाल। भोपाल के बाग मुगालिया स्थित ईको लॉजिकल पार्क को खोलने पर सहमति बन गई है। अब यह सुबह 7 से 10 बजे तक खोला जाएगा। हालांकि, शाम की सैर बंद रहेगी। पार्क में तेंदुए के मूवमेंट के बाद उसे बंद कर दिया था। इसे लेकर रहवासी 24 नवंबर को आंदोलन करने वाले थे। लहारपुर का हरियाखेड़ा करीब 450 हेक्टेयर है। इसमें से करीब 25 हेक्टेयर में लोग वॉक करने आते हैं। इसे सुरक्षित रखा है। लोगों को प्रतिबंधित क्षेत्र में नहीं जाने देते। प्रदर्शन से पहले शुक्रवार सुबह वन विभाग के अधिकारियों ने रहवासियों से बात की। रेंजर दीपक श्रीवास्तव, डिप्टी रेंजर कुलदीप शर्मा के साथ हुई बैठक में तय हुआ कि पार्क को सुबह 7 से 10 बजे तक सैर पर आने वालों के लिए खोल दिया जाएगा। सुरक्षा के लिहाज से प्रतिबंधित क्षेत्रों में घूमने पर मनाही रहेगी। लोग ग्रुप में घूमेंगे, न कि अकेले। इन बातों पर रहवासियों ने भी सहमति जताई। बाग मुगालिया एक्सटेंशन कॉलोनी समिति के अध्यक्ष उमाशंकर तिवारी, डॉ. बीएनएस परमार, आरके यादव, उदयभान सिंह, मधु शुक्ला, राजेश राजपूत, हुकुमचंद अमरके, चंद्रभान कावड़कर, सत्यनारायण मालवीय, ओपी पाल, राघवेंद्र श्रीत्रिय, मुख्तालाल कुशवाह, किशोर राजपूत आदि रहवासी मौजूद थे। पिछले कई दिन से घूमने पर लगी रोक का विरोध 24 नवंबर को रहवासी करने वाले थे। यह प्रदर्शन को 'इकोलॉजिकल पार्क चलो, पार्क खुलवाओ' नाम दिया गया था।

इसलिए बंद किया गया पार्क

ईको लॉजिकल पार्क के पीछे बायपास के पास 9 नवंबर को तेंदुए के शावक ने 16 वर्षीय कार्तिकेय पर हमला कर दिया था। इसके बाद उसे ढूंढ़ने में जुटे थे। इलाज के बाद उसे छूट देते दी गई थी। उसके बीते पंजे के 4 घाव हुए, जबकि हाथ पर भी चोट आई। वह बैरीकेडिंग पार कर जंगल के प्रतिबंधित क्षेत्र में पहुंच गया था। इसी दौरान तेंदुआ अचानक सामने आ गया। घबराकर किशोर वहीं रुक गया, तभी तेंदुए ने हमला कर उसे गिरा दिया और सीने पर पंजे मारे। खुद को बचाने के लिए किशोर ने तेंदुए को दूर किया, जिससे उसके हाथ पर भी पंजा लगा। इस मामले के बाद वन विभाग ने एहतियातन पार्क बंद कर दिया था।

विनोद / 20 नवम्बर 26

सरकारी अस्पतालों में दिव्यांगों की पार्किंग फ्री

भोपाल । मध्यप्रदेश में दिव्यांगजनों को मिलने वाली सुविधाओं और उनके अधिकारों का पालन सुनिश्चित करने के लिए आयुक्त दिव्यांगजन कार्यालय ने निर्देश जारी किए हैं। प्रदेश के सभी सरकारी अस्पतालों और मेडिकल कॉलेजों में दिव्यांगजनों से पार्किंग शुल्क नहीं लिया जाएगा। वहीं, यात्री बसों में 50 प्रतिशत किराए की छूट नहीं देने और दिव्यांगजनों से अभद्रता करने वाले बस संचालकों के खिलाफ परिवहन विभाग के माध्यम से कार्रवाई की जाएगी। आयुक्त दिव्यांगजन कार्यालय को मिली शिकायतों के बाद ईदीए, भोपाल, राजगढ़, खरगोन, भिंड और ग्वालियर के परिवहन अधिकारियों को दोषी बस संचालकों के खिलाफ सख्त कदम उठाने के निर्देश दिए गए हैं। इसी क्रम में क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी (आरटीओ) इंदौर ने भोपाल आरटीओ को पत्र लिखा है। इसमें खिलचीपुर से इंदौर मार्ग पर चलने वाली मां वैष्णो ट्रेवल्स की बस के संचालक पर नियमानुसार कार्रवाई करने को कहा गया है। शिकायत के मुताबिक, बस के परिचालक दिव्यांगजनों से पूरा किराया वसूल रहे थे। उनके साथ अभद्रता करने के साथ दिव्यांगता का उपहास भी किया जा रहा था।

अनुसूचित जाति सिंघिल सेवा प्रोत्साहन योजना की प्रक्रिया होगी ऑनलाइन

एमपीटीएएसएसी पोर्टल पर विकसित किया गया मॉड्यूल, आवेदन से लेकर सत्यापन और भुगतान तक की सुविधा मिलेगी

भोपाल(ईएमएस)। अनुसूचित जाति सिंघिल सेवा प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत अब आवेदन, सत्यापन, स्वीकृति और भुगतान की पूरी प्रक्रिया ऑनलाइन होगी। इसके लिए एमपीटीएएसएसी पोर्टल पर विशेष ऑनलाइन मॉड्यूल विकसित किया गया है। इससे योजना के आवेदकों को प्रक्रिया में पारदर्शिता और सुविधा मिलेगी।

नए मॉड्यूल के माध्यम से आवेदक एमपीटीएएसएसी पोर्टल पर अपनी प्रोफाइल को पंजीयन कर लॉगिन के जरिए योजना के लिए ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे। साथ ही अपने आवेदन की स्थिति की जानकारी भी पोर्टल पर प्राप्त कर सकेंगे।

प्राप्त आवेदनों के सत्यापन, स्वीकृति और भुगतान की कार्रवाई संबंधित जिला अधिकारियों द्वारा अपने लॉगिन के माध्यम से की जाएगी। इससे आवेदन प्रक्रिया को व्यवस्थित बनाने के साथ ही कार्यों के समयबद्ध निष्पादन में मदद मिलेगी।

योजना के ऑनलाइन संचालन के लिए यूजर मैन्युअल भी उपलब्ध कराया गया है। इसमें आवेदकों और जिला अधिकारियों के स्तर पर की जाने वाली सभी प्रक्रियाओं का विस्तृत विवरण दिया गया है। ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया शुरू करने और योजना का सुचारू क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए हैं।

अब कलेक्टर गाइडलाइन से तय होगा किराया

भोपाल। मध्य प्रदेश वक्फ बोर्ड अब प्रदेश भर में फैली वक्फ संपत्तियों की आय बढ़ाने और उनके बेहतर प्रबंधन की दिशा में बड़ा कदम उठाने जा रहा है। अब वक्फ संपत्तियों का किराया मनमाने तरीके से नहीं, बल्कि संबंधित क्षेत्र की कलेक्टर गाइडलाइन के आधार पर तय किया जाएगा। मध्य प्रदेश वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष सनवर पटेल ने इस संबंध में स्पष्ट संकेत देते हुए कहा कि नए वक्फ कानून के तहत संपत्तियों की आय को 100 करोड़ रुपये के पार ले जाने का लक्ष्य रखा गया है।

वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष सनवर पटेल के मुताबिक, वर्तमान में प्रदेश की कई बेशकीमती वक्फ संपत्तियों से बेहद मामूली किराया प्राप्त हो रहा है। कई प्रमुख स्थानों पर स्थित ऐसी संपत्तियां हैं, जिनका बाजार किराया कम से कम 10 हजार रुपये प्रतिमाह होना चाहिए, लेकिन वर्षों पुराने अनुबंधों और मनमानी के चलते बोर्ड को वहां से महज 100 रुपये ही किराया मिल रहा है। इस विसंगति को दूर करने के लिए अब सभी संपत्तियों का किराया कलेक्टर गाइडलाइन के अनुरूप निर्धारित किया जाएगा, जिससे बोर्ड की आर्थिक स्थिति मजबूत होगी और समाज कल्याण के कार्यों को गति मिल सकेगी।

14,962 वक्फ एस्टेट्स का होगा बेहतर प्रबंधन

मप्र में वक्फ संपत्तियों की आय बढ़ाने की तैयारी, 100 करोड़ के पार आय ले जाने का लक्ष्य

वक्फ बोर्ड ने प्रदेश में मौजूद संपत्तियों को सुरक्षित रखने और उन्हें अतिक्रमण मुक्त कराने के लिए भी सख्त कार्ययोजना तैयार की है। पूरे मध्य प्रदेश में कुल 14,962 वक्फ एस्टेट्स पंजीकृत हैं। बोर्ड द्वारा इन सभी संपत्तियों का डिजिटल रिकॉर्ड दुरुस्त कर इनका बेहतर प्रबंधन सुनिश्चित किया जाएगा। वक्फ की जमीनों और दुकानों पर अवैध कब्जा जमाए बैठे लोगों को हटाने के लिए अभियान तेज किया जाएगा। नए वक्फ कानून के प्रावधानों के तहत संपत्तियों से अधिकतम आय अर्जित करने को ठोस रणनीति पर काम शुरू कर दिया गया है।

पांच रुपए में मिला बिजली कनेक्शन

भोपाल। मध्यप्रदेश में किसानों को सिंचाई के लिए बिजली कनेक्शन लेने में अब शुरुआती तौर पर बड़ी रकम खर्च नहीं करनी पड़ेगी। किसान कल्याण वर्ष 2026 के तहत प्रदेश के 16 जिलों में किसानों को महज पांच रुपए के प्रारंभिक शुल्क पर स्थायी कृषि पंप बिजली कनेक्शन दिए जा रहे हैं। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी की इस योजना का अब तक 1 लाख 33 हजार 149 किसान लाभ उठा चुके हैं। खास बात यह है कि कनेक्शन की शेष राशि एकमुश्त जमा करने की बाध्यता नहीं है। किसान इसे अपने मासिक बिजली बिल के साथ किस्तों में चुका सकते हैं। योजना का लाभ भोपाल, नर्मदापुरम, ग्वालियर और चंबल संभाग के जिलों में दिया जा रहा है। इसमें भोपाल रीजन के आठ जिलों के 1 लाख 1 हजार 942 किसान और ग्वालियर रीजन के आठ जिलों के 31 हजार 207 किसान शामिल हैं। इस तरह योजना के तहत अब तक कुल 1.33 लाख से अधिक कृषि पंप कनेक्शन जारी किए जा चुके हैं।

इस योजना का लाभ उन किसानों को मिलेगा, जिनके खेत बिजली की उपलब्ध लाइन के नजदीक हैं। ऐसे किसान मात्र पांच रुपए का प्रारंभिक शुल्क जमा कर नए स्थायी कृषि पंप बिजली कनेक्शन प्राप्त कर सकते हैं। कनेक्शन के लिए निर्धारित शेष राशि का भुगतान मासिक बिजली बिल के साथ किस्तों में किया जा सकेगा। इस व्यवस्था से उन किसानों को राहत मिलने की उम्मीद है, जो खेतों में सिंचाई के लिए स्थायी बिजली कनेक्शन लेना चाहते हैं, लेकिन एकमुश्त राशि जमा करने में आर्थिक परेशानी महसूस करते हैं। खासकर छोटे और सीमांत किसानों के लिए शुरुआती आर्थिक बोझ कम करने की दृष्टि से यह योजना महत्वपूर्ण है।

प्रदेश के कांग्रेस नेताओं के साथ टकराव के चलते तीनों प्रभारी सचिव बदले गए

- अब इनके स्थान पर 4 सचिव नियुक्त किए

भोपाल। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी द्वारा गुरूवार को एक सूची जारी कर मध्यप्रदेश सहित सभी राज्यों में नियुक्त किए गए कांग्रेस के सचिव में बदलाव किया गया है। इसमें मध्यप्रदेश के कांग्रेस नेताओं के साथ टकराव के चलते प्रदेश के तीनों प्रभारी सचिव बदल दिए गए हैं।

कांग्रेस द्वारा संगठन सृजन अभियान शुरू करने के बाद संगठन को तैयार करने का काम शुरू किया गया था। इस काम को तेज गति और बेहतर तरीके से करने के लिए अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के तीन सचिव को मध्यप्रदेश का प्रभारी बनाया गया था। इन सचिव को अलग-अलग संभाग की जिम्मेदारी सौंपी गई थी। इनमें उषा नायडू, संजना जाटव और रणविजय को मध्यप्रदेश के अलग-अलग संभाग का प्रभारी सचिव का दायित्व दिया गया था। पिछले कुछ समय से इन सचिव का उनके संभाग के कांग्रेस के नेताओं के साथ मनमुटाव शुरू हो गया था। इसके साथ ही दिल्ली तक मध्यप्रदेश को लेकर गलत फीडबैक भी दिया जाने लगा था। पिछले दिनों जब दिल्ली में प्रदेश में कांग्रेस के कार्यों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई थी तो उसमें इस बात का खुलासा हुआ था। उस समय प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने इस स्थिति पर अपनी नाराजगी जताई थी। इसका परिणाम यह हुआ कि गुरूवार को जारी की गई सूची में कांग्रेस ने मध्य प्रदेश के तीनों प्रभारी सचिव बदल दिए हैं। अब कांग्रेस द्वारा इन तीन प्रभारी सचिव के स्थान पर चार प्रभारी सचिव बनाए गए हैं। इनमें नीतू वर्मा, पालभाई अंबालिया, डॉ. अजयकुमार पाससना और ओंकार यादव को मध्यप्रदेश का प्रभारी सचिव बनाया गया है।

इनको मिली जिम्मेदारी

कांग्रेस द्वारा जारी की गई सूची में मध्यप्रदेश के पांच नेताओं को अलग-अलग राज्य में प्रभारी सचिव की जिम्मेदारी दी गई है। इनमें कुणाल चौधरी को उत्तरप्रदेश, हिना कांवरे को पंजाब, भूपेंद मरावी को झारखंड, मनोज चौहान को असम और पोरलाल खरते को राजस्थान की जिम्मेदारी दी गई है।

पाकिस्तान ने दूसरे टेस्ट में श्रीलंका को आठ विकेट से हराया

रावलपिंडी। पाकिस्तान ने यहां हुए दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में श्रीलंका को 8 विकेट से हराकर दो मैच की सीरीज 1-0 से जीत ली है। इसी के साथ ही पाक को दो साल के बाद कोई टेस्ट सीरीज जीतने का अवसर मिला है। इससे कप्तान बाबर आजम और प्रशंसकों को जश्न का अवसर भी मिल गया है।

पिछले दो साल से पाकिस्तान टीम के लिए टेस्ट मैच जीतना एक बड़ी चुनौती बना हुआ था, और आखिरकार उसने अपने घरेलू मैदान पर इस जीत के सूखे को खत्म कर ही दिया। इस मैच में पाक टीम को जीत के लिए केवल 90 रनों का लक्ष्य मिला था, जिसे उसने चौथे दिन के पहले ही सत्र में दो विकेट के अनुसान पर हासिल कर लिया।

इस मैच के चौथे दिन श्रीलंका ने अपनी दूसरी पारी की शुरुआत नौ विकेट के नुकसान पर 309 रनों के साथ की थी। मोहम्मद अब्बास ने दिन की शुरुआत में ही आशिता फर्नांडो को आउट कर श्रीलंकाई पारी को 316 रनों पर समेट दिया। इसके बाद पाकिस्तान को जीत के लिए 90 रनों का मामूली लक्ष्य मिला, जिसके लिए उसके पास दो पूरे दिन बाकी थे, लेकिन टीम ने बिना कोई देरी किए इसे चौथे दिन ही हासिल कर लिया।

मेजबान टीम ने लक्ष्य का पीछा करते हुए अपने दो विकेट खोये। सलामी बल्लेबाज तैयब आरिफ 30 और मोहम्मद ताहा 7 रन बनाकर आउट हुए।

इसके बाद अजान अवैस 32 रन और आमिर जमाल 34 रन ने अच्छी बल्लेबाजी करते हुए कोई और विकेट गिरने नहीं दिया और अपनी टीम को लक्ष्य तक पहुंचा दिया।

इस जीत में अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद अब्बास की अहम भूमिका रही। अब्बास ने दोनो पारियों में श्रीलंकाई बल्लेबाजों पर दबाव बनाये रखा। पहली पारी में, जब श्रीलंका केवल 98 रनों पर सिमट ई थी, अब्बास ने 14 ओवरों में सिर्फ 14 रन देकर तीन विकेट लिए थे। उनके अलावा राजाउल्हह और आमिर जमाल ने भी तीन-तीन विकेट लेकर श्रीलंकाई टीम को कोई अवसर नहीं दिया। वहीं इसे बाद पाकिस्तान ने 325 रन बनाए।

दूसरी पारी में भी मोहम्मद अब्बास ने 34 ओवरों में सिर्फ 55 रन देकर फिर से तीन विकेट हासिल किए, जिससे श्रीलंका बड़ा स्कोर खड़ा करने में विफल रही।



महिला बिग बैश में लॉरा हैरिस की पारी से सिडनी थंडर जीती

सिडनी। लॉरा हैरिस की आक्रामक अर्धशतकीय पारी से सिडनी थंडर ने महिला बिग बैश लीग (डब्लबीबीएल) में ब्रिसबेन हीट को एक रोमांचक मुकाबले में हरा दिया। इस मैच में लक्ष्य का पीछा करते हुए सिडनी थंडर ने सबसे बड़े लक्ष्य को हासिल करने का नया कीर्तिमान स्थापित। वहीं ब्रिसबेल हीट की ओर से खेलते हुए लॉरा हैरिस की बहन ग्रेस का तूफानी शतक बेकार गया। ग्रेस ने मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए ब्रिसबेन हीट ने ग्रेस की आक्रामक पारी से 3 विकेट के नुकसान पर 225 रन बनाये। ग्रेस ने केवल 54 गेंदों पर ही 121 रन बनाये। जिसमें 14 चौके और 7 छक्के शामिल थे। यह ग्रेस का लीग में चौथा शतक था और उनकी इस पारी से टीम 200 रनों से अधिक बनाने में सफल रही।

इसके बाद बल्लेबाजी करते हुए सिडनी थंडर ने इस असंभव से लक्ष्य को हासिल कर लिया। टीम ने 20वें ओवर की दूसरी गेंद पर 4 विकेट खोकर 226 रन बनाकर इतिहास रच दिया, जो महिला बिग बैश के इतिहास का लक्ष्य का पीछा करते हुए सबसे बड़ा स्कोर है। इसमें लॉरा हैरिस की मुख्य भूमिका रही। लॉरा ने इस मैच में केवल 15 गेंदों पर ही सबसे तेज अर्धशतक लगाया। इससे पहले का रिकार्ड मेलबर्न स्टार्स की टेस फ्लिंटॉफ के नाम 16 गेंद पर अर्धशतक का है लॉरा ने अपनी 20 गेंदों की अविश्वसनीय पारी में 7 चौके और 5 छक्के जड़ते हुए नाबाद 63 रन बनाए। उनकी यह विस्फोटक बल्लेबाजी ऐसे समय में आई जब सिडनी थंडर को जीत के लिए प्रति ओवर 15 से अधिक रनों की आवश्यकता थी, और उन्होंने यह मुश्किल लक्ष्य चार गेंद शेष रहते ही हासिल करवा दिया। उनकी इस निर्णायक पारी के लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच भी चुना गया।

हेनरी निकल्स अपनी नाबाद पारी से दिग्गजों की सूची में शामिल हुए

वेलिंगटन। न्यूजीलैंड के बल्लेबाज हेनरी निकोलस ने भारत के खिलाफ पहले टेस्ट मैच में नाबाद 175 रनों की पारी खेलकर एक बड़ी उपलब्धि अपने नाम की है। इस पारी के साथ ही निकोलस महान बल्लेबाजों विव रिचर्ड्स, जो रूट और स्टीव स्मिथ की सूची में आ गये हैं। ये वो बल्लेबाज हैं जिन्होंने भारत के खिलाफ कठिन हालातों में खेलते हुए नाबाद पारियां खेली हैं। निकोलस ने तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए ग्लेन फिलिप्स के साथ छठे विकेट के लिए 216 रनों की साझेदारी की थी। निकोलस ने 335 गेंदों पर 21 चौकों की मदद से नाबाद 175 रन बनाए। इससे कीवी टीम 368 रनों तक पहुंच पायी। अपनी 175 रनों की पारी के साथ ही वह भारत के खिलाफ सबसे बड़ा व्यक्तिगत नाबाद स्कोर बनाने वाले खिलाड़ियों में शामिल हो गया। इस प्रतिष्ठित सूची में इंग्लैंड के जो हार्डस्टाक के नाम 205 रन हैं जो उन्होंने साल 1946 में लॉर्ड्स में बनाये थे।

बुमराह सेना देशों में सबसे अधिक विकेट लेने वाले एशियाई गेंदबाज बने

वेलिंगटन। भारतीय क्रिकेट टीम के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह मेजबान न्यूजीलैंड के खिलाफ वेलिंगटन में खेले जा रहे पहले टेस्ट मैच में चार विकेट लेकर एक बड़ी उपलब्धि अपने नाम की है। बुमराह अब सेना देशों (दक्षिण अफ्रीका, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया) में तीन या उससे अधिक विकेट लेने के मामले में सभी एशियाई गेंदबाजों से आगे निकल गये हैं। भले ही बुमराह एक विकेट की कमी से पांच विकेट नहीं ले पाये पर सेना देशों में सबसे अधिक विकेट लेने वाले एशियाई गेंदबाज जरूर बन गये। बुमराह ने अब तक सेना देशों में खेली गई कुल 65 टेस्ट पारियों में 31 बार तीन या उससे अधिक विकेट लेने का कारनामा किया है। यह आंकड़ा उन्हें इस विशेष श्रेणी में किसी भी अन्य एशियाई गेंदबाज से काफी आगे रखता है।



इस खास उपलब्धि के साथ ही बुमराह ने कई दिग्गज एशियाई गेंदबाजों को भी पीछे छोड़ दिया है। इस सूची में दूसरे स्थान पर पाकिस्तान के महान तेज गेंदबाज वसीम अकरम हैं, जिन्होंने अपनी 55 पारियों में 27 बार तीन या उससे अधिक विकेट लिए थे। वहीं भारतीय टीम के पूर्व लेग स्पिनर अनिल कुंबले 67 पारियों में 23 बार तीन विकेट लेकर तीसरे पायदान पर हैं। वहीं, श्रीलंका के मुथैया मुरलीधरन ने सिर्फ 34 पारियों में 23 बार यह कारनामा किया है।

बुमराह ने न्यूजीलैंड के खिलाफ पहली पारी में 92 रन देकर 4 विकेट लिए। 3.20 के इकॉनमी रेट के साथ, वह भारत के लिए इस पारी के सबसे सफल गेंदबाज रहे।

वहीं अगर बुमराह इस पारी में एक और विकेट लेने में सफल रहते तो वह एक असाधारण रिकॉर्ड अपने नाम कर सकते थे। इससे वह दक्षिण अफ्रीका, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया (सेना) जैसे देशों में टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा बार 5 विकेट हॉल लेने वाले पहले एशियाई तेज गेंदबाज बन जाते। उन्होंने पहले ही दक्षिण अफ्रीका, इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया में यह कारनामा किया हुआ था पर न्यूजीलैंड में वह पांच विकेट लेने से रह गये।

राहुल सभी सेना देशों में अर्धशतक लगाने वाले पहले भारतीय सलामी बल्लेबाज बने

वेलिंगटन । भारतीय टीम के अनुभवी बल्लेबाज केएल राहुल ने न्यूजीलैंड के खिलाफ यहां जारी पहले क्रिकेट टेस्ट मैच के दूसरे दिन अर्धशतकीय पारी खेलकर एक बड़ी उपलब्धि अपने नाम की है। इस पारी के साथ ही राहुल ने न सिर्फ भारतीय पारी की संभाला बल्कि टेस्ट क्रिकेट में एक नया रिकार्ड भी अपने नाम किया।

राहुल अब भारतीय टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में पहले ऐसे सलामी बल्लेबाज बन गए हैं, जिन्होंने सभी चार प्रमुख सेना देशों (दक्षिण अफ्रीका, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया) में कम से कम एक टेस्ट अर्धशतक लगाया है। यह एक ऐसा रिकार्ड जो महान बल्लेबाज सुनील गावस्कर और वीरेंद्र सहवाग के नाम भी नहीं है। राहुल ने इस विशिष्ट क्लब में अपनी जगह बनाकर भारतीय टेस्ट इतिहास में एक नया अध्याय जोड़ दिया है। उन्होंने अपनी नाबाद पारी में 116 गेंदों का सामना करते हुए 5 चौके लगाए हैं।



यह उपलब्धि टेस्ट क्रिकेट में भले ही पहली हो, लेकिन एकदिवसीय प्रारूप में सचिन तेंदुलकर, सौरव गांगुली, वीरेंद्र सहवाग, रोहित शर्मा और शिखर धवन जैसे पांच भारतीय सलामी बल्लेबाजों ने सेना देशों में कम से कम एक अर्धशतक लगाय है। वहीं, टी20 अंतरराष्ट्रीय में यह कारनामा अभिषेक शर्मा ने किया है।

राहुल ने बेहद शांत और संयमित अंदाज में खेल दिखाते हुए अपना अर्धशतक पूरा किया। दिन के अंत तक वह 52 रन बनाकर नाबाद रहे। राहुल का यह 71वां टेस्ट मैच है, पर न्यूजीलैंड की धरती पर वह अपना पहला टेस्ट खेल रहे हैं।

रोहित-कोहली को साल 2027 एकदिवसीय विश्व कप के लिए टीम में बनाये रखें- मदन लाल

नई दिल्ली। पूर्व भारतीय क्रिकेटर मदन लाल का मानना है अनुभवी बल्लेबाजों रोहित शर्मा और विराट कोहली की जरूरत भारतीय टीम को साल 2027 में होने वाले एकदिवसीय विश्वकप में पड़ेगी। इसलिए इन दोनो को विश्वकप के लिए टीम में बनाये रखना चाहिये। साल 1983 विश्वकप विजेता टीम के सदस्य रहे मदनलाल के अनुसार जितना अनुभव इन दोनो को है उतना अभी किसी अन्य खिलाड़ी के पास नहीं है। विश्व स्तर के मैचो में दबाव के क्षणों में ऐसे खिलाड़ियों का होनो जरूरी रहता है।इस पूर्व क्रिकेटर ने कहा, मेरा मानना ??है कि रोहित और विराट को अगले विश्व कप के लिए बने रहना चाहिए। टीम के लिए उनका प्रदर्शन बहुत अहम होगा। बड़े टूर्नामेंटों में टीम को उनके उसे अनुभवी और बेहतरीन खिलाड़ियों से काफी उम्मीदें होती हैं। मुझे भरोसा है कि वे दोनों भी संन्यास से पहले एक दिवसीय विश्व कप जीतना चाहेंगे। पिछली बार खिताब के करीब पहुंचकर भी वे इसे हासिल नहीं कर पाये थे। इसी वजह से मुझे लगता है कि उन्हें विश्व कप अभियान का हिस्सा होना चाहिए।पूर्व ऑलराउंडर ने इस बात पर प्रकाश डाला कि बड़े अंतरराष्ट्रीय मंच पर, इन जैसे अनुभवी खिलाड़ी दबाव को संभालने और महत्वपूर्ण क्षणों में टीम को जीत दिलाने की क्षमता रखते हैं। मदन लाल का यह बयान ऐसे समय में आया है जब 2027 में दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया में होने वाले विश्व कप की तैयारियों के बीच ही इन दोनो दिग्गजों की टीम में जगह को लेकर साफ तौर पर कुछ भी नहीं कहा गया है। हाल ही में न्यूजीलैंड के खिलाफ खेली गई पांच मैचों की एकदिवसीय सीरीज में इन दोनों का प्रदर्शन उम्मीद के अनुसार नहीं रहा है जिससे भी इनको बरकरार रखे जाने पर संशय जताया जा रहा है। इसका कारण है कि न्यूजीलैंड के हालात दक्षिण अफ्रीका के जैसे ही हैं। रोहित न्यूजीलैंड दौरे में एकदिवसीय सीरीज की चार पारियों में केवल 30 रन बनाए, जिसमें उनका औसत 7.50 का रहा। उनके स्कोर 0, 23, 0 और 7 रहे, जिसमें वह दो बार शून्य पर आउट हुए। यह एक ओपनर के तौर पर किसी द्विपक्षीय वनडे सीरीज में उनका सबसे कम बल्लेबाजी औसत दर्ज किया गया। वहीं विराट ने चार पारियों में कुल 86 रन बनाए, जिनका औसत 21.50 रहा। अक्टूबर में दौरे की शुरुआत उन्होंने 51 गेंदों पर शानदार 74 रन बनाये पर इसके बाद वह बचे हुए मैचों में विफल रहे और 7, 0 और 5 रन ही बना पाये। आगामी 2027 विश्व कप में भारत के लिए एकदिवसीय खिताब के सूखे को खत्म करने टीम प्रबंधन की कोशिश होगी कि युवा खिलाड़ियों और अनुभवी दिग्गजों के बीच एक मजबूत संतुलन बनाकर एक ऐसा संयोजन तैयार किया जाए, जो विश्व पटल पर सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर सके।

हेड की कमी पूरी करने किसी अच्छे बल्लेबाज को शामिल करेंगे - कोच विटोरी

मुम्बई । सनराइजर्स हैदराबाद के मुख्य कोच डेनियल विटोरी ने कहा है आक्रामक सलामी बल्लेबाज ट्रैविस हेड के नहीं होने के कारण फैंचाइजी अगले माह होने वाली नीलामी में किसी अच्छे खलेबाज को शामिल करने का प्रयास करेगी। कोच के अनुसार टीम ऐसे बल्लेबाजों की तलाश करेगी जो टीम की मौजूदा रणनीति के अनुकूल हों और विशेषकर हैदराबाद की परिस्थितियों में बेहतर प्रदर्शन कर सकें। उन्होंने साथ ही कहा कि हर टीम अपने दल की कमियों को दूर करने की कोशिश करती है और सनराइजर्स भी दूसरी टीमों से रिलीज हुए खिलाड़ियों पर नजर रखेगी, खासकर उन पर जो घरेलू मैदान पर अच्छा प्रदर्शन कर सकते हैं, जहां बल्लेबाजी करना शानदार होता है। विटोरी ने यह भी स्पष्ट किया कि मिनी नीलामी में पूरी टीम में बड़े बदलाव करने की जगह पर अपने मौजूदा मजबूत कोर को बरकरार रखते हुए कुछ आवश्यक खिलाड़ियों को जोड़ना चाहेगी। उनका मानना है कि टीम के पास पहले से ही एक मजबूत दल और अच्छी अंतिम ग्यारह है, और ऐसे में नीलामी में उन्हें एक या दो ऐसे खिलाड़ी चाहिए जो टीम को और अधिक मजबूत बनाने में योगदान दे सकें। उनका मानना है कि यह रणनीति टीम को स्थिरता प्रदान करेगी और अचानक बड़े फेरबदल के जोखिम से बचाएगी।वहीं कोच ने हेड को रिलीज करने के फैंचाइजी के फैसले का कारण बताते हुए कहा कि इस बारे में क्रिकेटर ने ही अनुरोध किया था। विटोरी ने बताया कि हैड ने ऑस्ट्रेलिया के व्यस्त अंतरराष्ट्रीय शेड्यूल को देखते हुए अपने को लीग के लिए अनुपलब्ध रखने का निर्णय लिया था, इसी कारण उन्हें रिटेन नहीं किया गया।विटोरी ने हेड के टीम में न होने पर दुख व्यक्त किया और कहा कि पिछले तीन वर्षों में उनके अमूल्य योगदान के लिए आभार भी जताया।

बार्टी और शिंगो साल 2027 हॉल ऑफ फेम के लिए नामांकित किये गये

सेन डियागो। विश्व की पूर्व नंबर एक खिलाड़ी ऐश बार्टी और चार बार के पैरालंपिक स्वर्ण पदक विजेता शिंगो कुनिदा को साल 2027 में दिये जाने वाले इंटरनेशनल टेनिस हॉल ऑफ फेम में शामिल करने के लिए चुना गया है। ये अवार्ड 26 से 28 अगस्त 2027 के बीच न्यूपोर्ट, रोड आइलैंड में होने वाले इंडक्शन समारोह में प्रदान किये जाएंगे। इस अवार्ड के लिए बार्टी को प्रतिष्ठित खिलाड़ी श्रेणी में चुना गया है, जबकि कुनिदा को व्हीलचेयर टेनिस कैटेगरी में यह सम्मान मिलेगा। यह श्रेणी उन खिलाड़ियों को जगह देती है, जिनका अंतरराष्ट्रीय स्तर पर असाधारण प्रदर्शन और उपलब्धियों का रिकॉर्ड रहा हो।

बार्टी, एक तीन बार की मेजर सिंगल्स चैंपियन हैं, जिन्होंने 2019 में रोलैंड-गैरोस (फ्रेंच ओपन), 2021 में विंबलडन और 2022 में ऑस्ट्रेलियन ओपन का खिताब जीता। उन्होंने 2018 यूएस ओपन में अपना पहला मेजर डबल्स खिताब भी हासिल किया था। 2019 में विश्व नंबर 1 बनीं, उन्होंने कुल 121 हफ्तों तक शीर्ष स्थान पर कब्जा बनाए रखा, जिसमें लगातार 114 हफ्ते शामिल थे। वह 2019 से 2021 तक लगातार तीन साल तक ईयर-एंड नंबर 1 भी रहीं।ऑस्ट्रेलियन ओपन 2022 जीतने के तुरंत बाद, जब वह अपनी सर्वोच्च रैंकिंग पर थीं, उन्होंने खेल से संन्यास लेने की घोषणा कर दी थी। वह इंटरनेशनल टेनिस हॉल ऑफ फेम में शामिल होने वाली 35वीं ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी होंगी और 2013 के बाद यह सम्मान पाने वाली पहली ऑस्ट्रेलियाई महिला बनेंगी। इस सम्मान पर खुशी व्यक्त करते हुए बार्टी ने कहा, मैं खुद को सौभाग्यशाली मानती हूं कि मुझे ऑस्ट्रेलिया के उन महान खिलाड़ियों को देखने का मौका मिला, जिन्होंने इस खेल को नई दिशा दी और बहुत गर्व के साथ हमारे देश का प्रतिनिधित्व किया। उनके साथ मेरा नाम लिया जाना एक अद्भुत अहसास है। मेरा करियर एक सामूहिक प्रयास था, इसलिए यह सम्मान मेरे परिवार, मेरे कोचों और उन सभी लोगों का भी है, जिन्होंने इस सफर में मेरी मदद की।

पीसीबी ने पूर्व ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर डिट्ज को बनाया महिला टीम का नया कोच

लाहौर। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने अपनी महिला टीम के लगातार खराब प्रदर्शन को देखते हुए उसके लिए एक नया कोच नियुक्त किया है। पीसीबी ने ऑस्ट्रेलिया के अनुभवी पूर्व क्रिकेटर शेन डिट्ज को टीम का का नया मुख्य कोच बनाया है। यह नियुक्ति टीम के प्रदर्शन में सुधार लाने और अंतर्राष्ट्रीय मंच पर उसे मजबूत बनाने का प्रयास माना जा रहा है। डिट्ज वेस्टइंडीज के खिलाफ होने वाली आगामी द्विपक्षीय सीरीज से अपना कार्यभार संभालेंगे। डिट्ज की राह आसान नहीं है। उन पर शुरुआत से ही टीम को जीत की पटरी पर लाने का दबाव रहेगा। इसी बीच अपनी नियुक्ति पर खुशी व्यक्त करते हुए डिट्ज ने कहा कि वह पाकिस्तान महिला टीम का कोच बनकर सम्मानित महसूस कर रहे हैं। डिट्ज ने पीसीबी द्वारा जारी बयान में भविष्य की योजनाओं और टीम के लक्ष्यों पर भी प्रकाश डाला, जो उनके दृष्टिकोण को दिखाता है।

उन्होंने स्पष्ट किया, 2028 में हम टी20 विश्व कप की मेजबानी करेंगे। हमारा लक्ष्य समर्थकों को घरेलू मैदान पर उत्साहित होने का अवसर देना है। विश्व कप में प्रतिस्पर्धी बने रहने के लिए हमें बहुत सुधार करना है और हम सभी को खिलाड़ियों और स्टाफ के तौर पर विश्व स्तरीय प्रदर्शन देने के लिए विकसित होना होगा। डिट्ज ने पाकिस्तान के प्रति अपने गहरे लगाव को भी व्यक्त किया, मैं पहले तीन बार पाकिस्तान का दौरा कर चुका हूं। यहां क्रिकेट के लिए प्यार और जुनून लोगों को अपनी ओर खींचता है। मैं टीम के साथ काम करने के लिए वहां जाने का इंतजार नहीं कर सकता। उनका यह बयान टीम के साथ उनके भावनात्मक जुड़ाव को दर्शाता है।

गौरतलब है कि डिट्ज के पास कोचिंग के क्षेत्र में लंबा अनुभव है। वह हाल ही में वेस्टइंडीज महिला टीम के मुख्य कोच के रूप में कार्यरत थे, जहां उनकी देखरेख में टीम ने 2024 और 2026 टी20 विश्व कप के सेमीफाइनल में जगह बनाई थी। यह उनकी रणनीतिक और कोचिंग क्षमताओं का एक बड़ा प्रमाण है। इसके पूर्व, डिट्ज बांग्लादेश और नीदरलैंड्स की महिला राष्ट्रीय टीमों के साथ भी काम कर चुके हैं। इसके अलावा, 2008 से 2013 तक न्यूजीलैंड में क्रिकेट वेलिंगटन के साथ शार्ट-फरमैटमैच कोच के तौर पर भी उन्होंने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी, जहां उन्होंने युवा प्रतिभाओं को निखारने और उच्च स्तर पर प्रदर्शन करने के लिए तैयार करने में अहम योगदान दिया। डिट्ज के लिए पाक महिला क्रिकेट टीम की आईसीसी और एसीसी टूर्नामेंटों में बेहतर प्रदर्शन के लिए, तैयार करना एक महत्वपूर्ण चुनौती होगी।

डु प्लेसिस ने ख्वाजा को सबसे बड़ा गद्दार बताया

सिडनी । सैंडपेपरगेट बॉल टैंपरिंग मामले में ऑस्ट्रेलियाई टीम के सभी खिलाड़ियों के शामिल होने के आरोप लगाने वाले पूर्व क्रिकेटर उस्मान ख्वाजा अब अपने साथियों ही नहीं विरोधी टीम के खिलाड़ियों के निशाने पर भी आ गये हैं। पहले जहां कप्तान पैट कमिंस ने उनके आरोपों को खारिज किय था। वहीं अब अब दक्षिण अफ्रीका के पूर्व कप्तान फैफ डु प्लेसिस ने ख्वाजा को सबसे बड़ा गद्दार बताया है। ख्वाजा ने अपनी किताब में दावा किया है कि साल 2018 के केपटाउन टेस्ट में हुए गेंद से छेड़छाड़ मामले को जानकारी पूरी टीम को थी। ख्वाजा के इस आरोप के बाद से ही इस मामले में पर बहस चल रही है। इसी के बाद से ही कप्तान पैट कमिंस सहित कई खिलाड़ियों ने ख्वाजा के दावे को गलत बताया है।



इसी कड़ी में प्लेसिस ने ख्वाजा पर सबसे तीखा हमला बोला है। डु प्लेसिस ने कहा, मैं यह रिकॉर्ड पर कहना चाहता हूं कि ख्वाजा शायद सबसे बड़े गद्दार हैं, जिन्हें मैंने क्रिकेट के इतिहास में पढ़ा है और पिछले 40-50 सालों में देखे देखते हुए देखा है। उन्होंने आगे आरोप लगाया कि ख्वाजा ने आचार संहिता के हर नियम को तोड़ा है, अपने साथी खिलाड़ियों को बेच दिया है, और एक ऐसे मुद्दे को फिर से उठा कर आस्ट्रेलियाई क्रिकेट को दोबारा बदनाम किया है जिसे पहले ही सुलझा लिया गया था। डु प्लेसिस के अनुसार, ख्वाजा ने टीम के भीतर की दोस्ती और विश्वास के मूल सिद्धांतों का उल्लंघन किया है। यह नया खुलासा क्रिकेट जगत में एक बार फिर पैतिकता, जवाबदेही और खेल भावना को लेकर गरमागरम बहस छेड़ रहा है।

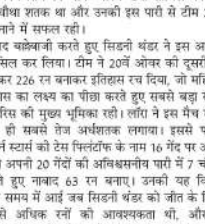
सीएसके में कोई धोनी के स्तर तक नहीं पहुंच पायेगा - इरफान पठान

चेन्नई । पूर्व क्रिकेटर इरफान पठान ने कहा है कि आईपीएल टीम चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) को अब महेन्द्र सिंह धोनी जैसा कोई क्रिकेटर नहीं मिलेगा। इरफान के अनुसार कोई भी क्रिकेटर उस स्तर को हासिल नहीं कर पायेगा जो धोनी ने किया है। पठान ने धोनी की इसी विरासत पर जोर दिया। उन्होंने कहा, क्रिकेट के मैदान पर उन्होंने जो कुछ किया, जिस तरह का प्रदर्शन किया और मैच को जिस प्रकार से आखिरी तक ले जाकर उसे समाप्त किया वह मुझे नहीं लगता कि सीएसके में कभी कोई कर पाएगा। पठान ने यह भी जोड़ा कि धोनी की मैंटरशिप टीम के लिए अहम होगी पर एक खिलाड़ी के तौर पर उनकी विरासत को पीछे छोड़ना बहुत कठिन होगा।गौरतलब है कि धोनी ने चेन्नई के लिए 272 मैच खेले, जो फ्रैंचाइजी के इतिहास में सबसे अधिक हैं। उन्होंने 5,314 रन बनाए और अपनी कप्तानी में सीएसके को पांच आईपीएल खिताब दिलाए। करीबी मैचों को आखिरी ओवर तक ले जाकर खत्म करने की उनकी खूबी उनकी पहचान बनी है।

पठान ने धोनी के साथ ड्रेसिंग रूम में बिताए समय की याद करते हुए बताया कि वह कप्तान रहते हुए भी हमेशा युवा खिलाड़ियों को मेंटर करते थे। उन्होंने कहा, जब वह कप्तान थे, तब भी वह हमेशा खिलाड़ियों को मेंटर करते थे। कई बार आप खुद धोनी और उनकी काबिलियत पर भरोसा कर सकते थे और फिर बेझिझक जाकर गेंदबाजी कर सकते थे। पठान को उम्मीद है कि डगआउट में मेंटर के तौर पर भी धोनी अपना जादू दिखाएंगे, और उनकी यह विरासत कई दशकों तक याद रही जाएगी। भारत के लिए धोनी का कद आईपीएल से कहीं बड़ा रहा है। कप्तान के तौर पर उन्होंने 2007 में भारत को टी20 वर्ल्ड कप और 2011 में 50 ओवरों का वर्ल्ड कप जिताया। उन्होंने 2019 में भारत के लिए अपना आखिरी मैच खेला और 2020 में इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास लिया था, हालांकि आईपीएल में वह खेलना जारी रखे थे। वहीं पूर्व भारतीय ओपनर आकाश चोपड़ा ने धोनी के इस तरह खामोशी से विदा लेने को उनके व्यक्तित्व का परिचायक बताया। उन्हें न तो कोई फेयरवेल मैच मिला और न ही चेपॉक में कोई खास विदाई। चोपड़ा ने कहा, यह बिल्कुल उनके अंदाज में ही हुआ है। वह बिना किसी शोर-शराबे के चले गए।

यशस्वी और राहुल की शतकीय साझेदारी से भारतीय टीम ने बनाये एक विकेट पर 159 रन

वेलिंगटन । सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल और केएल राहुल के बीच हुई शतकीय साझेदारी से भारतीय क्रिकेट टीम ने मेजबान न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले क्रिकेट टेस्ट मैच के दूसरे दिन का खेल समाप्त होने के समय तक अपनी पहली पारी में एक विकट पर 159 रन बना लिए थे। दिन का खेल समाप्त होने के समय केएल राहुल 52 और देवदत्त पडिक्कल 16 रन बनाकर खेल रहे थे। आउट होने वाले एकमात्र बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल रहे। यशस्वी ने 89 गेंदों पर 16 चौकों की मदद से 85 रन बनाये पर वह अपना शतक पूरा नहीं कर पाये। यशस्वी मैट हैनरी का शिकार बने। यशस्वी की राहुल के साथ पहले विकेट के लिए 130 रनों की साझेदारी हुई थी। यशस्वी के आउट होने के बाद उतरे पडिक्कल ने 35 गेंदों पर 3 चौकों की मदद से 16 रन बना लिए थे। उनकी राहुल के साथ दूसरे विकेट के लिए 29 रन की साझेदारी हुई है। वहीं इससे पहले मेजबान टीम ने अपनी पहली पारी में 368 रन बनाये थे। इस प्रकार मेजबान टीम अब भी



भारतीय टीम से 209 रन आगे है। ऐसे में उसका प्रयास तीसरे दिन भारतीय बल्लेबाजों को जल्द से जल्द आउट कर दबाव बनाना रहेगा।

दूसरे दिन की शुरुआत न्यूजीलैंड ने 5 विकेट पर 243 रन से की थी। निकोलस 113 और ग्लेन फिलिप्स ने 94 रनों से आगे खेलना शुरु किया। फिलिप्स ने शानदार शतक लगाया। वह 216 गेंदों पर 118 रन बनाकर पैवेलियन लौटे। फिलिप्स और निकोलस के बीच छठे विकेट के लिए 216 रन की साझेदारी हुई।

फिलिप्स के आउट होने के निकोलस ने नाथन स्मिथ के साथ सातवें विकेट के लिए 32 रन जोड़े। नाथन 14 रन बनाकर आउट हुए। निकोल्स ने इसके बाद काइल जैमिसन के साथ पारी आगे बढ़ायी। जैमिसन 11 रन बनाकर आउट हुए। उनकी निकोल्स के साथ आठवें विकेट के लिए 25 रनों की जबकि जैकब डफी 4 के साथ दसवें विकेट के लिए 20 रन की साझेदारी हुई। इससे कीवी टीम 368 रनों तक पहुंची। निकोलस अंत तक टिके रहे और 335 गेंदों पर 21 चौकों की मदद से 175 रन बनाकर नाबाद रहे।

भारत की तरफ से जसप्रीत बुमराह ने सबसे अधिक 4 विकेट लिए। वहीं आकाशदीप सिंह ने 3 विकेट, अंशुल कंबोज ने 2 विकेट और प्रसिद्ध कृष्णा ने 1 विकेट लिया।

2028 की सत्ता का रास्ता मालवा-निमाड़ से निकालने की तैयारी

- आदिवासी अंचलों में सियासी जमीन मजबूत करने भाजपा का मिशन, विकास और संगठन को बनाया हथियार

- आदिवासी सीटों पर कांग्रेस की बढ़त खत्म करने के लिए सरकार, संगठन और संघ ने बढ़ाई सक्रियता

भोपाल। मध्यप्रदेश की सियासत में मालवा-निमाड़ सिर्फ एक भौगोलिक अंचल नहीं, बल्कि सत्ता का समीकरण तय करने वाला बड़ा राजनीतिक केंद्र है। 2028 के विधानसभा चुनाव को देखते हुए भाजपा ने अभी से इस क्षेत्र में अपनी रणनीतिक बिसात बिछाना शुरू कर दिया है। खासतौर पर आदिवासी बहुल इलाकों को पार्टी ने अपने मिशन के केंद्र में रखा है। वजह साफ है—मालवा-निमाड़ की 66 विधानसभा सीटों में निर्णायक भूमिका निभाने वाले आदिवासी क्षेत्रों में कांग्रेस की पकड़ अब भी भाजपा के लिए चुनौती बनी हुई है।

आदिवासी बहुल विधानसभा सीटों के मौजूदा राजनीतिक समीकरण में कांग्रेस भाजपा से आगे है। इन सीटों में कांग्रेस के 12 विधायक हैं, जबकि भाजपा के पास आठ सीटें हैं। एक सीट पर भारतीय आदिवासी पार्टी का प्रतिनिधि है। यानी आदिवासी अंचलों में भाजपा को अभी अपनी राजनीतिक जमीन और मजबूत करनी है। पार्टी की चिंता केवल मौजूदा विधायकों की संख्या तक सीमित नहीं है, बल्कि उन क्षेत्रों में स्थायी जनाधार तैयार करने की है, जहां चुनाव के दौरान आदिवासी मतदाता सत्ता का रुख बदलने की क्षमता रखते हैं। भाजपा को रणनीति अब केवल चुनावी सभाओं और राजनीतिक संपर्क तक सीमित नहीं है। सरकार के विकास कार्यक्रम, बड़े नेताओं के दौरे, आदिवासी प्रतीकों को सम्मान, संगठन में प्रतिनिधित्व और संघ की जमीनी सक्रियता को एक साथ जोड़कर काम किया जा रहा है। पार्टी की कोशिश है कि 2028 तक आदिवासी क्षेत्रों में विकास और राजनीतिक भागीदारी का ऐसा नैरेटिव तैयार हो, जो कांग्रेस की परंपरागत पकड़ को चुनौती दे सके।

विकास परियोजनाओं के जरिए राजनीतिक संदेश

भाजपा सरकार ने पिछले कुछ महीनों में मालवा-निमाड़ के आदिवासी क्षेत्रों में बड़े आयोजनों और



विकास परियोजनाओं पर विशेष जोर दिया है। नागलवाड़ी में कैबिनेट बैठक से लेकर धार जिले के डही में जनजातीय गौरव दिवस पर आयोजित कार्यक्रम तक, सरकार ने क्षेत्र को अपनी प्राथमिकताओं में शामिल करने का संदेश दिया है। बिरसा मुंडा जयंती के अवसर पर डही में माइक्रो सिंचाई उद्यहन परियोजना का शुभारंभ इसी रणनीति की कड़ी माना जा रहा है। इससे पहले बुरहानपुर जिले के नेपानगर में जनजातीय सम्मेलन आयोजित कर किसान कार्यों की शुरुआत की गई थी। सरकार की कोशिश है कि आदिवासी क्षेत्रों में सिंचाई, सड़क, रोजगार और बुनियादी सुविधाओं से जुड़ी परियोजनाओं की गति देकर विकास का सीधा लाभ स्थानीय आबादी तक पहुंचाया जाए। धार में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा पीएम मित्र टेक्सटाइल पार्क का शुभारंभ भी इसी लिहाज से महत्वपूर्ण है। इस परियोजना से आने वाले समय में कपड़ा उद्योग से जुड़ी गतिविधियों और रोजगार के अवसरों को बड़ावा मिलने की उम्मीद है। भाजपा इसे औद्योगिक विकास के साथ आदिवासी युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसरों से जोड़कर प्रस्तुत कर सकती है।

बड़े नेताओं की मौजूदगी से साध रहे सामाजिक समीकरण

लोकसभा चुनाव के बाद से राज्य सरकार ने मालवा-निमाड़ के आदिवासी क्षेत्रों में होने वाले बड़े आयोजनों में राष्ट्रीय नेतृत्व की भागीदारी बढ़ाने पर जोर दिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सहित केंद्रीय नेताओं की मौजूदगी के जरिए भाजपा यह संदेश देने की कोशिश कर रही है कि आदिवासी क्षेत्र केंद्र और राज्य सरकार की प्राथमिकता में हैं। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव भी लगातार इन क्षेत्रों में सक्रियता दिखा रहे हैं। सरकार की मंशा है कि स्थानीय समस्याओं और विकास की जरूरतों को लेकर मुख्यमंत्री की सीधी मौजूदगी का राजनीतिक संदेश जाए। आदिवासी समाज के बीच सरकार की पहुंच बढ़ाने के लिए स्थानीय स्तर पर योजनाओं के क्रियान्वयन और जनप्रतिनिधियों की भागीदारी को भी अहम माना जा रहा है।

संगठन में प्रतिनिधित्व बढ़ाकर भरोसा जीतने की कोशिश

भाजपा की रणनीति का दूसरा महत्वपूर्ण हिस्सा संगठनात्मक भागीदारी है। पार्टी समझती है कि केवल सरकारी योजनाओं और आयोजनों से आदिवासी समाज में स्थायी राजनीतिक विश्वास कायम नहीं किया जा सकता। इसके लिए समाज के नेताओं को संगठन में महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां देना भी जरूरी है। इसी दिशा में गजेंद्र पटेल की राष्ट्रीय महासचिव की जिम्मेदारी दिए जाने को महत्वपूर्ण माना जा रहा है। वहीं पूर्व राज्यसभा सांसद डॉ. सुमेर सिंह सोलंकी मध्यप्रदेश भाजपा में महामंत्री के रूप में काम कर रहे हैं। पार्टी इन नियुक्तियों के माध्यम से आदिवासी नेतृत्व को आगे लाने और समाज के बीच अपनी स्वीकार्यता बढ़ाने का संदेश देना चाहती है। इस रणनीति के तहत स्थानीय नेताओं और कार्यकर्ताओं की भूमिका भी महत्वपूर्ण होगी। आदिवासी क्षेत्रों में राजनीतिक प्रभाव रखने वाले सामाजिक नेतृत्व को साथ जोड़ना और युवाओं को संगठन में जगह देना भाजपा के लिए चुनौती के साथ अवसर भी है।

संघ की सक्रियता से बूथ तक पहुंचने की तैयारी

भाजपा के राजनीतिक अभियान के समानांतर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ भी मालवा-निमाड़ के आदिवासी क्षेत्रों में सक्रिय है। संघ लंबे समय से इन इलाकों में सामाजिक और संगठनात्मक गतिविधियां संचालित करता रहा है। बस्तियों और गांवों में संपर्क, सामाजिक कार्यक्रमों और वैचारिक संवाद के जरिए अपनी पहुंच बढ़ाने की कोशिश की जा रही है। आने वाले समय में संघ की ओर से कुछ और पूर्णकालिक कार्यकर्ताओं को इन क्षेत्रों में जिम्मेदारी दिए जाने की चर्चा है। इससे सामाजिक संपर्क और संगठनात्मक गतिविधियों को विस्तार मिल सकता है। हालांकि संघ की गतिविधियों को सीधे भाजपा के चुनावी अभियान से जोड़कर देखना उचित नहीं होगा, लेकिन दोनों की वैचारिक निकटता के कारण इसका राजनीतिक प्रभाव चर्चा का विषय बना हुआ है।

कांग्रेस की परंपरागत पकड़ तोड़ना सबसे बड़ी चुनौती

मालवा-निमाड़ में भाजपा के सामने सबसे बड़ी चुनौती धार, झाबुआ, आलीराजपुर और रतलाम जैसे आदिवासी बहुल जिलों में कांग्रेस की मजबूत राजनीतिक मौजूदगी है। इन क्षेत्रों में कांग्रेस का सामाजिक और राजनीतिक नेटवर्क लंबे समय से सक्रिय रहा है। 2018 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने मालवा-निमाड़ की 66 सीटों में से 36 पर जीत दर्ज की थी। इसी प्रदर्शन ने प्रदेश में कांग्रेस की सरकार बनाने का रास्ता तैयार किया था। भाजपा जानती है कि 2028 में सत्ता की राह आसान बनाने के लिए इस क्षेत्र में बेहतर प्रदर्शन जरूरी होगा। ऐसे में पार्टी की रणनीति का असली इम्तिहान सरकारी आयोजनों की भीड़ या बड़े नेताओं की सभाओं से नहीं, बल्कि आदिवासी बहुल गांवों में योजनाओं के वास्तविक लाभ, रोजगार के अवसर, स्थानीय नेतृत्व की भागीदारी और चुनावी नतीजों से होगा। दरअसल, भाजपा अब मालवा-निमाड़ में केवल सीटें बढ़ाने की तैयारी नहीं कर रही, बल्कि आदिवासी अंचलों में अपने लिए एक नया सामाजिक और राजनीतिक आधार तैयार करना चाहती है। 2028 में यह रणनीति कितनी कारगर साबित होगी, इसका फैसला इस बात से होगा कि विकास का संदेश आदिवासी मतदाताओं के भरोसे में कितना बदल पाता है।

स्पाइसजेट से डीजीसीए ने लगातार कैंसिलेशन और देरी पर मांगा जवाब

-सात बिंदुओं पर सात दिन में जवाब तलब, एयरलाइन के पास कथित तौर पर महज 13 विमान बचे

नई दिल्ली। लगातार उड़ानों के रद्द होने, देरी और परिचालन संबंधी गड़बड़ियों को लेकर नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने स्पाइसजेट को नोटिस जारी किया है। जारी नोटिस में नियामक ने एयरलाइन से सात दिनों के भीतर जवाब मांगा है। डीजीसीए ने एयरलाइन के परिचालन और यात्रियों को हो रही परेशानियों से जुड़े सात अलग-अलग मामलों पर स्पष्टीकरण मांगा है।

मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक, कभी देश की दूसरी सबसे बड़ी एयरलाइन रही स्पाइसजेट के बेड़े में अब 13 विमान रह गए हैं, जिनमें 10 से भी कम परिचालन की स्थिति में हैं। विमानों की लीज का भुगतान नहीं कर पाने के कारण कई विमान हटाए गए या ग्राउंडेड हैं। कंपनी पर करीब 35 करोड़ रुपये का कर्ज भी बताया गया है। पिछले नौ महीनों में एयरलाइन का बाजार हिस्सा 3.9 प्रतिशत से घटकर 0.6 प्रतिशत रह गया है। अगस्त और सितंबर में कंपनी की करीब हर पांच में से एक उड़ान रद्द हुई।



डीजीसीए ने 17 नवंबर को जारी नोटिस में कहा है कि स्पाइसजेट 2026 में छोटे और दूरदराज के शहरों के लिए निर्धारित उड़ानों का संचालन नियमों के अनुरूप नहीं कर पाई। विंटर शेड्यूल में रोजाना 66 उड़ानों की मंजूरी के बावजूद कंपनी करीब 15 उड़ानें ही संचालित कर पा रही थी। यात्रियों की सहायता के लिए पर्याप्त व्यवस्था नहीं होने पर भी नियामक ने सवाल उठाए हैं।

इसके अलावा 11 मई को लगाए गए जुर्माने का भुगतान नहीं करने, अनिवार्य बीमा कवर के नवीनीकरण को लेकर अनिश्चितता और विदेशी विमानन एजेंसियों की शिकायतों पर भी जवाब मांगा गया है। डीजीसीए ने नियमित अंतर्राष्ट्रीय उड़ानों के लिए आवश्यक शर्तें पूरी नहीं करने का मुद्दा भी उठाया है। समय पर उड़ान संचालन का रिकॉर्ड भी खराब रहा। 19 नवंबर को स्पाइसजेट की ऑन-टाइम परफॉर्मेंस (ओटीपी) केवल 25 प्रतिशत रही, जबकि अन्य भारतीय एयरलाइनों को ओटीपी 80 प्रतिशत से अधिक बताई गई। यानी उस दिन स्पाइसजेट की चार में से केवल एक उड़ान समय पर रवाना हो सकी।

राजस्थान पंचायत चुनाव 2026- जिला परिषद की 29 सीटों में कांग्रेस 20 पर जीती, भाजपा को आठ

जयपुर। राजस्थान में पंचायत चुनावों की मतगणना के बीच जिला परिषद और पंचायत समिति सदस्यों के अब तक घोषित नतीजों में कांग्रेस भाजपा से आगे है। जिला परिषद सदस्य की घोषित 29 सीटों में कांग्रेस ने 20 पर जीत दर्ज की है, जबकि भाजपा को आठ सीटें मिली हैं। राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी (आरएलपी) ने एक सीट पर जीत हासिल की है। भारत आदिवासी पार्टी (बीएपी), बहुजन समाज पार्टी (बसपा) और मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) का अब तक खाता नहीं खुला है। पंचायत समिति सदस्य की अब तक घोषित 1,839 सीटों के नतीजों में कांग्रेस ने 919 सीटें जीती हैं, जबकि भाजपा को 559 सीटें मिली हैं। निर्दलीय उम्मीदवारों ने 167 सीटों पर जीत दर्ज की है। आरएलपी को 130, बीएपी को 27, बसपा और माकपा को 18-18 तथा आम आदमी पार्टी को एक सीट मिली है। राज्य में जिला परिषद की 1,275 और पंचायत समिति की 7,543 सीटों के लिए मतगणना हो रही है। हालांकि, चुनाव प्रक्रिया में कुल 1,403 जिला परिषद और 8,245 पंचायत समिति वार्डों के लिए 27,872 उम्मीदवार मैदान में थे। राज्य निर्वाचन आयोग अब तक 37 पंचायत समिति सदस्यों और चार जिला परिषद सदस्यों के निर्विरोध निर्वाचित घोषित कर चुका है। पंचायत चुनाव के तहत 25 जिलों में 3,747 सरपंच और 33,885 पंच पदों के लिए मतदान सोमवार को पूरा हुआ था। आयोग के मुताबिक, कोटा, बारां, श्रीगंगानगर और करौली जिलों में मतगणना 17 दिसंबर को होगी। इस संबंध में आयोग ने 18 नवंबर को आदेश जारी किया था।

राजस्थान में पंचायत चुनाव चार चरणों में 22 अक्टूबर, 28 अक्टूबर, 3 नवंबर और 14 नवंबर को कराए गए थे। इस साल ये चुनाव राज्य के 41 जिलों में हुए। शेष सीटों के नतीजे घोषित होने के साथ ही चुनावी तस्वीर और स्पष्ट होगी।

प्राकृतिक आपदा से मृत्यु उपरांत 04 लाख रुपए की आर्थिक सहायता स्वीकृत

पद्मेश न्यूज़। बालाघाट। लामता तहसील के अंतर्गत ग्राम भालेवाड़ा निवासी भागवंता राहंगडाले की 15 अगस्त 2026 को कुएँ के पानी में डूबने से मृत्यु हो गई थी। बालाघाट के अनुविभागीय अधिकारी राजस्व गोपाल सोनी ने राजस्व पुस्तक परिपत्र 6/4 के प्रावधानों के तहत मृतक के वारसान पुत्र पितमलाल को 04 लाख रुपये की आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत की है। लामता तहसीलदार को निर्देशित किया गया है कि वे कोषालय में देयक प्रस्तुत कर पितमलाल के खाते में ई-पेमेंट से शीघ्र 04 लाख रुपए की राशि जमा कराए।

सुप्रीम कोर्ट का अहम फैसला- साइबर धोखाधड़ी में आरोपी तय नहीं कर सकता एफआईआर का स्थान

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने अहम फैसला सुनाकर स्पष्ट किया कि साइबर धोखाधड़ी जैसे संगठित अपराधों के मामलों में कोई भी आरोपी यह तय नहीं कर सकता कि पीड़ित उसके खिलाफ किस स्थान पर प्राथमिकी (एफआईआर) दर्ज कराएं। शीर्ष अदालत ने वर्चुअल क्लाउड स्पेस की बिकी से जुड़े कथित निवेश धोखाधड़ी मामले में आरोपी भूमि पटेल द्वारा विभिन्न राज्यों में दर्ज प्राथमिकियों को एक साथ जोड़ने की मांग वाली याचिका को खारिज किया। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहना की पीठ ने गुजरात के गांधीनगर और हरियाणा के फरीदाबाद में दर्ज आपराधिक मामलों को एक साथ नत्थी करने से इंकार किया। सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने तर्क दिया कि जांच में समानताएं होने को आरोपी को लाभ पहुंचाने का आधार नहीं बनाया जा सकता। न्यायमूर्ति बागची ने सुनवाई के दौरान कहा कि कोई आरोपी विभिन्न राज्यों की पुलिस को उनके अधिकार क्षेत्र में आने वाले कथित अपराधों की जांच करने से नहीं रोक सकता।

शीर्ष अदालत ने सख्त लहजे में कहा कि संगठित साइबर अपराधों से निपटने के मामलों में कानून को यथासंभव सख्ती से लागू होना चाहिए। पीठ ने आरोपी को किसी भी तरह की रियायत देने के पक्ष में न होने की बात स्पष्ट कर कहा, कोई रियायत नहीं। याचिकाकर्ता भूमि उत्पलभाई पटेल ने आत्मसमर्पण कर दिया था और वह पांच महीने से अधिक समय से अहमदाबाद केंद्रीय जेल में न्यायिक हिरासत में है। यह फैसला साइबर अपराधियों पर लगाम लगाने और पीड़ितों को न्याय सुनिश्चित करने की दिशा में एक मजबूत संदेश है।

पारमर्शदात्री समिति की बैठक आयोजित, कर्मचारी संगठनों ने रखीं समस्याएं एवं मांगें

पद्मेश न्यूज़। बालाघाट। 17 नवंबर को जिला अकादमी सदस्य सुनील मेश्राम की उपस्थिति में परामर्शदात्री समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न कर्मचारी संगठनों के पदाधिकारियों एवं प्रतिनिधियों ने सहभागिता करते हुए कर्मचारियों की समस्याओं, लंबित मांगों तथा उनके निराकरण को लेकर विस्तार से चर्चा की। बैठक के दौरान विभिन्न कर्मचारी संगठनों के प्रतिनिधियों ने अपने-अपने एजेंडे के अनुसार कर्मचारियों की समस्याओं एवं मांगों को वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी के समक्ष रखा। इस दौरान कर्मचारियों से संबंधित विभिन्न विषयों पर विस्तारपूर्वक विचार-विमर्श किया गया तथा समस्याओं के समाधान के लिए आवश्यक सुझाव भी प्रस्तुत किए गए। परामर्शदात्री समिति की बैठक में कर्मचारी संगठनों द्वारा उठाई गई मांगों पर गंभीरता से चर्चा करते हुए उनके निराकरण के लिए समय-सीमा निर्धारित करने तथा संबंधित समस्याओं के समाधान हेतु आवश्यक जानकारी साझा की गई। बैठक में वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी मिलिंद देशमुख, मध्यप्रदेश कर्मचारी कांग्रेस के जिला अध्यक्ष सजल मस्की, कृषि विस्तार अधिकारी संघ के जिला अध्यक्ष अभिलाष सूर्यवंशी, ब्लॉक अध्यक्ष सौरभ भालेकर, संघ के संरक्षक श्री आर.सी. मनघटे, कृषि विकास अधिकारी श्रीमती सत्यशीला मेश्राम, सहायक भूमि संरक्षण अधिकारी कार्यालय से तुमेंद्र कुमार मंदरेले तथा अनुविभागीय कृषि अधिकारी कार्यालय से सहायक ग्रेड-3 कुमारी मुस्कान कटरे उपस्थित रहीं।

एनकाउंटर ने शूटर नसीम दुर्रानी ढेर

गाजियाबाद। यूपी एसटीएफ ने बुलंदशहर में शूटर नसीम दुर्रानी (37) को एनकाउंटर में मार गिराया। उस पर 50 हजार रुपए का इनाम था। 4 दिन पहले ही उसने दिल्ली के मंत्री कपिल मिश्रा के ऑफिस के बाहर एक युवक की हत्या की थी। एसटीएफ और दिल्ली पुलिस को सूचना मिली थी कि नसीम बुलंदशहर में छिपा है और भागने की फिराक में है। टीम ने उसे घेरा, तो उसने फायरिंग कर दी। दोनों तरफ से 15 से 20 राउंड गोलियां चलीं और जवाबी कार्रवाई में वह ढेर हो गया। उसके सीने में दो गोलियां लगीं। मुठभेड़ गुरुवार रात 1 बजे सिकंदराबाद थाना क्षेत्र में हुई। दिल्ली के रहने वाले नसीम ने अपने ईस्ट्राग्राम बायो में लिखा था- नाम बदनाम, पता तिहाड़ जेल और काम मरने तक काइम करने का।

पाकिस्तान से बातचीत तभी संभव जब वह आतंकवाद को बढ़ावा देना बंद करेगा

शिकागो में राहुल गांधी ने भारत-पाक के बीच द्विपक्षीय बातचीत को लेकर रखा अपना रुख

शिकागो। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने भारत और पाकिस्तान के बीच द्विपक्षीय बातचीत को लेकर अपना रुख स्पष्ट करते हुए कहा है कि इस्लामाबाद के साथ संवाद तभी संभव है, जब वह भारत में आतंकवाद को समर्थन देना और बढ़ावा देना पूरी तरह बंद कर दे। अमेरिका के प्रतिष्ठित शिकागो विश्वविद्यालय में आयोजित संवाद कार्यक्रम में एक पाकिस्तानी छात्र के सवाल का जवाब देते हुए राहुल ने भारत की विदेश नीति, वैश्विक भू-राजनीति और देश की चुनावी प्रक्रिया पर विस्तार से अपने विचार रखे।



मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक राहुल गांधी ने कहा कि गुंजाइश तो है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि हम गाजा पर चुप रहें। मैं 7 अक्टूबर के हमलों और निर्दोष लोगों की हत्या की निंदा करता हूं। मैं इजराइल द्वारा गाजा में जो किया गया है, उसकी भी कड़े शब्दों में निंदा करता हूं। एक गलत काम दूसरे गलत काम को सही नहीं ठहरा सकता। भारत 1.5 अरब लोगों का देश है। किसी भी देश— चाहे वह इजराइल हो, अमेरिका, रूस या चीन को हमें वैश्विक मंच बन सकती है। उन्होंने कहा कि वह इजराइल के साथ भारत के मजबूत संबंधों का समर्थन करते हैं, लेकिन गाजा में इजराइल के सैन्य अभियान को निंदा करते हैं। राहुल गांधी ने कहा कि हमारे कुछ रणनीतिक हित हैं, जिसमें हमारी सशस्त्र सेनाओं के लिए बेहतरीन हथियार खरीदना भी शामिल है, लेकिन हम अपनी सही भूमिका निभाने से नहीं रोकना चाहिए। भारत को उसी बात के लिए खड़ा होना चाहिए, जिसमें वह विश्वास करता है।

अमेरिका-ईरान के बीच चल रहे तनाव पर गांधी ने कहा कि ऐसे भू-राजनीतिक तनावों पर भारत की अपनी आशाव और अपना नजरिया होना चाहिए, जो उन्हें लगता है कि अभी नदारद है। उन्होंने कहा कि मुझे हैरानी है कि पाकिस्तान ईरानियों और अमेरिकियों के साथ बातचीत करने में व्यस्त है, जबकि भारत बस तमाशा देख रहा है। आज़ादी के समय से ही भारत की भू-राजनीतिक समझ हमेशा से बहुत गहरी रही है। हमारी अपनी स्वतंत्र सोच थी। हमारी विदेश नीति इस बात से तय होती थी कि भारत के लिए क्या फायदेमंद है।

उन्होंने चुनावी प्रणाली में कथित अनियमितताओं को लेकर विपक्ष द्वारा चुनावों के बहिष्कार की किसी भी संभावना को भी खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि ऐसा कदम उठाने से भारत में लोकतंत्र का अंत हो जाएगा। उन्होंने तर्क दिया कि चुनावी हार का सामना करने के बावजूद, कांग्रेस चुनाव लड़ना जारी रखेगी और व्यवस्था में मौजूद कमियों को उजागर करती रहेगी।

इस्तीफा देने के बाद पद से हटाना असंवैधानिक- जस्टिस वर्मा

नई दिल्ली। न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा ने कहा है कि उच्च न्यायालय के न्यायाधीश पद से इस्तीफा देने के बाद उन्हें पद से हटाने की प्रक्रिया जारी नहीं रखी जा सकती। उनका तर्क है कि इस्तीफा देने के साथ ही वह इस पद पर नहीं रहे और अब उन्हें हटाने की कोई भी कोशिश संवैधानिक आधार से परे होगी।

लोकसभा के महासचिव उत्पल कुमार सिंह को 10 सितंबर को लिखे पत्र में वर्मा ने अपने आधिकारिक आवास से जले हुए नोटों की गड्डियां मिलने से जुड़े आरोपों में खुद को निर्दोष बताया। उन्होंने कहा कि 9 अप्रैल को दिया गया उनका इस्तीफा किसी गलत काम या उनके खिलाफ लगाए गए आरोपों की स्वीकारोक्ति नहीं है। वर्मा ने यह पत्र लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला द्वारा गठित जांच समिति के निष्कर्षों की जानकारी देने के जवाब में लिखा है। उन्होंने जांच रिपोर्ट पर टिप्पणी करने और आगे की किसी भी कार्यवाही में हिस्सा लेने से साफ इंकार किया। वर्मा ने अनुरोध किया कि उनका पत्र और उसके साथ संलग्न दस्तावेज संसद के दोनों सदनों के सदस्यों के सामने रखे जाएं और मामले को बंद किया जाए। संविधान के अनुच्छेद 217(1)(ए) और उच्च न्यायालय की 1978 की संविधान पीठ के एक फैसले का हवाला देकर उन्होंने तर्क दिया कि किसी न्यायाधीश का इस्तीफा अपने आप प्रभावी हो जाता है, जिसके लिए राष्ट्रपति या किसी अन्य प्राधिकारी की मंजूरी जरूरी सचिवालय की ओर से लोकसभा नहीं होती। उनका कहना है कि न्यायाधीशों को पद से हटाने से जुड़े संवैधानिक प्रावधान केवल उन न्यायाधीशों पर लागू होते हैं, जो अभी पद पर कार्यरत हैं।

तीन सदस्यीय जांच समिति ने अपनी रिपोर्ट में वर्मा के खिलाफ लगाए गए, तीनों आरोपों को सही पाया था। यह रिपोर्ट 12 अगस्त को संसद में पेश की गई थी। वर्मा पर सरकारी आवास पर मिली नकदी का स्रोत और मालिक न बता पाने, साक्ष्यों को सुरक्षित रखने में नाकामी और जांच के दौरान टालमटोल भरे जवाब देने के आरोप थे। यह विवाद 14 मार्च, 2025 को उनके आधिकारिक आवास पर आग लगने के बाद जले हुए नोटों की गड्डियां मिलने से शुरू हुआ था। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट की एक आंतरिक समिति ने कदाचार का निष्कर्ष निकाला था, जिसके बाद तत्कालीन प्रधान न्यायाधीश ने उन्हें पद से हटाने की सिफारिश की थी। कानूनी विशेषज्ञों का कहना है कि भले ही वर्मा का इस्तीफा अभी औपचारिक रूप से अधिसूचित नहीं किया गया है, वे न्यायाधीश के पद पर नहीं रहे हैं और संसद अब उन्हें पद से हटाने की प्रक्रिया आगे नहीं बढ़ा सकती। संविधान के तहत, उच्चतम न्यायालय और उच्च न्यायालय के न्यायाधीश ही तौर्की से अपना पद छोड़ सकते हैं' ये इस्तीफा दे सकते हैं, या सिद्ध कदाचार या अक्षमता के आधार पर संसद उन्हें पद से हटा सकती है, जिसे आमतौर पर महाभियोग शब्द से जाना जाता है।

आलेझरी विद्यालय में अनियमितता पर भृत्य निलंबित, प्रभारी प्राचार्य को चेतावनी

ई-अटेंडेंस लगाने के बाद विद्यालय से चले जाते थे भृत्य, निजी व्यक्ति से कराया जा रहा था साफ-सफाई का कार्य

पद्मेश न्यूज़। बालाघाट। जिला शिक्षा अधिकारी श्रीमती धनश्री जैन ने शासकीय कार्यों में लापरवाही एवं अनियमितता बरतने के मामले में शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय आलेझरी, विकासखंड बारासिवनी के भृत्य श्री अनमोल बघेल को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। वहीं, विद्यालय के प्रभारी प्राचार्य संजय पाण्डे को भविष्य में ऐसी अनियमितता नहीं होने देने के लिए चेतावनी जारी की गई है। आलेझरी विद्यालय के भृत्य अनमोल बघेल के संबंध में प्राप्त शिकायत की जांच विकासखंड शिक्षा अधिकारी बारासिवनी से कराई गई थी। जांच में सामने आया कि भृत्य अनमोल बघेल नियुक्ति के बाद से ही नियमित रूप से विद्यालय में उपस्थित नहीं रहते थे। वे ई-अटेंडेंस लगाने के बाद विद्यालय से चले जाते थे और शाम 5 बजे के बाद लॉगआउट करते थे। इस दौरान उनके द्वारा विद्यालयीन दायित्वों का निर्वहन भी नहीं किया जा रहा था।

जांच में एक अन्य गंभीर अनियमितता भी सामने आई। विद्यालय में नियमित भृत्य पदस्थ होने के बावजूद साफ-सफाई का कार्य एक निजी व्यक्ति से कराया जा रहा था, जिसे इसके एवज में प्रतिमाह 5 हजार रुपये का भुगतान किया जाता था। संबंधित निजी व्यक्ति ने अपने लिखित बयान में इसकी पुष्टि भी की है। जांच प्रतिवेदन एवं संबंधितों के जवाबों का परीक्षण करने के बाद आरोप प्रमाणित पाए गए। इसके आधार पर भृत्य अनमोल बघेल के विरुद्ध मध्यप्रदेश सिविल सेवा (आचरण) नियम, 1965 तथा मध्यप्रदेश सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण तथा अपील) नियम, 1966 के तहत अनुशासनात्मक कार्रवाई करते हुए उन्हें तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। निलंबन अवधि में उनका मुख्यालय विकासखंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय बालाघाट निर्धारित किया गया है। उन्हें नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ता देय होगा।

इस प्रकरण में विद्यालय के प्रभारी प्राचार्य संजय पाण्डे की व्यक्तिगत जिम्मेदारी निर्धारित करते हुए उन्हें शासकीय नियमों के विपरीत कार्यप्रणाली अपनाने, नियमित भृत्य से कार्य नहीं लेने और निजी व्यक्ति से कार्य कराने के संबंध में चेतावनी दी गई है।

जिला शिक्षा अधिकारी श्रीमती धनश्री जैन ने स्पष्ट किया है कि शासकीय संस्थाओं में अनुशासन, जवाबदेही और नियमों का पालन अनिवार्य है। शासकीय कार्यों में लापरवाही अथवा अनियमितता पाए जाने पर संबंधितों के विरुद्ध नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी।

बालाघाट
शनिवार 21 नवम्बर 2026
दक्षिण सतपुड़ा
राजनीति | समाज | देशकाल
और गांव कनेक्शन की खबरें

बालाघाट एक्सप्रेस
शहर । समाज । गांव

12
बालाघाट एक्सप्रेस

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

दोस्त की बाइक ले जाने का विवाद या कोई और वजह?

वीडियो कॉल पर जान देने की बात कहकर युवक ने जंगल में लगाई फांसी

जाकपुर घाट के घने जंगल में मिला 21 वर्षीय अरुण ठाकरे का शव, बचपन के दोस्त और महिला मित्र को वीडियो कॉल कर दी थी आत्महत्या की जानकारी



पद्मेश न्यूज। बालाघाट। स्थानीय जाकपुर घाट के घने जंगल में शुक्रवार 20 नवंबर को उस समय सनसनी फैल गई, जब 21 वर्षीय युवक का शव पेड़ पर लटका मिला। मृतक की पहचान अरुण पिता बलदेव ठाकरे, निवासी ग्राम भटलाई, थाना बिरसा के रूप में हुई है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, युवक ने घटना से पहले अपने बचपन के दोस्त और एक महिला मित्र को वीडियो कॉल कर अपनी जान देने की बात कही थी। सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और पंचनामा कार्रवाई के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भिजवाया।

मिली जानकारी के अनुसार अरुण पिछले करीब दो वर्षों से बालाघाट में रहकर पढ़ाई कर रहा था। वह स्थानीय सरदार पटेल कॉलेज में बीए द्वितीय वर्ष का विद्यार्थी था। शुक्रवार सुबह करीब 10.30 बजे उसने अपने दोस्त कपिल को वीडियो कॉल किया और आत्महत्या करने की बात कही। बताया जा रहा है कि उसने अपनी एक महिला मित्र को भी कॉल कर इसकी जानकारी दी थी। कपिल ने उसे ऐसा कदम नहीं उठाने के लिए समझाने का प्रयास किया, लेकिन वह नहीं माना। इसके बाद वीडियो कॉल के दौरान ही अरुण ने अपनी जान दे दी। घटना की जानकारी मिलने पर परिजनों और परिचितों में हड़कंप मच गया। इस मामले को लेकर अरुण के बचपन के दोस्त कपिल ने बताया कि वह गांव में हार्डवेयर की दुकान संचालित करता है और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी भी कर रहा है। कपिल के अनुसार, 16 नवंबर की रात उसके घर से बाइक गायब हो गई थी। एक-दो दिन तलाश करने के बाद भी बाइक का पता नहीं चला। बाद में जानकारी मिली कि बाइक अरुण के पास थी। बताया गया कि 16 नवंबर को बाइक लेकर जाते समय अरुण का उससे छोटा एक्सीडेंट भी हो गया था। कपिल के मुताबिक, दो दिनों तक बाइक के संबंध में पूछताछ करने पर अरुण ने पहले बाइक ले जाने से इनकार किया, लेकिन बाद में दोस्तों के माध्यम से जानकारी मिलने पर उसने बाइक लेे जाने की बात स्वीकार कर ली। कपिल ने बताया कि इसके बाद उसके परिजनों ने अरुण के परिवार को इसकी जानकारी दी और बाइक वापस मंगी। दुर्घटना में क्षतिग्रस्त होने के कारण बाइक गैराज में सुधार के लिए रखी गई थी। कपिल के अनुसार, इस घटनाक्रम के बाद अरुण मानसिक रूप से परेशान था। हालांकि, आत्महत्या के पीछे यही वजह थी या कोई अन्य कारण भी था, इसकी पुष्टि अभी नहीं हुई है। पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच कर रही है। घटना की सूचना अरुण के परिजनों को भी दी गई, जिसके बाद उसका छोटा भाई आयुष ठाकरे मौके पर पहुंचा। आयुष ने बताया कि उसे जानकारी नहीं है कि उसके भाई ने ऐसा कदम क्यों उठाया। अरुण के पिता जेसीबी ऑपरेटर हैं, जबकि उसका छोटा भाई भोपाल में पढ़ाई करता है। परिवार के लिए यह घटना गहरा आघात बनकर सामने आई है। इधर, घटना की सूचना मिलने पर कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची। कोतवाली थाना के भुवनेश्वर ठाकरे ने बताया कि बिरसा थाना से घटना की सूचना मिलने के बाद युवक की लोकेशन के आधार पर पुलिस जाकपुर घाट के जंगल पहुंची। मौके पर पंचनामा कार्रवाई की गई और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। उन्होंने बताया कि मामले में मर्ग कायम कर लिया गया है तथा घटना से जुड़े सभी पहलुओं की जांच की जाएगी। पुलिस यह भी पता लगाने का प्रयास कर रही है कि युवक ने किन परिस्थितियों में यह कदम उठाया।

रेत से भरी तेज रफ्तार ट्रैक्टर-ट्रॉली पलटी, 17 वर्षीय युवक की मौत, दूसरा गंभीर घायल

रेंगाटोला और एकोड़ी के बीच आधी रात हुआ दर्दनाक हादसा, ट्रॉली के नीचे दब गए थे दोनों युवक

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। वारासिवनी थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम रेंगाटोला और एकोड़ी के बीच बीती रात रेत से भरी तेज रफ्तार ट्रैक्टर-ट्रॉली अनियंत्रित होकर पलट गई। इस दर्दनाक सड़क हादसे में ट्रैक्टर-ट्रॉली पर सवार एक 17 वर्षीय युवक की मौत हो गई जबकि दूसरा युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। ट्रैक्टर चालक की सूचना पर पहुंचे ग्रामीणों ने काफी मशक्कत के बाद ट्रैक्टर-ट्रॉली के नीचे दबे दोनों युवकों को बाहर निकाला और उपचार के लिए जिला अस्पताल बालाघाट पहुंचाया। यहां चिकित्सकों ने एक युवक को मृत घोषित कर दिया। मृतक युवक सनोज पिता प्रेमलाल उइके 17 वर्ष ग्राम रेंगाटोला(जागपुर)निवासी है वहीं घायल युवक विशाल पिता पतिराम कोहरे 17 वर्ष ग्राम जागपुर निवासी है जिसे जिला अस्पताल से प्राथमिक उपचार के बाद परिजनों ने नगर के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया है।



रेत परिवहन के दौरान हुआ हादसा

प्राप्त जानकारी के अनुसार, 19 नवंबर की शाम करीब 7 बजे सनोज उइके और विशाल कोहरे ग्राम जागपुर निवासी राजेंद्र खरोले के ट्रैक्टर में मजदूरी करने के लिए निकले थे। दोनों युवक ट्रैक्टर चालक के साथ बैनगंगा नदी के जागपुर घाट से रेत का परिवहन कर रहे थे। बताया जाता है कि रात करीब 12:30 से 1 बजे के बीच दोनों युवक रेत से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली पर सवार होकर जागपुर घाट से एकोड़ी की ओर जा रहे थे। इसी दौरान रेंगाटोला और एकोड़ी के बीच तेज रफ्तार ट्रैक्टर-ट्रॉली अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसा इतना भीषण था कि ट्रॉली पर बैठे सनोज और विशाल उसके नीचे दब गए।

ग्रामीणों ने रेस्क्यू कर दोनों युवकों को निकाला

हादसे के बाद ट्रैक्टर चालक ने तत्काल फोन कर आसपास के लोगों को सूचना दी। सूचना मिलते ही करीब 8 से 10 ग्रामीण घटनास्थल पर पहुंचे और ट्रैक्टर-ट्रॉली के नीचे दबे दोनों युवकों को बाहर निकालने में जुट गए। काफी मशक्कत के बाद दोनों को बाहर निकाला गया। इसके बाद ग्रामीणों की मदद से निजी वाहन के जरिए दोनों युवकों को जिला अस्पताल बालाघाट पहुंचाया गया। अस्पताल में चिकित्सकों ने परीक्षण के बाद सनोज उइके को मृत घोषित कर दिया। बताया जा रहा है कि सनोज की मौत घटनास्थल पर ही हो चुकी थी वहीं हादसे में घायल विशाल को जिला अस्पताल में भर्ती कर उपचार शुरू किया गया। उसके सीने सहित शरीर के अंदरूनी हिस्सों में चोटें आने की जानकारी सामने आई है। बाद में परिजनों ने बेहतर उपचार के लिए उसे नगर के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया जहां उसका उपचार जारी है।

चार बहनों और दो भाइयों में सबसे छोटा था सनोज

इस हादसे में जान गंवाने वाला सनोज उइके अपने परिवार में चार बहनों और दो भाइयों में सबसे छोटा था। उसके परिवार के सदस्य खेती-किसानी और मजदूरी कर जीवनयापन करते हैं। परिवार में तीन बहनों और एक भाई का विवाह हो चुका है। सनोज ने कक्षा नौवीं तक पढ़ाई की थी। इसके बाद वह पढ़ाई छोड़कर मजदूरी करने लगा था और परिवार की आर्थिक स्थिति में सहयोग कर रहा था। परिवार को उससे काफी उम्मीदें थीं लेकिन सड़क हादसे ने परिवार का सबसे छोटा सदस्य छीन लिया। घटना की खबर मिलते ही परिजन जिला अस्पताल पहुंच गए थे। सनोज की मौत की खबर सुनते ही परिवार में मातम छा गया।

पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंपा शव

20 नवंबर को जिला अस्पताल पुलिस ने मृतक सनोज उइके के शव का पंचनामा तैयार कर पोस्टमार्टम की कार्रवाई पूरी कराई। इसके बाद शव अंतिम संस्कार के लिए परिजनों को सौंप दिया गया। पुलिस ने धारा 194 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के तहत मर्ग कायम किया है। प्रारंभिक कार्रवाई के बाद मामले को आगे की जांच एवं आवश्यक कार्रवाई के लिए घटनास्थल से संबंधित वारासिवनी थाना भेज दिया गया है। पुलिस द्वारा दुर्घटना के कारणों की जांच की जाएगी।

वृद्ध दंपति ने एक साथ खाया कीटनाशक-दोनों की मौत-गांव में मातम

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। बिरसा थाना क्षेत्र के ग्राम रमगढ़ी में गुरुवार शाम एक दर्दनाक घटना सामने आई। जहां वृद्ध दंपति ने एक साथ कीटनाशक दवाई का सेवन कर लिया। उपचार के दौरान दोनों की मौत हो गई। घटना के बाद से पूरे गांव में मातम पसरा हुआ है। मृतक सूरज सिंह पिता स्व. हरलाल धुर्वे 68 वर्ष और उनकी पत्नी सुंदरी बाई पति सूरज सिंह धुर्वे 65 वर्ष बताये गये हैं दोनों ने किस वजह से एक साथ कीटनाशक दवाई का सेवन किया यह अभी पूर्ण रूप से स्पष्ट नहीं हो पाया है। दोनों के शव का पोस्टमार्टम होना बाकी है।

घर में एक साथ ही खाये कीटनाशक

प्राप्त जानकारी के अनुसार 19 नवंबर को शाम करीब 7:30 बजे सूरज सिंह धुर्वे अपनी पत्नी सुंदरी बाई धुर्वे और बेटा गौतम सिंह व परिवार के अन्य लोगों के साथ घर में थे। इसी दौरान दोनों वृद्ध दंपति ने कीटनाशक दवाई का सेवन कर लिया। हालत बिगड़ने पर दोनों को बिरसा के अस्पताल लेकर गये। किंतु डॉक्टर ने जांच उपरांत दोनों की हालत को सामान्य बताया। इसके बाद परिजन दोनों को घर लेकर अस गये थे

सुबह बिगड़ी तबीयत-रास्ते में ही पत्नी की मौत

20 नवंबर को सुबह करीब 8 बजे दोनों की हालत फिर बिगड़ने लगी। परिजन उन्हें प्राइवेट वाहन से उपचार हेतु बालाघाट ला रहे थे। किंतु रास्ते में ही सुंदरी बाई की मौत हो गई जिनका शव घर भिजवा दिया गया।वहीं सूरज सिंह धुर्वे को बालाघाट नगर के एक निजी अस्पताल में उपचार हेतु लेकर गये किंतु चिकित्सक ने उनकी हालत गंभीर बताते हुए भर्ती लेने से इनकार कर दिया। इसके बाद दोपहर करीब 1 बजे सूरज सिंह को जिला अस्पताल बालाघाट में लाकर भर्ती किया गया था जहां शाम करीब 4:30 बजे उपचार के दौरान उनकी भी मौत हो गई।

दोनों शव फ्रीजर में सुरक्षित-आज होगा पोस्टमार्टम

सूरज सिंह के शव को जिला अस्पताल के फ्रीजर में सुरक्षित रखवा दिया गया है। शाम को सुंदरी बाई के शव को बिरसा अस्पताल लाया गया। जिसे भी वहां के अस्पताल के फ्रीजर में सुरक्षित रखवा दिया गया है। 21 नवंबर को दोनों के शव का पोस्टमार्टम किया जाएगा।दोनों वृद्ध दंपति ने किस वजह से एक साथ कीटनाशक दवाई का सेवन किया यह अभी स्पष्ट नहीं हो पाया है। मामले की जांच बिरसा पुलिस द्वारा की जा रही है।





स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस कार्यालय, काली पुतली चौक, बालाघाट(म.प्र.) से प्रकाशित,
प्रधान संपादक : उमेश बागरेचा, मो.नं. :9425138710, , ई-मेल- balaghatexpress@gmail.com पंजीयन क्रं. MPHIN/2009/32311, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट